जबलपुर
गुरुवार, 4 जुलाई 2024
- आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-13
- वर्ष : 19, अंक : 65
- पृष्ठ : 14, मूल्य : 3.00 रुपये

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 29
न्यून. 25

हाथरस हादसे में साजिश की आशंका

अब हाईकोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में होगी न्यायिक जांच

एजेंसी ▶▶ हाथरस

हाथरस हादसे में 121 लोगों की मौत के पीछे केवल हादसा ही नहीं साजिश भी होने की आशंका सीएम योगी ने जताई है। बुधवार की सुबह घटनास्थल का दौरा करने के बाद सीएम योगी ने घटना की न्यायिक जांच कराने का भी ऐलान किया। कहा कि हाईकोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में इसकी जांच होगी। सीएम योगी ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम की जांच के लिए अलीगढ़ एडीजी की अध्यक्षता में एसआईटी गठित की गई है। योगी ने कहा कि अब तक प्रथमदृष्टया हमारी कार्रवाई राहत और बचाव के अलावा आयोजकों को पूछताछ के लिए बुलाना। हादसे के बारे में उनसे भी पूछताछ करना और जिम्मेदारों की लापरवाही तय करना है। इसके लिए एफआईआर दर्ज हो चुकी है। हाथरस हादसे के बाद हरिद्वार जिला प्रशासन भी सतर्क हो गया है।

» हाथरस हादसे में 121 लोगों की मौत के पीछे केवल हादसा ही नहीं साजिश भी होने की आशंका सीएम योगी ने जताई है

» अलीगढ़ एडीजी की अध्यक्षता में एसआईटी गठित, टीम कारणों की तह तक जाएगी

लोग मरते गए और सेवादार भागते चले गए

सीएम योगी ने कहा कि अगर हादसा था तो सेवादारों को व्यवस्था को सुदृढ़ करना चाहिए था। अगर सुदृढ़ नहीं कर पा रहे थे तो प्रशासन की मदद से हादसे का शिकार लोगों को अस्पताल पहुंचाने की कोशिश करनी चाहिए थी। वहां लोग मरते गए और सेवादार भागते चले गए। मुख्यमंत्री ने भोले बाबा के सेवादारों को इस घटना का जिम्मेदार ठहराया।

पीएम मोदी ने की 2-2 लाख की सहायता राशि की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मरने वालों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। इस घटना में घायल लोगों को 50-50 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसकी जानकारी दी।

हाथरस हादसे के बाद सचेत हुए प्रवचनकार

पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहाः हमारे जन्मदिन पर न जुटाएं 'भीड़'

खजुराहो। छतरपुर में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक वीडियो जारी किया है। इसमें उन्होंने अपने जन्मदिन के मौके पर गुरुवार को श्रद्धालुओं से बागेश्वर धाम न आने की अपील की है। शास्त्री ने कहा कि धाम में श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई थीं। लेकिन लगातार बढ़ रही भीड़ की वजह से ये कम पड़ने लगी हैं। ऐसे में आप लोग हमारा जन्मदिन अपने-अपने घरों पर ही मनाएं। उन्होंने श्रद्धालुओं से 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर धाम आने की बात भी कही है।

पं. मिश्रा ने कथा रद्द की फिर कहा जारी रहेगी

विदिशा। कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने विदिशा में 7 दिवसीय कथा का बुधवार को अचानक समापन कर दिया। उन्होंने व्यास पीठ से चौथे दिन ही कथा समाप्ति की बात कही। कुछ घंटे बाद बोले- कथा 7 दिन तक जारी रहेगी। पंडित मिश्रा ने कहा- पिछले 4 दिन से हो रही बारिश की वजह से कथास्थल के आसपास अव्यवस्था हो गई है। पानी भरा हुआ है, कीचड़ हो रही है, जिसकी वजह से भक्तों को परेशानी हो रही है। किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इस दौरान हाथरस की घटना का भी उन्होंने जिक्र किया। पंडित मिश्रा ने चौथे दिन की कथा समाप्ति के समय श्रोताओं से कहा- समिति का कहना है कि कथा 7 दिन की है।

खबर संक्षेप

भाजपा विधायक कंचन पर 50 हजार का जुर्माना

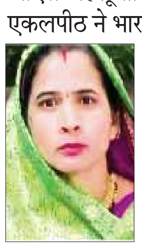

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया की एकलपीठ ने भारतीय जनता पार्टी की खंडवा विधायक कंचन तनवे पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। जुर्माना राशि एक सप्ताह के भीतर हाई कोर्ट रजिस्ट्री में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। यह मामला विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के पराजित प्रत्याशी कुंदल मालवीय की याचिका से जुड़ा है।

सांसद शत्रुघ्न सिन्हा अस्पताल से डिस्चार्ज

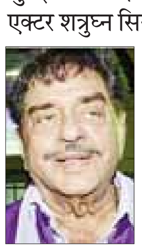

मुंबई। बीते कई दिनों से बॉलीवुड एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती थे। खबरें थीं कि घर में सोफा से गिरने के बाद उन्हें चोट लग गई थी, जिसके चलते उनकी माइनर सर्जरी हुई है। अब छुट्टी मिलने के बाद शत्रुघ्न सिन्हा ने खुद सर्जरी की खबरों को अफवाह बताया है।

राज्यसभा में पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान 1977 के लोकसभा चुनाव के समय को याद किया

देश ने इस बार एक ही मुद्दे पर वोट किया-बस, लोकतंत्र की पुनर्स्थापना

पीएम ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि क्या आप 1977 के चुनावों को भूल गए हैं जब समाचार पत्रों, रेडियो पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और यहां तक कि बोलने की भी अनुमति नहीं थी?

पीएम नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुए संविधान का जिक्र किया और कांग्रेस को एक बार फिर आपातकाल का जिक्र कर आड़े हाथ लिया।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलते हुए संविधान का जिक्र किया और कांग्रेस को एक बार फिर आपातकाल का जिक्र कर आड़े हाथ लिया।पीएम ने कहा कि इस बार अगर संविधान की रक्षा का चुनाव था, तो संविधान की रक्षा के लिए देशवासियों ने हमें योग्य पाया है। संविधान की रक्षा के लिए देशवासियों को हम पर भरोसा हैं और संविधान की रक्षा के लिए देशवासियों ने हमें जनादेश दिया है।

पीएम मोदी ने कहा कि संविधान को बचाने के लिए इससे बड़ा कोई चुनाव नहीं हुआ

जो लोग जांच एजेंसियों पर सवाल उठा रहे हैं, वे अपनी याददाश्त को ताजा कर लें

महिला हिंसा पर 'सिलेक्टिव पालिटिक्स' देश के लिए चिंताजनक

मोदी ने पश्चिम बंगाल में महिला के साथ हुए विभत्स घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने ममता सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल में महिला को पीटते हुए वीडियो हैरान करने वाला है। महिला पर हो रहे अत्याचार को लेकर सिलेक्टिव पालिटिक्स देश के लिए चिंताजनक है। पीएम मोदी ने राज्यसभा में कहा कि कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टी जांच एजेंसियों पर आरोप लगातीं हैं कि सरकार उनका दुरुपयोग करती है। ये

संविधान संशोधन के साथ-साथ एक दर्जन अनुच्छेदों का जिक्र किया

पीएम मोदी ने आपातकाल के दौरान देश पर हुए अत्याचारों का भी जिक्र किया। उन्होंने 38वें, 39वें और 42वें संविधान संशोधन के साथ-साथ एक दर्जन अन्य अनुच्छेदों का भी जिक्र किया, जिन्हें आपातकाल के दौरान संशोधित किया गया था।

क्या थे संशोधन?

38वां संशोधनः *इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगने के बाद सबसे पहले संविधान में 38वां संशोधन किया था। जिसे 22 जुलाई 1975 को अमल में लाया गया था। यह संशोधन न्यायपालिका से आपातकाल की न्यायिक समीक्षा का अधिकार छीनने के लिए लाया गया था।*

39वां संशोधनः *संविधान में 39वां संशोधन किया गया था। जिसे तत्कालीन इंदिरा सरकार को लगे एक बड़े झटके बाद लाया गया। दरअसल, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने राज नारायण बनाम इंदिरा गांधी (12 जून 1975 को दिए गए) मामले में चुनावी कदाचार के आधार पर इंदिरा गांधी के चुनाव को अमान्य घोषित कर दिया था। इसके अलावा वह छह साल तक चुनाव नहीं लड़ सकती थीं। हालांकि, गांधी ने इस आदेश को चुनौती दी। इसके बाद 10 अगस्त 1975 को संसद में 39वां संशोधन पारित हो गया था।*

आज सुबह 6 बजे विशेष विमान पहुंचेगा दिल्ली

पीएम मोदी अपने आवास पर टी-20 वर्ल्ड कप की 'विजेता टीम' से करेंगे मुलाकात

सूर्य कुमार एवं रोहित शर्मा ट्रॉफी के साथ, दूसरे चित्र में प्लेन में चढ़ते क्रिकेटर

◆ पीएम आज सुबह 11 बजे टीम इंडिया से मिलेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप की विजेता टीम के साथ पीएम मोदी 4 जुलाई को अपने आवास पर मुलाकात करेंगे। दरअसल, 29 जून के फाइनल मैच होने के बाद से भी टीम इंडिया वहां फंसी हुई थी। इसके बाद एयर इंडिया का एक विशेष विमान बुधवार को टी-20 क्रिकेट विश्व कप चैंपियन भारतीय टीम को बारबाडोस से घर यानी भारत ला रहा है। दरअसल, भारतीय टीम तूफान बेरिल के मद्देनजर हवाई अड्डे बंद होने के कारण वेस्टइंडीज में फंस गए थे। भारतीय टीम को लेकर विशेष विमान गुरुवार सुबह दिल्ली पहुंचेगा।

मुंबई में बीसीसीआई सम्मान करेगी

राजीव शुक्ला ने कहा कि जो भारतीय पत्रकार वहां (बारबाडोस) फंसे हुए थे, वे भी उसी फ्लाइट से आ रहे हैं। यह फ्लाइट 4 जुलाई की सुबह 6 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरेगी। उन्होंने कहा कि 4 जुलाई की सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री भारतीय टीम से अपने आवास पर मुलाकात करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इसके बाद टीम नरीमन प्वॉइंट मुंबई के लिए उड़ान भरेगी और हम यहां पर खिलाड़ियों को सम्मानित करेंगे।

4.26 करोड़ का हुआ था भुगतान

वर्तमान और पूर्व सीएमएचओ समेत 8 को किया निलंबित

■ 2018 से मार्च 2024 तक हुआ था अनियमित भुगतान

देवास। सीएमएचओ कार्यालय में हुए गबन के बाद संचालनालय स्वास्थ्य सेवा भोपाल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वर्तमान व पूर्व सीएमएचओ सहित 8 अधिकारी-कर्मचारियों को निलंबित कर दिया। सीएमएचओ कार्यालय में अप्रैल 2018 से मार्च 2024 के बीच अनियमित भुगतान हुआ था। जिसके चलते यह कार्रवाई की गई है। उल्लेखनीय है कि मार्च में अनियमित भुगतान का मामला सामने आने के बाद संभागीय संयुक्त संचालक कोषालय व लेखा उज्जैन ने जांच शुरू की थी। इसके बाद पिछले दिनों रिपोर्ट कलेक्टर ऋषव गुप्ता को प्रस्तुत की गई थी। कलेक्टर ने रिपोर्ट का अध्ययन कराया था।

युवक की गोली मारकर हत्या

गुस्साए लोगों ने सड़क पर शव रखकर किया चक्काजाम

■ लव जिहाद पर काम कर रही राम राम संस्था से जुड़ा था मृतक

देवास। देवास में बीच चौराहे पर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। इससे नाराज लोगों ने आगरा-मुंबई हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। वे आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग कर रहे थे। घटना जवाहर नगर चौराहे पर बुधवार दोपहर की है। मृतक का नाम कुणाल बैरागी है। वह संस्था राम-राम के सदस्य थे। संस्था के संस्थापक शैलेंद्र सिंह पवार ने कहा कि हमने पहले ही पुलिस को जानकारी दे दी थी कि कुछ लोग इस प्रकार की प्लानिंग कर रहे हैं, लेकिन इन्होंने (पुलिस) ध्यान नहीं दिया। घटना से नाराज संस्था के सदस्यों ने एमजी अस्पताल चौराहे पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया था।

चंपई सोरेन ने राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा

हेमंत सोरेन 7 जुलाई को सीएम पद की शपथ लेंगे

■ हेमंत सोरेन ने राज्यपाल को सौंपा समर्थन पत्र

रांची। हेमंत सोरेन एक बार फिर झारखंड के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। वह 7 जुलाई को सीएम पद की शपथ लेंगे। उन्होंने चंपई सोरेन के इस्तीफा सौंपने के बाद नई सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। उन्होंने राज्यपाल को विधायकों का समर्थन पत्र भी सौंपा है। वहीं, इससे पहले राजधानी रांची में बुधवार को हुई आईएनडीआईए के विधायक दल की बैठक में हेमंत सोरेन को विधायकों की आम सहमति से विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन आज शाम में ही पडुच्चेरी यात्रा से रांची पहुंचे हैं।

अगले दो दिन प्रदेश में भारी बारिश के आसार कम कुछ जगह होगी 20 से 50 मिलीमीटर तक बारिश

पहली बार भोपाल में 24 घंटे की ऐसी बारिश फिर भी बढ़ा 'पारा'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहने के बावजूद तापमान बदल रहा है। भोपाल सहित कई जिलों में पारा 2 से 3 डिग्री तक बढ़त रही। राजधानी में बुधवार को इस सीजन में पहली बार 24 घंटे में लगातार रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रहा।

मंगलवार से छाए काले घने बादल बुधवार शाम तक रुक-रुककर कभी रिमझिम तो कभी झमाझम बारिश करते रहे। इस सीजन में लगातार 24 घंटे ऐसी बारिश पहली बार रही। इसके बावजूद दिन के तापमान में बढ़त रही।

» मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार वर्तमान में बंगाल की खाड़ी एवं अरब सागर में कोई प्रभावी मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है। इस वजह से मध्यप्रदेश में भारी वर्षा होने की संभावना कम

रोशनपुरा चौराहे का दृश्य

कहां किना बदला पारा

भोपाल, बैतूल, धार, नर्मदापुरम, पचमढ़ी, रतलाम, छिंदवाड़ा, दमोह आदि जिलों में पारा 3 से 4 डिग्री तक बढ़ा।

कई राष्ट्राध्यक्षों ने पीएम और राष्ट्रपति को शोक संदेश भेजा

पुतिन ने मृतकों के परिजनों के प्रति सहानुभूति और संवेदनाएं व्यक्त की व सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हाथरस में भगदड़ की वजह से हुए हादसे पर देश-विदेश के अग्रणी नेताओं ने दुख और संवेदना व्यक्त की है। दुनियाभर के तमाम नेताओं ने इस घटना पर दुख और शोक जताया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दुख जताया है।

उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी को एक शोक संदेश भेजा है। अपने संदेश में रूस के राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हुए दुखद हादसे पर हार्दिक संवेदनाएं स्वीकार करें। कृपया मृतकों के परिजनों के प्रति सहानुभूति और समर्थन व्यक्त करें तथा सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करें।

हाथरस की घटना पर कई देशों के राजदूतों-राष्ट्रपति ने जताया दुख

दुखद घटना से स्तब्ध और दुखी हूं: चीनी राजदूत

चीनी राजदूत शू फेइहोंग ने इस घटना में हुई मौतों पर मंगलवार रात को 'एक्स' पर पोस्ट जारी कर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुई दुखद घटना से स्तब्ध और दुखी हूं। मारे गए लोगों के प्रति शोक प्रकट करता हूं और पीड़ितों के परिवारों के प्रति गंभीर संवेदना व्यक्त करता हूं।

हाथरस में हुई दुखद घटना से बहुत दुखी हूं

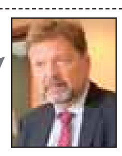

भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने हाथरस में भगदड़ में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि वह इस दुखद घटना से अत्यंत दुखी हैं। एकरमैन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, हाथरस में हुई दुखद घटना से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।

मृतकों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदना: फ्रांस के राजदूत

भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी मथौ ने भी 'एक्स' पर एक पोस्ट किया। फ्रांस के राजदूत ने 'एक्स' पर कहा कि उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में मची भगदड़ में लोगों की मौत की खबर सुनकर बहुत दुखी हूं। फ्रांस, मृतकों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है।

यह दिल दहला देने वाली घटना थी: इजराइली राजदूत

इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने भी अन्य राजदूतों द्वारा व्यक्त की गई भावनाओं को साझा किया। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, हाथरस में भगदड़ की घटना में लोगों की मौत की खबर सुनकर बहुत दुखी हूं। हमारी संवेदनाएं मृतकों के परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। ये घटनाएं दिल दहला देने वाली हैं।

हाथरस हादसे पर एसडीएम ने सौंपी रिपोर्ट

पैरों की धूल लेने दौड़ रहे थे लोग... निजी ब्लैक कमांडो लोगों को पीछे धकेलने लगे

हाथरस हादसे को लेकर सिकंदरा राव के सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) रवींद्र कुमार ने अपनी रिपोर्ट जिला मजिस्ट्रेट को सौंप दी है। इस रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। भोले बाबा के सत्संग में 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ आई थी, बाबा सत्संग के बाद बाहर निकले तो पब्लिक उनके पीछे दौड़ने लगी। बाबा के पैरों की धूल उठाने के चक्कर में लोगों में भगदड़ मच गई थी। भक्तगण उनकी एक झलक पाने के लिए उनके वाहन की ओर दौड़ पड़े। भीड़ बढ़ी, बाबा के निजी सुरक्षा में शामिल लोगों ने पीछे धकेलने की कोशिश की, लेकिन वे विफल रहे, जिसके कारण धक्का-मुक्की और अराजकता फैल गई।

खबर संक्षेप

अमृतपाल को पैरोल, कल लेंगे सांसद पद की शपथ

गुवाहाटी। असम की जेल में बंद खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को चार दिन की परोल दी गई है। अमृतपाल 5 जुलाई को सांसद के रूप में शपथ लेगा। अमृतपाल हाल में हुए लोकसभा चुनाव में पंजाब की खंडूर साहिब लोकसभा सीट पर बतौर निर्दलीय प्रत्याशी 1.97 लाख वोटों से जीत दर्ज की थी। वह असम की डिब्रूगढ़ जेल में एनएसए के तहत बंद है।

सिसोदिया और कविता की हिरासत 25 तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया और बीआरएस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बुधवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग केस में मनीष सिसोदिया और भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ा दी।

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 12 तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम अरविंद केजरीवाल और विनोद चौहान की न्यायिक हिरासत 12 जुलाई तक बढ़ा दी है। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया। आज केजरीवाल की न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी, उन्हें वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया।

पटियाला में कार ने 6 किमी तक मारी टक्कर

पटियाला। पटियाला में मंगलवार दोपहर को हरियाणा नंबर की एक कार ने सड़क पर कहर मचा दिया। बेलगाम दौड़ती कार ने रास्ते में आने वाले कई ई-रिक्शा, दोपहिया वाहन सवारों, रेहड़ियों और दुकानों के बाहर रखे साइन बोर्डों को टक्कर मार दी। करीब 6किमी तक कार का पीछा कर दो नौजवानों को पकड़ा लिया। इसके बाद लोगों ने तोड़-फोड़ की, पुलिस के हवाले किया।

सम्राट ने 22 माह बाद उतारी पगड़ी, मुंडन भी

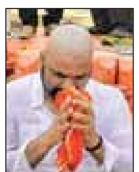

पटना। बिहार के डिप्टी सीएम और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने अपने संकल्प के तहत करीब 22 महीने के लंबे समय के बाद पगड़ी उतार दी। वे बुधवार को अयोध्या में सरयू नदी पहुंचे और पगड़ी समेत स्नान कर सभी को प्रणाम किया और फिर उसको खोल दी। बाद में उन्होंने यह पगड़ी राम लला को समर्पित कर दिया। स्नान से पहले उन्होंने मुंडन भी कराया।

मणिपुर की स्थिति पर पीएम मोदी ने विपक्ष को चेताया, खरी-खरी सुनाई

आग में घी न डाले विपक्ष, कांग्रेस न भूले यहां पर 10 बार राष्ट्रपति शासन लगाया

स्थिति सामान्य करने केंद्र सरकार निरंतर प्रयासरत | *11,000 से ज्यादा एफआईआर की और 500 लोग गिरफ्तार* | *संघर्ष की नींव गहरी लंबी कोई इंकार नहीं कर सकता*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जवाब देते हुए पीएम रेंद्र मोदी ने विपक्ष पर बड़ा हमला किया। वैसे तो उन्होंने अपने भाषण में कई मुद्दों पर बात की, लेकिन उनका खास फोकस मणिपुर पर भी रहा। पिछले एक साल से मणिपुर में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, आलम यह चल रहा है कि अभी भी हिंसक घटनाएं होती दिख जाती हैं।

उन्होंने कहा कि मणिपुर की स्थिति सामान्य करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। वहां जो घटनाएं घटीं, 11 हजार से ज्यादा एफआईआर की गई हैं, 500 से ज्यादा लोग अरेस्ट हुए हैं। इस बात को भी हमें स्वीकार करना होगा कि मणिपुर में लगातार हिंसा की घटनाएं कम होती जा रही हैं। पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि विपक्ष ने आग में घी डालने का काम किया है। ऐसी स्थिति में राजनीति से ऊपर उठकर काम करना ज्यादा जरूरी रहता है।

कांग्रेस ने राजनीति की तो मणिपुर फिर नकार देगा

संसद सत्र के दौरान राज्यसभा में बुधवार को पीएम मोदी ने कहा कि मणिपुर में हिंसा कम हो रही और शांति बहाल हो रही है। पीएम मोदी ने मणिपुर मसले पर कांग्रेस को राजनीति न करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि जो लोग मणिपुर की आग में घी डाल रहे हैं, उन्हें मणिपुर एक दिन नकार देगा। उन्होंने कहा कि मणिपुर में सामाजिक संघर्ष का लंबा इतिहास रहा है।

राजनीति करना बंद करें

पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी विस्तार से बताया। उनका कहना रहा कि पहले ऐसा नहीं देखा गया था कि सरकार का कोई मंत्री मणिपुर में कई दिनों तक रहा होगा। गृह राज्य मंत्री तो हफ्तों तक मणिपुर में रहे हैं, कई बार अधिकारियों के साथ बातचीत की है। शांति स्थापित करने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। पीएम मोदी तो यहां तक मानते हैं कि जो विपक्ष इस समय मणिपुर मुद्दे पर राजनीति करने का काम कर रहा है, मणिपुर की जनता ही उन लोगों को सिरे से नकार देगी।

एक कार्यकाल में यह स्थिति नहीं बनी

पीएम मोदी ने मणिपुर के हिंसक इतिहास के बारे में भी विस्तार से बताया। उनके मुताबिक इससे पहले भी ऐसे संघर्ष देखे जा चुके हैं, यह नहीं कहा जा सकता कि सिर्फ एक कार्यकाल में इस प्रकार की स्थिति देखने को मिल रही हो। पीएम मोदी ने कहा कि जिन लोगों को मणिपुर का इतिहास पता है, उन्हें यह भी पता है कि यहां हिंसा का एक अलग ही संघर्ष रहा है। इस संघर्ष की नींव काफी गहरी है, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता। कांग्रेस को नहीं भूलना चाहिए इसी वजह से 10 बार मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लग चुका है।

कांग्रेस ने नाराजगी जताई

यह अलग बात है कि पीएम मोदी के इस आश्वासन और बयान से कांग्रेस सहमत नहीं है। जयराम रमेश ने तो पीएम मोदी और सरकार पर निशाना साधा है। उन कहना था कि पीएम ने राज्यसभा में मणिपुर पर जो कहा, वह वास्तविकता से अलग है। फरवरी 2022 में, भाजपा और उसके सहयोगियों ने (मणिपुर में) 2/3 से अधिक वोट हासिल किए. 15 महीने के भीतर, मणिपुर जलने लगा। यह अंदर ही अंदर रची गई साजिश है। पीएम आज तक मणिपुर नहीं गए हैं।

सत्य सुनने की ताकत नहीं तो छोड़ रहे हाउस

पीएम मोदी ने कहा कि देश देख रहा है झूठ फैलाने वालों की सत्य सुनने की ताकत भी नहीं होती है। सत्य से मुकाबला करना इसके लिए जिनके हौसले नहीं हैं, उनमें बैठकर के इतनी चर्चा के बाद अपने द्वारा ही उठाए हुए सवालों के जवाब सुनने की हिम्मत नहीं है। ये अपर हाउस को अपमानित कर रहे हैं। देश की जनता ने हर प्रकार से उनको इतना पराजित कर दिया है कि अब उनके पास गली-मोहल्ले में चीखने के सिवाय कुछ बचा नहीं है। नारेबाजी, हो-हल्ला और मैदान छोड़कर भाग जाना... यही उनके नसीब में लिखा हुआ है।

रेड्डी ने 'निर्माण पोर्टल' शुरू किया

यूपीएससी के योग्य उम्मीदवारों को मिलेगी 1 लाख की सहायता

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री ने बताया इसे अनूठी सीएसआर योजना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कोयला तथा खान मंत्री जी किशन रेड्डी नेनई दिल्ली में "राष्ट्रीय सिविल सेवा परीक्षा के मुख्य परीक्षा के उम्मीदवारों को पुरस्कृत करने की उत्कृष्ट पहल, निर्माण (निर्माण) पोर्टल का शुभारंभ किया।

यह कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा अपनी गतिविधियों के संचालन वाले जिलों के उन मेधावी युवाओं के लिए शुरू की गई एक अनूठी सीएसआर योजना है, जिन्होंने 2024 में यूपीएससी परीक्षा (सिविल सेवा और वन सेवा के लिए) के प्रारंभिक दौर में अर्हता प्राप्त की है। यह योजना यूपीएससी के योग्य उम्मीदवारों को एक लाख रुपए की सहायता प्रदान करेगी। सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास के जरिए विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने कोल इंडिया लिमिटेड और इसकी सहायक कंपनियों ने कोयला वाले क्षेत्रों के योग्य एवं वंचित छात्रों को राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित पेशेवर संस्थानों में प्रवेश पाने में मदद करने के लिए विभिन्न पहल की हैं।

मिशन कर्मयोगी की परिकल्पना ...

कोयला मंत्रालय ने बताया कि रेड्डी ने निर्माण पोर्टल का शुभारंभ किया। यह कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा अपनी गतिविधियों के संचालन वाले जिलों के उन मेधावी युवाओं के लिए शुरू की गई एक अनूठी सीएसआर योजना है, जिन्होंने 2024 में यूपीएससी परीक्षा (सिविल सेवा और वन सेवा के लिए) के प्रारंभिक दौर में अर्हता प्राप्त की है। दरअसल यह पीएम नरेन्द्र मोदी की मिशन कर्मयोगी की परिकल्पना के अनुरूप है। मिशन कर्मयोगी भारतीय नौकरशाही में सुधार लिए सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इससे कई अभ्यर्थी लाभान्वित होंगे।

पारिवारिक आय 8 लाख से कम हो

योजना का उद्देश्य प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण उन उम्मीदवारों को एक लाख रुपए की सहायता प्रदान करना है, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 8 लाख रुपए से कम है और जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला या थर्ड जेंडर से संबंधित हैं तथा सीआईएल की गतिविधियों के संचालन वाले 39 जिलों में से किसी एक के स्थायी निवासी हैं। आवेदनों की पूर्ण पारदर्शी एवं निर्बाध जांच सुनिश्चित करने आवेदन प्रक्रिया एक ऐसे समर्पित पोर्टल के जरिए होती है।

जाली मुद्रा के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

एनआईए पर भड़के जज, एजेंसी से कहा कोर्ट को मजाक समझ रखा है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जाली मुद्रा के मामले में एक केस की सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने एनआईए से पूछा कि मामले में 4साल तक क्यों नहीं ट्रायल शुरू किया जा सका है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्जल भुयान की खंडपीठ ने कड़े शब्दों मेंपूछा कि क्या आपने इसे मजाक समझ रखा है। आपकी वजह से आरोपी को बिना किसी सुनवाई के 4साल तक जेल में रहना पड़ा । कोर्ट ने कहा कि क्या आपको नहीं पता कि अपराध की गंभीरता की परवाह किए बिना किसी भी अभियुक्त को शीघ्र सुनवाई का अधिकार है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत नहीं दी थी

कोर्ट ने कहा कि अपराध चाहे कितने भी गंभीर क्यों न हों, हरेक आरोपी को शीघ्र सुनवाई का अधिकार प्राप्त है। इस मामले में आरोपी के इस अधिकार का उल्लंघन हुआ है। सुप्रीम कोर्ट बॉम्बे हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें हाई कोर्ट ने इस साल फरवरी में आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया था।मुंबई पुलिस ने 2020 में आरोपी को उन गुप्त दस्तावेजों के आधार पर पकड़ा था, जिसकी वजह से कथित तौर पर पाकिस्तान से आए नकली मुद्रा बरामद किए गए थे।

पीएम मोदी और शाह के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को एक ऐसी याचिका खारिज की जिसमें पीएम मोदी के वाराणसी से जीते चुनाव को अयोग्य करार देने के लिए कहा गया था। कोर्ट ने कहा कि याचिका दायर करने वाला व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रस्त लग रहा है। एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने फैसला दिया।

लड़के को बचाने की जद्दोजहद

इंफाल में बाढ़ की चेतावनी

इंफाल पूर्व। भारी बारिश के बाद दो प्रमुख नदियों के तटबंध टूटने के बाद इंफाल में बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। इंफाल पूर्वी जिले में बाढ़ वाले क्षेत्र से एक लड़के को इस तरह से बचाया जा रहा है।

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों के लिए जारी की एडवाइजरी

संक्रमण के खतरे को रोकने स्क्रीनिंग व निगरानी बढ़ाएं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महाराष्ट्र में जीका वायरस के कई मामले सामने आने के बाद केंद्र सरकार अलर्ट हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जीका वायरस को लेकर सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी की है।

इस एडवाइजरी के तहत सभी राज्यों को निगरानी बढ़ाने और गर्भवती महिलाओं में जीका वायरस के संक्रमण के खतरे को देखते हुए स्क्रीनिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। 2 जुलाई तक महाराष्ट्र के पुणे में जीका वायरस के छह मामले सामने आ चुके हैं।

इलाकों, स्कूलों और संस्थानों को मच्छरों से मुक्त करें

जीका वायरस पर अलर्ट

गर्भवती के लिए संक्रमण ज्यादा

जीका वायरस संक्रमण भी डेंगू और चिकनगुनिया की तरह एडीज मच्छर जनित बीमारी है। इस बीमारी से संक्रमित ज्यादातर लोगों को पता नहीं चलता है कि वे जीका वायरस से संक्रमित हैं। असल में जीका वायरस के लक्षण बहुत हल्के होते हैं। इस बीमारी से संक्रमित गर्भवती महिलाओं को होने वाले बच्चों का मस्तिष्क पूरी तरह से विकसित नहीं हो पाता और उनके सिर का आकार सामान्य से कम होता है। इस वजह से जीका वायरस संक्रमण चिंता का विषय बना हुआ है।

वायरस संक्रमण के लक्षण

जीका वायरस के संक्रमण से पीड़ित लोगों में सिरदर्द, बुखार, जोड़ों में दर्द, त्वचा पर दाने और लाल चकते, आंखों के सफेद भाग में लालिमा और मांसपेशियों में दर्द की शिकायत जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। जीका वायरस का नाम युगांडा के जीका जंगलों के नाम पर पड़ा है। साल 1947 में पहली बार यहीं पर इस बीमारी के लक्षण मिले थे, जिसके बाद यहां पाए जाने वाले बंदरों को आइसोलेट किया गया था। इसके 5 साल बाद युगांडा और तंजानिया के इंसानों में इस वायरस का संक्रमण पाया गया था।

देश का पहला धार्मिक एक्सप्रेसवे!

गोवा घूमने के साथ 3 शक्तिपीठों के दर्शन करें, लगेंगे केवल 8 घंटे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गोवा घूमने की हसरत को आसान और खूबसूरत बनाने के लिए महराष्ट्र स्टेट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने बड़ा प्लान है। गोवा तक सड़क मार्ग से जाने के लिए 802 किमी लंबा एक्सप्रेसवे बन रहा है। इजमीन अधिग्रहण काम भी लगभग पूरा हो गया है।

जल्द ही निर्माण भी शुरू हो जाएगा। यह एक्सप्रेसवे नागपुर से गोवा तक बनाया जा रहा और इसका नाम नागपुर-गोवा शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे रखा गया है। इस एक्सप्रेसवे को शक्तिपीठ

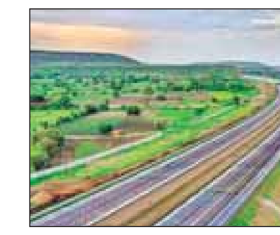

एक्सप्रेसवे इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यह आपको 3 शक्तिपीठों के भी दर्शन कराता है। 6 लेन के इस एक्सप्रेसवे को 2028-29 तक तैयार करने का लक्ष्य है। प्रोजेक्ट की लागत करीब 83,600 करोड़ का अनुमान है। मार्च, 2023 में इसे बनाने की मंजूरी मिली थी।

मध्यप्रदेश 2024-25 बजट

हरिभूमि
बजट भूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

5 वर्षों में वार्षिक बजट के आकार को दोगुना करेंगे

वित्त मंत्री बोले

सबल भुजाओं में लक्षित है, नौका भी पतवार,
चीर चलें सागर की छाती, पार करें मंझधार।

मैं विश्वास दिलाता हूं कि इस सदन द्वारा पारित की गई राशि का पूर्ण उपयोग, प्रदेश में विकास तथा जनता के जीवन में सहजता लाने के लिए होगा।

विकास का बही-खाता

महिला एवं बाल विकास		कृषि व संबंधित क्षेत्र		शिक्षा		ऊर्जा	
1 लाख 21 हजार 997 करोड़	पीएम जनमन योजना 150 करोड़	66 हजार 605 करोड़	सिंचाई परियोजना 13 हजार 596 करोड़	52 हजार 682 करोड़	महाविद्यालय निर्माण 2 हजार 390 करोड़	19 हजार 406 करोड़	आरडीएसएस योजना 3156 करोड़

देवड़ा ने कहा

पांच वर्षों के संकल्पपत्र में जो कहा है... वह करेंगे

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने बजट पेश करने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि बजट को आम जनता से मिले सुझावों, प्रधानमंत्री मोदी व सीएम डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप सर्वस्पर्शी बजट तैयार किया गया है। इसमें गरीब, युवा, किसान पर विशेष तौर पर फोकस किया गया है।

सबका साथ सबका विकास

स्वास्थ्य

21444 करोड़ का प्रावधान

- आयुष्मान भारत 1381 करोड़
- रतलाम, दतिया, शिवपुरी, सतना में मेडिकल कॉलेज

ग्रामीण विकास

4000 करोड़ का प्रावधान

- यूज्ड वॉटर मैनेजमेंट के लिए 392 करोड़
- सड़कों के नवीनीकरण एवं उन्नयन के लिए 901 करोड़, सिंहस्थ-2028 हेतु 505 करोड़

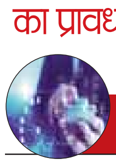

डिजिटल मध्यप्रदेश

32 करोड़ का प्रावधान

- पैक्स संस्थाओं का कंप्यूटरीकरण
- ई-विधान, ई-कैबिनेट, ई-विधायक ऑफिस (5 लाख प्रति विधायक) योजना

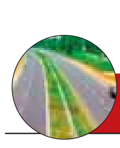

सड़क

10,000 करोड़

- एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर औद्योगिक कॉरिडोर विकसित होंगे

भोपाल-इंदौर मेट्रो

1160 करोड़

- अमृत 2.0 1499 करोड़
- सिंहस्थ 2028 505 करोड़

औद्योगिक निवेश

- 535 एमएसएमई और बड़ी इकाइयों में 14,853 करोड़ का पूंजी निवेश संभावित
- धार के 'पीएम मित्र' पार्क में 25 हजार करोड़ का पूंजी निवेश संभावित

बजट बनाने के लिए करीब तीन हजार सुझाव आए

उप मुख्यमंत्री व वित्त मंत्री देवड़ा ने विधानसभा में किया पेश किया बजट, इसमें कोई 'नया टैक्स' नहीं

मोहन के बजट ने मोहा 'मन'
शिक्षा स्वास्थ्य-ऊर्जा को खूब दिया 'धन'

16% बढ़ा आकार

शिक्षा को 52 हजार करोड़, स्वास्थ्य को 21 हजार करोड़ और ऊर्जा को 19 हजार करोड़ दिए

मप्र का वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए तीन लाख 65 हजार करोड़ का

मप्र में राज्य मिलेट मिशन गठित, कोदो कुटकी पर 10 रुपए प्रति किलो की अतिरिक्त राशि दी जाएगी

रुपया आया कहां से?

राज्य कर से 31 फीसदी, केंद्रीय करों में हिस्सा 29 फीसदी, करेतर राजस्व से 6 फीसदी, केंद्रीय सहायता अनुदान से 14 फीसदी व अन्य प्राप्तियों से 20 फीसदी राशि प्राप्त हुई है। इसमें जीएसटी, सेल टैक्स, प्रवेश व विलासिता टैक्स से 61,025 करोड़ रुपए, राज्य उत्पाद शुल्क से 16 हजार करोड़, स्टांप व पंजीयन से 12500 करोड़, वाहन कर से 5500 करोड़, विद्युत कर तथा शुल्क से 5000 करोड़, अन्य प्राप्तियों से 2071 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं।

यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया

इस वर्ष में 11 नवीन योजनाएं शुरू होंगी, इसमें सिंहस्थ 2028 व विधायक कार्यालियों का डिजिटाइजेशन, नगर वनीकरण, कोडिंग लैब, मप्र शांति वाहन योजना प्रमुख हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वित्त व उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 3,65,067 करोड़ रुपए का वार्षिक बजट विधानसभा में पेश कर दिया। यह पिछले वर्ष के बजट की तुलना में 16 फीसदी अधिक है।

बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत का विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस वर्ष में 11 नवीन योजनाएं शुरू होने जा रही है। इसमें सिंहस्थ 2028 व विधायक कार्यालयों का डिजिटाइजेशन, नगर वनीकरण, कोडिंग लैब, मप्र शांति वाहन योजना प्रमुख हैं। बजट प्रस्तुत करते हुए उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि 5 वर्षों में वार्षिक बजट के आकार को दोगुना करने का निर्णय लिया गया।

ऋण का उपयोग पूंजीगत कार्यों में नहीं होना चाहिए

राज्य सरकार पर बढ़ते ऋण के एक सवाल में देवड़ा ने कहा कि ऋण लेना गलत नहीं है, बशर्ते उसका उपयोग पूंजीगत कार्यों में नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के सभी राज्यों की सरकारें ऋण लेती हैं, किंतु मप्र में हमेशा से निर्धारित सीमा के दायरे में है। बजट को सड़कें, सिंचाई, स्कूल, कॉलेज से लेकर सभी विकासात्मक कार्यों पर फोकस किया गया है।

बजट में कुछ इस तरह से होगी हिस्सेदारी

- *अधोसंरचना: 15 फीसदी*
- *कृषि क्षेत्र : 7 फीसदी*
- *स्वास्थ्य : 13*
- *शिक्षा : 11*
- *सामाजिक क्षेत्र : 6*
- *नगरीय एवं ग्रामीण विकास: 12*
- *संस्कृति : 0.04*
- *रोजगार : 01 फीसदी*
- *सामान्य सेवा: 9*
- *अन्य सेवाएं: 2 फीसदी*
- *ब्याज भुगतान: 8 फीसदी*
- *पेंशन : 7 फीसदी*
- *ऋण भुगतान : 8 फीसदी*

बजट से ग्रामीण विकास एवं कृषि को मजबूती मिलेगी

बजट से ग्रामीण विकास को बढ़ावा मिलेगा, विकास के साथ रोजगार के नए-नए अवसर की ओर ध्यान दिया गया है। कृषि को टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ने की योजना जिससे किसानों को लाभ हो, इनकी चिंतन की गई है। यह बजट गरीब, युवा, महिला एवं किसान पर फोकस किया गया है लेकिन शिक्षा, युवा और रोजगार की ओर चिंता करने की आवश्यकता है। 3 लाख 65 हजार 67 करोड़ का बजट वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सरकार ने रखा है जो पिछले बजट से 16 प्रतिशत अधिक है। जबकि मुझे लगता है इसको 20 प्रतिशत के लगभग करना था।

डॉ. देवेंद्र विश्वकर्मा
आर्थिक विशेषज्ञ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

बजट में युवा, गरीब, महिला, किसान सहित सभी वर्गों का रखा गया ध्यान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2024-25 के बजट के लिए प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश में पहली बार 03 लाख 65 हजार करोड़ से अधिक की राशि का बजट प्रस्तुत किया गया है। बजट की यह विशेषता है कि इसमें किसी प्रकार का कोई टैक्स नहीं लगाया गया है। किसी भी विभाग की अपेक्षित राशि को कम नहीं किया गया, अपितु सभी विभागों के आवंटन में वृद्धि की गई है। विकसित भारत-विकसित मप्र की थीम पर प्रस्तुत बजट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपेक्षा अनुसार जीडीपी की ग्रोथ को सुनिश्चित करते हुए आगामी पांच वर्षों में बजट का आकार दोगुना किया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार

युवाओं को रोजगार देने वाले बजट नहीं

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मध्यप्रदेश सरकार के बजट पर जमकर निशाना साधा उन्होंने कहा कि यह किसी से छिपा नहीं है सरकार कर्ज के रूप में घी पी रही है। ये पैसा भ्रष्टाचार में जाएगा। मंत्रियों के पास जाएगा, अधिकारियों के पास जाएगा और क्या होगा। घोषणा पत्र में लाड़ली बहनों को 3000 हजार रु. देने का वादा किया गया था लेकिन अब जो बजट आया है उसमें लाड़ली बहनों से धोखा किया जा रहा है। लाड़ली बहनों को सपने दिखाकर पूरा चुनाव लड़ा और जीत हासिल की अब उन्हें बढ़ी हुई राशि नहीं दे रहे हैं। सिंघार ने यह भी कहा कि प्रदेश में 20 हजार करोड़ की जल जीवन मिशन योजना थी, अच्छी योजना थी लेकिन यह योजना भ्रष्टाचार की बलि चढ़ गई।

बजट में मेरे लिए क्या?

मैं महिला

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023: 18984 करोड़

- आंगनवाड़ी सेवाएं 3469 करोड़
- लाड़ली लक्ष्मी योजना: 1231 करोड़
- विशेष पोषण आहार योजना: 1167 करोड़.
- पीएम मातृ वंदना योजना: 350 करोड़

पोषण अभियान (एनएनएम) (सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0): 200 करोड़

आईसीपीएस (मिशन वात्सल्य): 130 करोड़

केयर स्पॉन्सरशिप, फॉस्टर: 100 करोड़

मैं किसान

- अटल कृषि ज्योति योजना: 5510 करोड़
- मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना: 4900 करोड़
- कृषि पंपों, थ्रेशर पर निशुल्क विद्युत प्रदाय: 2475 करोड़
- पीएम फसल बीमा: 2001 करोड़

मैं विद्यार्थी

- प्राथमिक शालाएं 11485 करोड़
- माध्यमिक शालाएं: 6705 करोड़
- सीएम राइज 2738 करोड़
- पीएम श्री: 225 करोड़

मैं युवा

- मुख्यमंत्री कौशल अप्रेंटिसशिप योजना: 301 करोड़
- मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना: 300 करोड़

मैं खिलाड़ी

- खेलो इंडिया एमपी: 166 करोड़
- खेल अकादमियों की स्थापना: 148 करोड़
- स्टेडियम एवं खेल निर्माण: 127 करोड़

और सांस्कृतिक पुनरुत्थान भी

- सांस्कृतिक उत्थान: 1081 करोड़
- वेदांत पीठ की स्थापना: 341 करोड़
- मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना: 50 करोड़
- श्रीकृष्ण पाथेय योजना से श्री कृष्ण पथ और उससे संबंधित संरक्षण-संवर्धन
- पर्यटकों की सुविधाओं पर: 666 करोड़
- पर्यटन अधोसंरचना का विकास: 122 करोड़
- पीएम श्री हेली व वायु पर्यटन सेवा प्रारंभ

दो पूर्व वित्त मंत्रियों की नजर में बजट

इस बजट को बेहतर माना जाना चाहिए

राघव जी भाई
पूर्व वित्त मंत्री

यह बजट सामान्य बजट है। पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 16 प्रतिशत का इजाफा किया गया है। यह स्वाभाविक है और इन हालातों में इसे बेहतर ही माना जाएगा। बजट में पुलिस और शिक्षक भर्ती का प्रावधान स्वागत योग्य कदम है। नए मेडिकल कॉलेज खोलने से लेकर अटल कृषि ज्योति योजना में 5300 करोड़ और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 4900 करोड़ का प्रावधान स्वागत योग्य कदम है। इन परिस्थितियों में इससे बेहतर करना मुश्किल है। प्रदेश सरकार द्वारा लगातार कर्ज लेने की प्रवृत्ति चिंताजनक है। इस बार बजट में 88 हजार करोड़ का कर्ज लेना चिंताजनक है क्योकि, पिछले वर्ष की तुलना में कर्ज को दोगुना करके लिया जा रहा है। कर्ज का ब्याज चुकाने से सरकार पर बोझ बढ़ता ही जा रहा है। ब्याज का बोझ बढ़ने से योजनाओं पर खर्च करने में कमी करनी पड़ेगी। सरकार को चाहिए कि खर्च को कम करने का प्रयास कर आमदनी बढ़ाने पर जोर देना चाहिए। वित्तीय घाटा 3 फीसदी से बढ़कर 4.11 तक पहुंचना भी चिंताजनक है। आबकारी, स्टांप, पेट्रोल डीजल की मानिटिरिंग में सुधार करने से आमदनी बढ़ेगी। कर प्रणाली में बदलाव से आमदनी बढ़ाने के लिए करों की जगह स्वयं के साधन विकसित करने होंगे।

इसमें विकास का कोई विजन नहीं

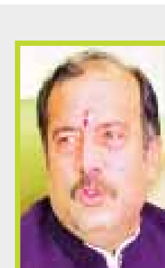

तरुण भनोत
पूर्व वित्त मंत्री

प्रदेश की भाजपा सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट में विकास का कोई विजन नहीं है। यह सिर्फ भ्रष्टाचार करने के उद्देश्य से लाया गया है। यह सरकार कर्ज पर चल रही है। इसके पास विकास के लिए पैसा ही नहीं है। बजट में किसी नई योजना की घोषणा नहीं की गई है और वादे के अनुसार लाड़ली बहना योजना के तहत महिलाओं को दी जानी वाली राशि भी नहीं बढ़ाई गई है। भाजपा ने चुनाव में लाड़लियों के वोट इसी नाम पर लिए हैं। अब राशि न बढ़ाना उनके साथ धोखा है। बजट में जुमलेबाजी देखने को मिल रही है। इसमें कर्मचारियों और किसानों से किए वादे पूरे नहीं किए गए हैं। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम नहीं दिया जा रहा है। जिस समर्थन मूल्य की घोषणा चुनाव के दौरान की गई थी, उसे पूरा नहीं किया गया है। सरकार द्वारा बनाए गए पुल, सड़कें और अन्य सरकारी इमारतें एक बारिश भी बर्दाश्त नहीं कर पा रही हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क सहित अन्य मदों के लिए राशि का प्रावधान तो किया गया है लेकिन सरकार के पास इन कामों के लिए पैसा ही नहीं है।

चिंतन

हंगामा, नारेबाजी संसद की प्रकृति न बन जाएं

मोदी 3.0 सरकार के पहले संसद सत्र लक्ष्य के अनुरूप ही चले। सांसदों का शपथग्रहण हुआ, राष्ट्रपति का अभिभाषण हुआ, अभिभाषण पर चर्चा हुई, चर्चा के दौरान विपक्ष ने जहां सरकार पर अनेक आरोप लगाए, वहीं सरकार ने विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। पहली बार राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष के तौर पर संसद में अभिभाषण पर चर्चा में शामिल हुए। उन्होंने विषयान्तर होकर सरकार पर अनेक आरोप चस्पा किए, जिसमें सरकार को तुरंत हस्तक्षेप भी करना पड़ा। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने धन्यवाद संबोधन में लोकसभा व राज्यसभा में विपक्ष के हर आरोप का न केवल जवाब दिया बल्कि कांग्रेस को कटघरे में खड़ा भी किया। इस छोटी अवधि के सत्र की सबसे बड़ी खामी यह दिखी कि सत्ता पक्ष ने जिस धैर्य के साथ नेता प्रतिपक्ष समेत सभी विपक्षी वक्ताओं को सुना, विपक्ष ने ऐसा नहीं किया, पीएम के जवाब के दौरान कांग्रेस समेत विपक्षी सांसद होहल्ला करते रहे, नारेबाजी करते रहे, व्यवधान पैदा करते रहे। सुनाने के साथ सुनने की भी शिष्टता की जरूरत होती है। विपक्षी खासकर कांग्रेस सदन के कामकाज में खलल डालने में सबसे आगे रही। केवल आरोप लगा देना ही काफी नहीं है, उसका जवाब सुनना भी आवश्यक है। पीएम मोदी के संबोधन के दौरान लोकसभा व राज्यसभा में कांग्रेस सांसदों ने जिस प्रकार सयास व्यवधान डाला, शोरगुल किया, वह अशोभनीय है, संसद की गरिमा के खिलाफ है। सांसदों का सदन में दायित्व है कि जब कोई संसद सदन में अपनी बात रखें तो उपस्थित सांसदों को उसे शांतचित्त से सुनना चाहिए। होहल्ला करने से कोई किसी की बात न सुन सकेगा, न समझ सकेगा और न संवाद प्रेषित हो सकेगा। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अहम है, लेकिन वह रचनात्मक होनी चाहिए, अवरोधक नहीं होनी चाहिए। दुर्भाग्य से हमारी संसद में विपक्ष ने अपनी भूमिका अवरोधक की तय कर ली है। विपक्ष को भ्रम हो गया है कि जनादेश उसके पक्ष में है, जबकि ऐसा नहीं है। देश की जनता ने जनादेश मोदी नीत राजग को दिया है, इसजिए राजग ने लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाई है। राहुल गांधी को यह भी भ्रम है कि भाजपा व संघ के लोग ऐसे हिंदू हैं जो हिंसा की बात करते हैं, जबकि ऐसा नहीं है, यह हिंदू के एक बड़े वर्ग को अपमानित करने जैसा है। पीएम मोदी ने नीट पर विपक्ष के सवालों का जवाब दिया कि एक भी दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं को लेकर विपक्ष के आरोपों पर पीएम ने जवाब में कहा कि घाटी में आतंकवाद अंतिम चरण में है, सरकार इसके खात्मे करने को लेकर प्रतिबद्ध है। भ्रष्टाचार बढ़ने के विपक्ष के आरोपों पर पीएम ने कहा कि सरकार ने करप्शन के खिलाफ काम कर रही एजेंसियों को खुली छूट दे रखी है, दोषी कटघरे में खड़े किए जाएंगे। पीएम ने सदन को आश्वस्त भी किया कि उनके नेतृत्व वाली सरकार के आने वाले पांच वर्ष गरीबों के खिलाफ लड़ाई के लिए निर्णायक हैं। आज ही आर्थिक शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लायड एकोनॉमिक रिसर्च ने अपने शोधपत्र में दावा किया है कि कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद भारत में गरीबी वित्त वर्ष 2011-12 के 21.2 प्रतिशत से घटकर 2022-24 में 8.5 प्रतिशत पर आ गई। यह मोदी सरकार के दस साल की कार्यावधि की बड़ी उपलब्धि है कि गरीबी में 12.5 फीसदी के करीब कमी आई है। ये आंकड़े बताते हैं कि मोदी सरकार की नीति भी सही है और नीयत भी। मोदी सरकार जनकल्याण की भावना राष्ट्र के विकास व गरीबी उन्मूलन के लिए काम कर रही है। संसद में विपक्ष को हंगामे का प्रतीक बनने की बजाय रचनात्मक लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए काम करना चाहिए।

संसद
उमेश चतुर्वेदी

...गरिमापूर्ण बना रहे लोकतंत्र

> 1999 के आम चुनाव में मधेपुरा सीट से शरद यादव के हाथों हारने के ठीक तीन साल बाद लालू यादव राज्यसभा पहुंचे। संसद के दोनों सदनों की एक परिपाटी रही है। जब भी कोई नया सदस्य बोलता है, पूरे सदन से उम्मीद की जाती है कि उससे टोका-टाकी ना हो, लेकिन नए सदस्य से भी उम्मीद की जाती है कि वह भी अपने भाषण में ऐसे मुद्दों को ना शामिल करे, जो विवादित हों। लालू यादव कहां मानने वाले थे। भाषण के शुरूआत के कुछ ही देर बाद वे उन सारे मुद्दों पर आ गए, जिन पर सदन में शोरशराबा होना लाजिमी था। राज्यसभा की तत्कालीन उपसभापति नजमा हेपतुल्ला ने लालू यादव के भाषण पर तत्काल रोक लगा दी थी।

वर्ष 1999 के आम चुनाव में मधेपुरा सीट से शरद यादव के हाथों हारने के ठीक तीन साल बाद लालू यादव राज्यसभा पहुंचे। संसद के दोनों सदनों की एक परिपाटी रही है। जब भी कोई नया सदस्य बोलता है, पूरे सदन से उम्मीद की जाती है कि उससे टोका-टाकी ना हो, लेकिन नए सदस्य से भी उम्मीद की जाती है कि वह भी अपने भाषण में ऐसे मुद्दों को ना शामिल करे, जो विवादित हों। लालू यादव कहां मानने वाले थे। भाषण के शुरूआत के कुछ ही देर बाद वे उन सारे मुद्दों पर आ गए, जिन पर सदन में शोरशराबा होना लाजिमी था। शोर बढ़ता देख राज्यसभा की तत्कालीन उपसभापति नजमा हेपतुल्ला आसन पर पहुंची, क्योंकि तब आसन कोई और संभाल रहा था। उन्होंने लालू यादव के भाषण पर तत्काल रोक लगा दी। उन्हें समझाया कि एक राज्य के मुख्यमंत्री रहे और एक पार्टी के अध्यक्ष से ऐसी असंसदीय परंपरा की उम्मीद नहीं की जा सकती। लालू यादव ने आसन की बात मानी और फिर उन्होंने अपना भाषण पूरा किया।

इसके बरक्स आज की संसद को हमें देखना चाहिए। हमने जिस संसदीय लोकतंत्र को स्वीकार किया है। वह एक तरह से ब्रिटेन की कॉपी है। ब्रिटेन की संसद में कई अच्छी परंपराएं हैं। जैसे संसद का कोई सदस्य किसी पर बिना किसी प्रमाण के आरोप नहीं लगा सकता। सांसद चाहे जिस भी पृष्ठभूमि या दल का हो, वह हवा-हवाई किसी पर आरोप नहीं लगाता। लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में संसद को सबसे पवित्र दर्जा हासिल है। इसी पवित्रता बोध पर ही संसदीय परंपराएं निर्मित हुई हैं और उन्हें पल्लवित-पुष्पित किया गया है। देश चाहे जो भी हो, अगर वहां लोकतंत्र मजबूत बना हुआ है तो इसकी बड़ी वजह वहां की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में संसद के प्रति पावन भाव की बड़ी भूमिका है। संविधान सभा की बहसों से जब हम गुजरेंगे तो हमें पता चलेगा कि संविधान निर्माताओं ने अपनी संसद के प्रति भी ऐसा ही भाव रखा था। जिसका कमोबेश हर दल पालन करता रहा है, लेकिन हाल के कुछ वर्षों में संसद को पवित्र जगह मानने का भाव कमजोर हुआ है। कुछ राज्यों की विधानसभाएं अखाड़े में जरूर परिवर्तित होती रही हैं। तमिलनाडु की विधानसभा में जयललिता से हुई बदसलूकी और उत्तर प्रदेश की विधानसभा में हुई खुली मारपीट इसका उदाहरण हैं, लेकिन कुल मिलाकर हर विधानसभा से यही उम्मीद की जाती रही है कि उनके यहां भी पवित्रता बोध से भरी संसद जैसा ही बर्ताव होगा। शायद यही वजह है कि संसदीय कार्यवाही को लेकर खास तरह के आदरभाव की उम्मीद की जाती रही है। हाल के कुछ वर्षों में यह आदरभाव कम हुआ है। इसकी बड़ी वजह यह है कि आज की राजनीतिक पीढ़ी संसद को अपनी भड़ास निकालने और इस पूरी प्रक्रिया में अनर्गल प्रलाप करने का माध्यम तक मान चुकी है। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने इस सोच को एक कदम और आगे बढ़ा दिया। विधानसभा और राज्य का विषय भले ही न हो, लेकिन उस पर विचार के लिए विधानसभा बुला ली संसदीय विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए अनाप-शनाप बोला और आरोप लगा दिया। दिल्ली विधानसभा

की तमाम कार्यवाहियों के देखेंगे तो हर बार कुछ दिन ऐसे जरूर रहेंगे, जब सत्ता पक्ष, मुख्यमंत्री या मंत्री केंद्र सरकार, विपक्षी नेता पर आधारहीन आरोप लगाएगा।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा के दौरान राहुल गांधी का भाषण भी अरविंद केजरीवाल मार्का राजनीति का विस्तार लगता है। दरअसल संसद या विधानमंडलों के सदस्यों को एक विशेषाधिकार हासिल है। संसद या विधानमंडल में बोलने या वहां किसी पर आरोप लगाने को लेकर किसी भी अदालत में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। केजरीवाल सरकार इसी विशेषाधिकार का इस्तेमाल करके बार-बार विधानसभा सत्रों में आरोप लगाती रही है। केजरीवाल बाहर रहते हुए भी खूब आरोप लगाते रहे। आधारहीन आरोपों को लेकर जब अरुण जेटली और नितिन गडकरी ने अदालती कार्यवाही की तो बिना शर्त माफी भी मांग ली। कई ऐसे और भी मामले रहे। इसी तरह राहुल गांधी भी जनसभाओं में आरोप लगाते रहे। ऐसे आरोपों को लेकर उन पर मामले भी चल रहे हैं। जिसमें एक रांची में भी चल रहा मामला है। ठाणे में भी उन पर मामला चल रहा है। राहुल गांधी से उम्मीद थी कि वे संसद में जो भी आरोप लगाएंगे, कम से कम उनके पास उनका ठोस आधार होगा। अगर वे ऐसा करते तो उनके कई आरोपों को संसदीय कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटाया नहीं जा सकता था। यह बात और है कि संसदीय कार्यवाही से उनके बयानों के कई अंशों को हटाने को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर आरोप लगाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि वे सरकार के दबाव में ऐसा कर रहे हैं। कांग्रेस की रणनीति है कि जनता यह मान लें कि राहुल गांधी ने जो किया है, वही सही है। जनता का एक वर्ग इसे मान भी लेगा। सोशल मीडिया के दौर में ऐसा संभव भी है। आज पृष्ठभूमि की तह तक जाने का लोगों के पास वक्त नहीं है। सोशल मीडिया ने हमें तात्कालिक सूचनाओं को ही समूचा ज्ञान मानने की प्रक्रिया का सफल अंग बना दिया है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब पारंपरिक तौर पर प्रधानमंत्री देता है। प्रधानमंत्री के जवाब के वक्त जिस तरह लगातार टोकाटाकी हुई, वह भी संसदीय परंपरा का खुला उल्लंघन है। संसदीय परंपरा है कि जब प्रधानमंत्री बोल रहा हो तो दूसरा सदस्य तब बोलेगा, जब प्रधानमंत्री उसे मौका देते हुए अपनी सीट पर बैठ जाएं। अगर प्रधानमंत्री खड़ा है तो मतलब है कि सदन को उसे सुनना है। अगर सदन को किसी बात पर आपत्ति है तो सदस्य बाद में प्रधानमंत्री से स्पष्टीकरण मांग सकते हैं। इस संदर्भ में अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री रहते वक्त लोकसभा का एक किस्सा याद आ रहा है। गुजरात से जुड़े एक मसले पर चर्चा के दौरान जब प्रधानमंत्री वाजपेयी ने हस्तक्षेप किया तो गुजरात के एक कांग्रेसी सांसद ने टोकाटाकी शुरू कर दी। उनकी टोकाटाकी से परेशान वाजपेयी यह कहते हुए बैठ गए कि अब आप ही बोलिए, प्रधानमंत्री नहीं बोलेगा। अटल के बैठते हुए पूरी सदन में जैसे सन्नाटा छा गया। इसके बाद प्रियरंजन दास मुंशी अपनी सीट पर खड़े होकर बताने लगे कि अटल जी भाषण क्यों नहीं देंगे। ऐसे में जिस कांग्रेसी सांसद ने वाजपेयी को टोक-टोक कर परेशान किया था, शर्मिंदा हो गए और वाजपेयी से माफी मांगी। उसके बाद प्रधानमंत्री अपनी सीट पर खड़े हुए और तत्कालीन चर्चा पर विपक्ष की बखिया उधेड़ दी। मंत्रियों का जोरदार बचाव किया।

ये संसदीय परंपरा बहुत पुरानी बात नहीं है। सवाल यह है कि क्या आज के सांसद और विशेषकर नेता प्रतिपक्ष जैसे अहम सांसद भी अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे? सदन में जो बोला जा रहा है, चाहे जितना भी ताकतवर सांसद हो, वैसा सदन के बाहर बोले तो उसके खिलाफ मुकदमों की बौछार हो सकती है। संसदीय परंपराओं की महानता को हम बचाकर नहीं रखेंगे तो इसके संदेश बेहद खराब होंगे। लोग और वोटर फिर संसद को क्यों गंभीर मानेंगे। इससे संसद की गरिमा का पतन होगा और अंततः इससे लोकतंत्र कमजोर होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

सवाल

डॉ. रमेश ठाकुर

किसकी लापरवाही से सत्संग स्थल बना श्मशान घाट

सत्संग स्थल को किसने श्मशान घाट में तब्दील किया? ये सवाल घटना घट जाने के बाद हादसा स्थल के चारों ओर गूंज रहा है। जवाब कौन देगा और कौन है हादसे का जिम्मेदार? ये सवाल भी वहां मुंह बाये खड़ा हुआ है। भगदड़ में मरने वालों की फैली लाशें, कराहते घायल श्रद्धालुओं की चीखें देखकर परिजनों की हिम्मत जवाब देती दिखी। राहत-बचाव में जुटे कर्मियों के कलेजे भी कपकपा रहे थे। हाथरस में भोले बाबा के सत्संग में संभावित या आपातकाल की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासनिक इंतजाम अगर थोड़े से भी होते तो इतनी दर्दनाक घटना नहीं घटती। हैरानी की बात ये है कि पांच हजार सत्संगियों की रक्षा में मात्र 73 पुलिसकर्मी तैनात थे, जिनमें दो दर्जन तो होमगार्ड ही थे। घटना का शोर जब तेजी से मचने लगा तो सबसे पहले सुरक्षाकर्मी ही भाग खड़े हुए। प्रशासन और आयोजक दोनों गहरी नींद में सोए हुए थे। सत्संग स्थल पर एक भी एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं थी। न ही कोई फायर ब्रिगेड की गाड़ी वहां तैनात थी और न ही कोई विशेष अन्य व्यवस्थाएं की गईं थीं, हाथरस भगदड़ हादसा स्थानीय प्रशासन की घोर लापवाही का नतीजा इसलिए कहा जाएगा, क्योंकि जिस सत्संग स्थल पर बाबा भोले नाथ प्रवचन का आयोजन था, उसमें मात्र पांच हजार लोगों की बैठने की व्यवस्था थी। लापरवाही देखिए 50 हजार से अधिक सत्संग प्रवचन सुन पहुंचे हुए थे, इसलिए सत्संग स्थल कैसे बना श्मशान घाट? उसकी असल सच्चाई सबके सामने है। सत्संग स्थलों पर यह न पहला हादसा है और न ही अंतिम? इससे पूर्व भी कई दर्दनाक हादसे हुए। लेकिन घटना हो जाने पर शासन से लेकर प्रशासन तक खलबली मच जाती है, पर जैसे ही मामले की तपिश कुछ शांत होती है, प्रशासन दूसरे हादसे का इंतजार करने लगता है। हाथरस का लोकल प्रशासन अगर वास्तव में थोड़ा भी अलर्ट होता। इतने श्रद्धालुओं को सत्संग में पहुंचने की इजाजत नहीं देता, तो सैकड़ों लोग बेमौत मरने से बच सकते थे। हादसा होते ही प्रवचन सुनाने वाला बाबा फरार हो गया। बाबा की हकीकत जाने तो वह कोई जन्मजात साधु या प्रवचनकर्ता नहीं है और न ही लंबे समय से इस क्षेत्र में है। आधी उम्र बीतने के बाद उसे प्रवचन सुनाने का शौक चढ़ा। करीब 26 वर्ष तक उन्होंने इंटेलिजेंट ब्यूरों में सामान्य कर्मचारी के तौर पर नौकरी की, नौकरी छोड़ने के बाद उसके अपना नाम बदला और 'विश्व हरि भोले' रख लिया। फिर कूद पड़ा आध्यात्मिक क्षेत्र में, बीते कुछ वर्षों में उन्होंने हिंदी पट्टी के राज्यों में लाखों की संख्या में अपने अनुयायी बनाए। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा व बिहार में उनके भक्तों की संख्या बहुतायत है। ग्रामीण स्तर की महिलाएं इनकी भक्त ज्यादा हैं। जाहिर सी बात महिलाएं जब कहीं जाती हैं तो अपने साथ छोटे बच्चों को जरूर ले जाती हैं। मंगलवार को भी कमोबेश कुछ ऐसा ही हुआ। सवाल उठता है सरकार-प्रशासन इस हादसे से कुछ सबक लेगा या फिर मुआवजा और सहानुभूति देकर मात्र मामला शांत करेगा। मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री और पक्ष-विपक्ष के नेता भी दुख प्रकट कर रहे हैं, करना भी चाहिए, घटना ही ऐसी, जो सुन रहा है उसके रौंगटे खड़े हो रहे हैं। घटना का दोषी समूचा स्थानीय प्रशासन है, उसकी लापरवाही से ही ये घटना घटी। घटना कैसे घटी ये जानना जरूरी है। प्रवचन सुनाने वाले बाबा की जब इंट्री हुई तो उसे करीब से देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उनके काफिले पर टूट पड़ी। अगर वहां दो-चार दर्जन सुरक्षाकर्मी तैनात होते तो ऐसी घटना शायद न घटती। वो भीड़ को नियंत्रित कर सकते थे, पर यहां सवाल एक ये भी उठता है कि आयोजकों ने पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए? भीड़ अगर ज्यादा थी तो प्रशासन से अपील करनी चाहिए थी। सैकड़ों श्रद्धालुओं के हताहत होने की खबर घटना के कुछ घंटों बाद ही सामने आ चुकी है। हताहतों की संख्या का बढ़ना भी अभी निश्चित है, क्योंकि सैकड़ों घायल श्रद्धालु विभिन्न अस्पतालों में गंभीर हालत में भर्ती हैं, लेकिन सत्संग स्थल कैसे समाधि स्थल बना इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। प्रदेश सरकार ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख तथा घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता देने का ऐलान कर दिया है। वहीं, केंद्र सरकार ने भी आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा की है, लेकिन ये मुआवजा वह जख्म कभी नहीं भर सकता है, जो इस हादसे ने दिया है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, दोषी चाहे फिर आयोजक हों या प्रशासनिक अधिकारी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

ऐसी है ईश्वर के नाम की महिमा

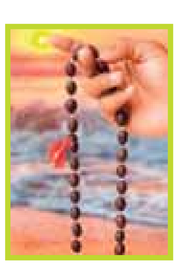

संकलित
दर्शन

ईश्वर के नाम का जप अनोखे आनंद को जन्म देता है। इसका वर्णन करना कठिन ही नहीं, असंभव भी है। भगवन्नाम हमारे अंदर एक प्रकार की अलौकिक शक्ति भर देता है। वह हमारे स्वभाव में आश्चर्यजनक परिवर्तन कर देता है। वह मनुष्य को देवताओं के समान गुणों से अलंकृत कर देता है। वह हमारे पुराने पापों, वासनाओं, संकल्पों, संदेह तथा अनेक प्रकार की मलिन चित्त-वृत्तियों को नष्ट कर देता है। जिस प्रकार अग्नि में जलने योग्य प्रत्येक वस्तु को जला देने की स्वाभाविक शक्ति है। उसी प्रकार ईश्वर के नाम में भी पाप, मलिन-वृत्ति और वासना को जलाने के साथ अनंत, आनंद और अमर शांति प्रदान करने की भी शक्ति है। जैसे दावाग्नि में वृक्ष, काष्ठादि को जलाने की शक्ति स्वाभाविक है। उसी प्रकार ईश्वर के नाम में पाप-रूपी वृक्ष को उसकी जड़ और शाखाओं सहित जला डालने की अद्भुत और स्वाभाविक शक्ति है। ईश्वर का नाम भाव-समाधि द्वारा भक्त को ईश्वर से मिला देता है। हे मनुष्य! ईश्वर के नाम की शरण में जा। निरंतर ईश्वर का नाम जपा कर। प्रत्येक श्वास के साथ ईश्वर के पवित्र नामों का उच्चारण कर। इस कराल कलिकाल में ईश्वरत्व तक पहुंचने के लिए नाम-स्मरण अथवा जप सबसे अधिक सुगम, शीघ्र, सुरक्षित और निश्चित मार्ग है। यह अमरत्व और अनंत आनंद का दाता है। हे परमात्मन, तेरी और तेरे नाम की महिमा अपरम्पार है। तुम गणिका पिंगला की कहानी तो जानते ही होंगे। वह भी राम का नाम लेने से कितनी जल्दी एक साध्वी बन गई थी।

बुराइयों का कारण जाने बिना उससे मुक्ति नहीं

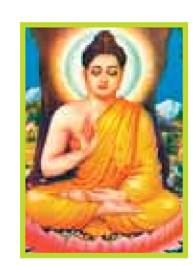

संकलित
प्रेरणा

हर रोज की तरह एक दिन भगवान बुद्ध सुबह भिक्षुओं की सभा में आए। सभा में प्रतीक्षा कर रहे उनके शिष्य यह देखकर चकित हुए कि बुद्ध पहली बार अपने हाथ में कुछ लेकर आए हैं। वह हमेशा खाली हाथ आते हैं, लेकिन आज उनके हाथ में कपड़े का एक टुकड़ा था। सभी शिष्य यह देखकर समझ गए कि आज कोई विशेष प्रयोजन है। बुद्ध अपने आसन पर आकर बैठ गए। उन्होंने किसी से कुछ नहीं कहा और कपड़े के टुकड़े में थोड़ी-थोड़ी दूरी पर पांच गांठें लगा दीं। सब शिष्य इंतजार कर रहे थे कि बुद्ध अब क्या कहेंगे। बुद्ध ने वहां उपस्थित अपने सभी शिष्यों से पूछा कि क्या कोई मुझे बता सकता है कि क्या यह कपड़े का वही टुकड़ा है, जो गांठें लगने से पहले था। शारिपुत्र ने कहा, 'एक प्रकार से तो यह कपड़े का टुकड़ा वही है, क्योंकि इसमें किसी तरह का परिवर्तन नहीं हुआ है, लेकिन दूसरी तरह से देखें तो पहले इस कपड़े में पांच गांठें नहीं थीं। इस नजरिये से यह पहले जैसा नहीं रहा। यद्यपि इसकी मूल प्रकृति अपरिवर्तित है। इसका केवल बाहरी रूप बदला है। बाकी सब कुछ वही है।' बुद्ध ने शारिपुत्र से सहमति जताते हुए कहा कि तुम सही कह रहे हो। अब मैं इन गांठों को खोल देता हूं। यह कहकर बुद्ध उस कपड़े के दोनों सिरों को पकड़ कर खींचने लगे। उन्होंने शारिपुत्र की ओर देखते हुए पूछा कि क्या तुम्हें लगता है कि मैं इस प्रकार इनकी गांठों को खोल पाऊंगा। शारिपुत्र ने कहा, 'नहीं तथागत, इस प्रकार तो गांठें और कस जाएंगी। यह कभी नहीं खुलेंगी।'

सटाका

आज की पाती

मजदूरों को सेवानिवृत्ति के बाद मिले पेंशन

हर साल मजदूर दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर कई प्रोग्राम होते हैं, लेकिन मजदूरों की वास्तविक स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है। कारण यह है कि उन्हें मेहनत के अनुसार पगार नहीं मिलती है। इसलिए मजदूरों को उनके बुढ़ापे में सरकार की ओर से प्रति माह 15,000 हजार रुपए की पेंशन दी जानी चाहिए। इससे सरकारी कोष पर कुछ बोझ जरूर पड़ेगा, लेकिन जब कुछ राज्यों में सरकारी कर्मचारियों को ओपीएस दी जा सकती है, तो मजदूरों के कल्याण के लिए सरकारों को यह बोझ भी वहन कर लेना चाहिए। इससे मजदूरों को बुढ़ापे की जो चिंता होती है, वह खत्म हो जाएगी और उनके चेहरों पर मुस्कान फैलेगी।

-गज्जू राम साहू

X ट्रेंड

ईवीएम से कांग्रेस का बैर

डॉ.भीमराव अंबेडकर जब 1952 का चुनाव लड़ने गए तब नेहरू ने उनके खिलाफ प्रचार किया! उस चुनाव में 'डॉ.अंबेडकर जी 14 हजार वोट से हारे और आश्चर्यजनक रूप से 78 हजार वोट अमान्य किए गए!' तो 'ईवीएम से कांग्रेस का बैर और बैलेट पेपर से कांग्रेस का प्यार पुराना है।'

-जेपी नडडा, केंद्रीय मंत्री

खुद को याद दिलाएं

अगर आप चाहते हैं कि आपका रिश्ता चले, और खूब चले तो इसके लिए आवश्यक है कि खुद को लगातार यह याद दिलाएं कि दूसरा आपसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। सत्य छिपा नहीं है-आप उससे छिप रहे हैं

-सदगुरु, आध्यात्मिक गुरु

इसलिए वाकआउट किया

इंडिया गठबंधन ने इसलिए वाकआउट किया क्योंकि मोदी झूठ बोल रहे थे। वे कहते हैं कि हम संविधान के विरोध में हैं, सच्चाई यह है कि बीजेपी आरएसएस, जनसंघ और उनके राजनीतिक पुरखों ने भारत के संविधान का विरोध किया था।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

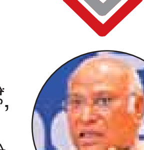

दो तरह के शिक्षा मॉडल

इस देश में दो तरह के शिक्षा मॉडल हैं। पहला मॉडल, अरविंद केजरीवाल मॉडल, का लक्ष्य बेहतर शिक्षा और उज्जवल भविष्य प्रदान करना है। दूसरा प्रकार शिक्षा-परीक्षा माफिया है जो बड़े पैमाने पर पेपर लीक और बेरोजगारी को बढ़ावा देता है।

-राघव चड्ढा, आप सांसद

करंट अफेयर

विश्व हरि बाबा के मैनपुरी आश्रम की सुरक्षा कड़ी की गई

हाथरस के सिकन्दराराऊ में विश्व हरि बाबा भोलेनाथ के सत्संग के बाद उनकी चरण धूलि लेने के लिये दौड़ी भीड़ में भगदड़ मचने की घटना के बाद बाबा के मैनपुरी स्थित आश्रम के बाहर कड़े सुरक्षा बंदोबस्त कर दिये गये हैं। भगदड़ कांड के बाद मैनपुरी के बिछ्वां कस्बे में स्थित भोले बाबा के आश्रम के बाहर कड़ा सुरक्षा घेरा बनाया गया है। आश्रम के बाहर कई थानों की पुलिस मौजूद है और आश्रम के अंदर मीडिया सहित किसी को भी दाखिल होने की इजाजत नहीं दी जा रही है। पुलिस क्षेत्राधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि हाथरस में भगदड़ कांड के बाद से बिछ्वां स्थित विश्व हरि बाबा भोलेनाथ के आश्रम में सुरक्षा कड़ी कर दी गयी है। इस सवाल पर कि क्या बाबा आश्रम में मौजूद हैं, सिंह ने कोई जवाब नहीं दिया। हालांकि खुफिया विभाग के एक अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि बाबा भोलेनाथ आश्रम के अंदर हैं। उनकी सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर पुलिस बल तैनात किया गया है। गौरतलब है कि हाथरस के फुलरई गांव में विश्वहरि बाबा भोलेनाथ द्वारा आयोजित सत्संग के दौरान मंगलवार को मची भगदड़ में 121 लोगों की हो गई थी। मरने वालों में ज़्यादातर महिलाएँ हैं। अधिकतर श्रद्धालुओं की दम घुटने से मौत हुई और लोग एक-दूसरे के ऊपर ढेर होते गए।

ऑफ बीट

10 भारतीय भाषाओं में 'ट्रांसलेशन फेलोशिप' विजेताओं की घोषणा

न्यू इंडिया फाउंडेशन (एनआईएफ) ने तमिल, गुजराती, हिंदी और उर्दू में 2024-25 के लिए एनआईएफ 'ट्रांसलेशन फेलोशिप' के विजेताओं की बुधवार को घोषणा की। एनआईएफ 'ट्रांसलेशन फेलोशिप' 10 भारतीय भाषाओं असमिया, बांग्ला, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, तमिल और उर्दू के कथेतर रचनाओं के अनुवाद के लिए प्रदान किया जाता है। फाउंडेशन ने एक बयान में बताया कि प्रत्येक विजेता को छह महीने के लिए यह फेलोशिप दी जाती है और इस अवधि में छह- छह लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है। फेलोशिप प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को 1850 के बाद प्रकाशित ऐतिहासिक भारतीय भाषा की रचनाओं का अंग्रेजी में अनुवाद करना होता है। एनआईएफ फेलोशिप के अध्यक्ष श्रीनाथ राघवन ने एक बयान में कहा, 'ट्रांसलेशन फेलोशिप' का उद्देश्य भारतीय भाषाओं में भारत के बारे में रची गई कथेतर रचनाओं का अंग्रेजी में अनुवाद करना है, जिससे इन महत्वपूर्ण रचनाओं को ज्यादा से ज्यादा पाठक वर्ग तक पहुंचाया जा सके। विजेताओं को संपादकीय और वित्तीय सहायता के साथ-साथ एनआईएफ के न्यासियों, द्विभाषी विद्वानों और लेखकों से बनी भाषा विशेषज्ञ समिति के साथ काम करने का अवसर भी मिलेगा।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

प्रदेश सरकार के बजट को सब ने अपनी-अपनी नजर से देखा

महाकौशल के हाथ खाली मालवा मध्यभारत पर जोर

जबलपुर। प्रदेश की मोहन सरकार द्वारा अपना पहला आम बजट बुधवार को विधानसभा मे पेश किया गया। इस बजट में जबलपुर की उम्मीदें फिर धराशायी हो गई। न केवल जबलपुर बल्कि महाकौशल को कोई बड़ा प्रोजेक्ट नही मिलने जा रहा है। चाहे शिक्षा हब बनाने की बात हो, टूरिज्म को बढ़ावा देने, आईटी या लाजिस्टिक हब किसी भी मामले में जबलपुर को तरजीह इस बजट में नहीं दिखाई दी। हालांकी पीएम-ई-बस योजना में शामिल 06 जिलों में जबलपुर को भी रखा गया है। वहीं एलिवेटिड कारीडोर के लिये 4 जिलों में जबलपुर को भी शामिल किया गया है।

नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ.पीजी नाजपांडे विधानसभा में बुधवार को प्रस्तुत हुए बजट में पूरा फोकस मालवा तथा मध्यभारत क्षेत्रों पर रखा गया है। जबलपुर तथा महाकौशल क्षेत्र को कोई विशेष लाभ नहीं दिया गया है। बजट को राजनीति चश्में से भी देखा जा रहा है। भाजपा नेता जहां सर्वहारा वर्ग के उत्थान का बजट बता रहा है तो वहीं कांग्रेस ने कहा कि बजट झूठ का पुलिंदा है।

सर्वहारा वर्ग के कल्याण समर्पित है बजट : ऊर्जा मंत्री

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा विधानसभा में वर्ष 2024.25 के लिए प्रस्तुत किया गया। बजट प्रदेश के विकास और सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मार्गदर्शन में बनाये गये इस बजट में युवाओंए किसानों और गरीबों सहित सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। ऊर्जा विभाग के लिए इस वर्ष 19 हजार 406 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया हैए जो गत वर्ष की तुलना में एक हजार 46 करोड़ रूपये अधिक है। इससे बिजली उपभोक्ताओं को निर्वाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने में सहूलियत होगी। तोमर ने बताया कि अटल गृह ज्योति योजना के लिए 3500 करोड़ रूपये और अटल कृषि ज्योति योजना के लिए 6290 करोड़ रूपये की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। आरडीएसएस योजना के लिए 3150 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। ट्रांसमिशन एवं वितरण प्रणाली के सुद्ढ़ीकरण के लिए 565 करोड़ रूपये एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के 5 एचपी पम्पों तथा एक बत्ती कनेक्शन को निरूशुल्क बिजली देने के लिए 2475 करोड़ रूपये की सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

कृषि अनुसंधान के लिए नहीं बढ़ी राशि

नागारिक उपभोव्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ.पीजी नाजपांडे ने बताया कि बजट में कृषि अनुसंधान के लिए अतिरिव्त राशि नहीं बढ़ाई गई। जबलपुर को इस लाभ से वंचित रखा गया। उन्होंने कहा कि जबलपुर महाकौशल क्षेत्र को कोई विशेष महत्व नहीं दिया गया। बजट में पूरा फोकस मालवा और मध्यभारत क्षेत्र पर रखा गया। मंच के रजत भार्गव, वेद प्रकाश अधोलिया, सुशीला कनौजिया और डीआर लखेरा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि जबलपुर कृषि विश्वविद्यालय के बजट में कोई वृद्धि नहीं दी गई है जिससे अनुसंधान प्रभावित होगा।

जनकल्याणकारी बजट किया पेश, सभी वर्गों का रखा ध्यानः प्रभात साहू

भारतीय जनता पार्टी महानगरप्रभात साहू ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है भाजपा महानगर प्रभात साहू ने कहा कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने आज मुख्यमंत्री मोहन यादव जी के नेतृत्व में पूर्ण बजट पेश किया है. बजट 16इ बढ़ कर 3.65 लाख करोड़ हुआ है। इसमें किसान, मजदूर, बच्चों, महिलाओं,सरकारी कर्मचारियों, बुजुर्गों का पूरा ख्याल रखा गया है. स्वास्थ्य विभाग में 46000 जबकि पुलिस विभाग में 7500 पदों पर भर्तियां की जाएंगी. वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने प्रदेश के हर वर्गों के लिए सौगातों का पिटारा खोला. साल 2024-25 के बजट में शिक्षा के क्षेत्र में 22 हजार 600 करोड़ रुपये, स्वास्थ्य के क्षेत्र में 21 हजार 144 करोड़ रुपये, खेल के क्षेत्र में 586 करोड़ रुपये की सौगात दी गई. शिक्षा -पूर्ण बजट में शिक्षा पर भी जोर दिया गया है. इसके तहत हर जिले में एक पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज खोले जाएंगे. हर जिले का एक कॉलेज पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज में बदला जा रहा है, इनमें 2000 से अधिक नए पदों पर भर्तियां की जाएंगी. प्रदेश में 268 सरकारी आईटीआई हैं. इस साल 22 और आईटीआई खोले जाएंगे. इनसे 5 हजार 280 सीट बढ़ेंगी।

किसानों के लाभदायक बजट

भारतीय किसान संघ के प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटेल कृषि को लाभ का क्षेत्र बनाने पर जोर देने वाले मध्यप्रदेश सरकार के बजट का हम स्वागत करते है। उन्होंने कहा मध्यप्रदेश सरकार के बजट में सरकार ने कृषि क्षेत्र के विकास की दिशा में फसल बीमा, पशुपालन, सिंचाई, प्राकृतिक खेती, श्रीअन्न आदि कृषि योजनाओं में बड़ी राशि का आवंटन किया है। केन बेतवा लिंक जैसी परियोजना में 44 हजार करोड़ की राशि व पीएम सिंचाई योजना में 300 करोड़ की राशि से कृषि सिंचाई क्षेत्र में वृद्धि होगी। जिसका सीधा लाभ किसान को होगा। किसान संघ की प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन देने की मांग पर सरकार ने पहली बार बजट में प्राकृतिक खेती के लिए 30 करोड़ की राशि आवंटित की है। हम इसका स्वागत करते हैं। पशुपालन क्षेत्र में 76 प्रतिशत बजट में वृद्धि करते हुए गोशाला के लिए 250 करोड़ व पशुपालकों और गौसंबर्धन के लिए 590 करोड़ की राशि के आवंटन से पशुपालक किसानों को आर्थिक समृद्धि मिलेगी तथा कृषि क्षेत्र की आवारा पशुओं की समस्या की रोकथाम की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। शून्य प्रतिशत ब्याज पर किसानों को ऋण जारी रहेगा।

व्यापारी पर न बोझ न छूट

कैट के प्रदेश सचिव दीपक सेठी ने बताया कि इस बजट में व्यापारी वर्ग को किसी भी तरीके की की टैक्स में छूट या किसी तरह का अन्य टैक्स नहीं लगाया गया है यह एक अच्छी बात है। प्रदेश कार्यकारिणी कोऑर्डिनेटर सीमा सिंह चौहान ने बताया कि प्रदेश सरकार के इस बजट में महिलाओं के लिए जो योजनाएं लाई गई है वह एक महत्वपूर्ण कदम है। जबलपुर जिला अध्यक्ष रोहित खटवानी ने बताया कि इस बजट में ऐसा कुछ भी नया नहीं देखने को मिला है जो की पूर्ण बजट में न हो इस बजट में थोड़ा बहुत योजनाएं लाई गई है जो कि प्रदेश के हित में होगी। जबलपुर जिला सचिव मनु शरत तिवारी ने बताया कि इस बजट में हम लोगों को काफी उम्मीद थी कि कुछ टूरिज्म को लेकर विशेष पैकेज की घोषणाएं की जाएगी ऐसा कुछ इस बजट में नहीं देखा गया।इसलिये इस बजट को उत्साह वर्धक बजट नहीं कहा जा सकता।

बजट एक संतुलित प्रयास - जबलपुर चेम्बर

राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत प्रथम बजट को चेम्बर द्वारा एक संतुलित प्रयास बताया। गया जो कि दीर्घकालिक दृष्टि से लाभ देगा। कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम दुबे द्वारा बताया गया कि किसी भी प्रकार के टेक्स में कोई बढ़ोत्तरी नहीं की गई जो कि अच्छी बात है। चेम्बर चेयरमेन कमल ग्रोवर ने कहा कि प्रस्तुत बजट में सारे वर्गों का ध्यान रखा गया है और इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर दिया गया है जिससे हर वर्ग को लाभ मिलेगा। ट्रेड विंग अध्यक्ष राधे श्याम अग्रवाल ने बताया कि महंगाई पर कोई ध्यान नहीं दिया गया और न ही नए स्टार्टअप को प्रोत्साहन दिया गया इस पर षासन को गंभीरता पूर्वक विचार करना था।

विकसित और अग्रणी राज्य बनाने वाला बजटः सांसद आशीष दुबे

जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने मध्यप्रदेश की डॉक्टर मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत 2024-25 के बजट को विकास की दृष्टि से निर्मित स्वर्णिम बजट निरूपित किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के भविष्य को देखते हुए इस बजट में जो प्रावधान किए गए हैं उसका अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।सांसद आशीष दुबे ने कहा कि आज प्रस्तुत बजट में हर वर्ग का बहुत ही अच्छे से ध्यान रखा गया है और प्रदेश की बेहतरी के लिए इससे अच्छा बजट और इससे अच्छे प्रावधान नहीं किये जा सकते थे। सांसद दुबे ने कहा कि कोई भी नया कर नहीं लगाकर शिक्षा,स्वास्थ, किसानों और मातृशव्ति पर विशेष ध्यान देना आज प्रस्तुत बजट की विशेषता है वहीं 3 लाख 65 हजार 67 करोड़ के प्रस्तुत बजट में पिछली बार की तुलना में 16 प्रतिशत की वृद्धि कर सभी वर्गों को लाभ पहुंचाने के प्रावधान बजट में निहित हैं। सांसद आशीष दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश को इस बार केंद्र सरकार से 3800 करोड़ रुपए की राशि अतिरिव्त मिली है वहीं प्रदेश सरकार ने कोई नया कर भी रोपित नहीं किया है,जो मोदी सरकार और प्रदेश सरकार की आम जनता के प्रति वर्तमान संवेदनशील नीति को दर्शाता है।मध्यप्रदेश की प्रति व्यव्ति आय भी 1लाख 42 हजार 565 रुपए हो गई है जिससे स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।सांसद आशीष दुबे ने बजट को ?तिहासिक और प्रभावी बजट निरूपित किया है। उन्होंने कहा कि हमारे अन्नदाता किसानों की फसल हेतु फसल बीमा योजना का दो हजार करोड़ रुपए का प्रावधान भी बजट में किया गया है। 22 नए आईटीआई खोले जाने की घोषणा और प्रावधान भी स्वागत योग्य है।

किसानों की नजर मे बजट

भारत कृषक समाज महाकौशल के अध्यक्ष केके अग्रवाल ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि बजट मे किसानों के लिए व्याज मुक्त ऋण एवं प्राकृतिक खेती के लिए प्रावधान स्वागत योग्य है।.. वहीं सिचाई, बिजली, आदान सामग्रियों, एवं उपज उपार्जन के लिए अतिरिक्त राशि के आबंटन तथा कृषि के लिए 12 घंटे बिजली की आस लगाए किसानों को निराशा हुई है।

जिला पंचायत सीईओ ने किया निरीक्षण

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा शुरू किये गये 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत जबलपुर जिले में परमाकल्चर और फूड फॉरेस्ट की तकनीक से पौधारोपण के लिये सिहोरा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत गोसलपुर, ग्राम पंचायत अगरिया, ग्राम पंचायत घुघरीकला एवं ग्राम पंचायत केवलारी में चयनित स्थलों का जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती जयति सिंह ने निरीक्षण किया। सीईओ श्रीमती सिंह ने निरीक्षण के दौरान चयनित स्थलों पर फलदार पौधे लगाने के निर्देश दिये और उनकी सुरक्षा के लिये समुचित व्यवस्था करने की हिदायत दी। उन्होंने परमाकल्चर और फूड फॉरेस्ट तकनीक से किये जाने वाले पौधारोपण में आर्गेनिक खाद का इस्तेमाल करने तथा मूल पौधारोपण के साथ बीच-बीच में छोटे-छोटे फलदार पौधे लगाने कहा, ताकि पौधों को लगाने तथा उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली ग्राम पंचायत की आय बढ़ सके। सीईओ श्रीमती सिंह ने पौधारोपण के लिये चयनित स्थलों पर पशुओं के प्रवेश को रोकने केटल प्रूफ ट्रेंच का निर्माण कराने तथा पौधारोपण स्थल की बायोफेन्सिंग करने के निर्देश भी अधिकारियों दिये। पौधारोपण के लिये चयनित स्थलों के निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत के सीईओ तथा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव की तैयारियां तेज

अधिकारियों ने लिया तैयारियों का जायजा

जबलपुर।

जबलपुर क्षेत्र के औद्योगिक विकास के लिए 20 जुलाई को रीजनल इंडस्ट्री कांक्लेव जबलपुर- 2024 नेताजी सुभाषचंद्र बोस कल्चरल एंड इनफॉरमेशन सेंटर में आयोजित होगा। जिसको लेकर कलेक्टर दीपक सक्सेना और एसपी आदित्य प्रताप सिंह, नगर निगम कमिश्नर श्रीमती प्रीती यादव, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती जयति सिंह, एमपीआईडीसी के अधिकारियों के साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने कल्चरल एंड इनफॉरमेशन सेंटर का निरीक्षण किया। साथ ही आयोजित होने वाले रीजनल इंडस्ट्री कांक्लेव के संबंध में मीडिया को अवगत कराया गया। इस दौरान स्मार्ट सिटी के अधिकारियों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस कल्चरल इन्फॉर्मेशन सेंटर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जबलपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के द्वारा घंटाघर के पास 2.5 एकड़ भूमि पर उक्त भवन का निर्माण किया गया है। इस कल्चरल इन्फॉर्मेशन सेंटर की लागत 83.19 करोड़ है। जिसमें 900 व्यक्यों के बैठने के लिए एक भव्य ऑडिटोरियम, 200-300 व्यक्यों की बैठक व्यवस्था वाले दो सम्मलेन हॉल, 500 क्षमता के ओपन एक्सिबीशन एरिया, ऑफिस एरिया, कैफे एवं पार्किंग इत्यादि का निर्माण किया गया है। ग्रीन बिल्डिंग के लिये पंजीकृत कर यह बिल्डिंग 5 स्टार ग्रीन रेटिंग की होगी जिससे उर्जा की बचत होगी। इस परियोजना के साथ ही 42 कमरों का होटल ब्लॉक भी सम्मिलित है, जिसमें रेस्टोरेंट, बैंक्विट हॉल, जिम, स्पा जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कल्चरल सेंटर में होने वाले बड़े आयोजनों में ठहरने की व्यवस्था इस होटल ब्लॉक में होगी। कल्चरल इन्फॉर्मेशन सेंटर एवं होटल ब्लाक आपस में एक ब्रिज के माध्यम से जुड़े हुए हैं। जहां आगामी 20 जुलाई को रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव आयोजित कर निवेशकों को आकर्षित किया जायेगा और जबलपुर रीजन में इंडसट्रियल डेवलपमेंट के लिये ठोस कार्य योजना तैयार की जायेगी।

तीन दिवसीय करियर गाईडेंस शिविर का शुभारंभ

मार्गदर्शन के साथ मिल रहा प्लेसमेंट

जबलपुर। हायर सेकेण्डरी के बाद किस रास्ते पर जाएं कहा करियर बनाएं.. इस सवाल के जवाब को लेकर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा करियर गाईडेंस, प्री प्लेसमेंट काउंसलिंग और प्री प्लेसमेंट ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। रादुविवि के प्रो. सुरेंद्र सिंह बताया कि 12 वां निशुल्क वृहद रोजगार मेला 'कैरियर मार्गदर्शन एवं जॉब फेयर के रुप में कराया जा रहा है। जिसमें कैरियर गाइडेंस, काउंसलिंग, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों एवं विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। तीन दिवसीय मेले का शुभारंभ बुधवार को हुआ जो शुक्रवार तक चलेगा। प्री प्लेसमेंट ट्रेनिंग विषय विषेषज्ञ प्रमुख प्रो एम.एल. केवट ने कॅरियर ओरिएWटेशन के सभी आयामों को छात्र-छात्राओं को एवं स्वरोजगार में कॅरियर बनाने की जानकारी प्रदान की। एक्सपर्ट डॉ हिमांगिनी सिंह, यूनिवर्सिटी इंस्टिटयूट ऑफ मैनेजमेंट, रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी द्वारा इंटरव्यू की तकनीकि पहलुओं जैसे इंट्रोडक्षन, सी.वी. राइटिंग, लॉजिकल एबिलिटी, सेंल्फ इंट्र्डोक्षन, राईटिंग स्किल, इंटरव्यू स्किल, ऐप्टीटय़ूड टेस्ट आदि विषयों पर इंटरेक्टिव लर्निंग कराई गई। मनोविषेषज्ञ डॉ मीनल दुबे, कौशल विकास संस्थान द्वारा कांन्फीडेंस, संप्रेषण कौषल, साक्षात्कार कौषल, पॉजिटिव एdटीटयूड, बॉडी लैंग्वेज के इम्प्रूवमेंट की प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की। कौशल विकास संस्थान के डॉ अजय मिश्रा ने बताया रोजगार मेले में अब तक 600 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन किया है। जिसमें 25 से अधिक कंपनीयों द्वारा रिक्रूटमेंट एवं करियर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ हरीष यादव, डॉ अभय सिंह, डॉ धीरेंद्र मोर्या, महावीर त्रिपाठी, डॉ सुनील चैधरी, सुश्री प्रियंका सिंह, डॉ निषा डहेरिया एवं सभी पंजीकृत प्रतिभगियों छात्र-छात्राओं की उपस्थिति किया गया।

आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण

जबलपुर। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) वाराणसी की टीम ने स्कूल सेफ्टी कार्यक्रम के तहत बुधवार को सेंट नॉर्बर्ट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं को आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के दौरान एनडीआरएफ की सात सदस्यों की टीम ने आपदाओं से बचाने के उपायों की तथा आपदा से होने वाली हानियों को कैसे कम किया जाये इसकी विस्तार से जानकारी भी दी।

उड़द मूंग की खरीदी शुरु होने के पहले ही विवादों में घिरी

नियमों को ताक पर रखकर बनाए गए खरीदी केंद्रों से किसानों में आक्रोश

सिहोरा। धान गेहूँ खरीदी में भारी गड़बड़ी के बाद अब मूंग और उड़द की खरीदी हेतु उपार्जन केन्द्रों के गठन में किसानों के हितों को दरकिनार करते हुए चहेतों को उपकृत करने कथित भ्रष्टाचार का आरोप भारतीय किसान यूनियन जिला इकाई ने लगाया है। जिसके चलते उड़द मूंग की खरीदी शुरु होने के पहले ही विवादों घिर गई है।

सिहोरा के लिए बनाये गये केन्द्रों में नियमों को दरकिनार किया

जिले में मूंग खरीदी के लिए 21 केन्द्र बनाए गए हैं बहीं सिहोरा तहसील हेतु बनाए गए उपार्जन केदो में तो सारे नियमों को दर किनार कर दिया गया बताया जाता है की जिन वेयर हाउस में पूर्व में अनियमितता पाई गई थी उन्हें पुनः उपार्जन केंद्र बना दिया गया वहीं वैध सोसाइटियों को दरकिनार करते हुए एफ पी ओ को खरीदी की कमान सौपे जाने से किसानों में भारी आक्रोश है।

निर्धारित मापदंडों का भी पालन नहीं किया

भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष एडवोकेट रमेश पटेल ने बताया कि उपार्जन केंद्र चयन को लेकर जमकर विवाद हो रहा है। मूँग खरीदी केन्द्र बनाने के लिए निर्धारित मापदंडों का पालन नहीं किया गया है। सिहोरा का एक खरीदी केंद्र मझौली तहसील के गोरहा में बनाया गया है

इस बार मूँग की खरीदी कृषि विभाग और सहकारिता के जिम्मे है। सबसे पहले उपार्जन केन्द्रों का चयन किया गया और इसी में विवाद हो गया। सिहोरा और मझौली में बनाए गए केन्द्रों को लेकर किसानों में भी सबसे अधिक नाराजगी देखी जा रही है क्योंकि केन्द्रों में गड़बड़ी का खामियाजा किसानों को ही भुगतना पड़ेगा।

एफपीओ पर उठ रहे सवाल

किसानों का कहना है कि समिति एवं किसानों के बीच सीधा संबंध एवं संवाद होता है जिसके चलते किसान उपार्जन की पहली प्राथमिकता समितियां को ही देते हैं लेकिन सिहोरा तहसील की वैध समितियां को दर किनार कर उपार्जन की कमान न केवल एफ पी ओ को सौप दी गई वल्कि उपार्जन केंद्र भी सिहोरा में वेयरहाउस होने के बावजूद मझौली के गोरहा में बनाया गया है जिसके चलते सिहोरा के किसानों को दूर दराज के ग्रामों से परिवहन करना होगा जबकि खरीफ फसल की तैयारी के चलते इस वक्त किसानों के पास बिल्कुल भी समय नहीं है ऐसे में दूर दराज क्षेत्रों में बनाए गए उपजन केदो को लेकर किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

फैक्ट फाइल

सिहोरा की सिहोरा घाट सिमरिया गांधीग्राम फनवानी समिति

मूंग के पंजीकृत किसानों की संख्या- 3495
रकवा- 6352
उड़द के पंजीकृत किसानों की संख्या- 3416
रकवा- 6400

हाइकोर्ट ने निरस्त किया आरोप

आठ साल प्रेम सम्बन्ध में रहने के बाद दुष्कर्म की एफआईआर अनुचित

जबलपुर। हाई कोर्ट ने एक महिला द्वारा प्रेमी पर यौन शोषण के आरोप सम्बन्धी एफआईआर को अनुचित पाकर निरस्त कर दिया। दरअसल, महिला विवाहित होकर भी कथित प्रेमी से मिलने यूपी, लखनऊ से एमपी, भोपाल आती थी। वह आठ वर्ष स्वेच्छा से प्रेम संबंध के तहत साथ में रही। बाद शादी का झांसा देकर यौन शोषण की शिकायत कर उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करा दी। हाई कोर्ट ने महिला द्वारा थाने में की गई शिकायत को झूठा निरूपित करते हुए एफआईआर नितस्त कर दी है। मामला भोपाल के पिपलानी थाने का हैं, जहां पर की एक महिला ने अपने कथित रूप से प्रेमी पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

प्रकरण की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने साफ किया कि महिला पहले से विवाहित थी। लिहाजा, वह यह दावा नहीं कर सकती कि संबंध बनाने की सहमति शादी का झांसा देकर की गई थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि सहमति को गलत धारणा के आधार पर प्राप्त की गई सहमति नहीं माना जा सकता है। इसलिए कथित प्रेमी के विरुद्ध दर्ज की गई एफआईआर रद्द की जा रही है। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि किसी अन्य पुरुष के साथ लगातार संबंध में रहने वाली विवाहित महिला इस तर्क का सहारा नहीं ले सकती है कि उससे शादी का झूठा वादा करके संबंध बनाए गए थे। याचिका के मुताबिक विवाहित महिला आठ साल तक कथित प्रेमी से संबंध रही। वह अक्सर लखनऊ से पति के पास से भोपाल आती थी और अन्य पुरुष से संबंध बनाती थी बाद में वह उसके साथ कई सालों साथ में भी रही, इस बीच पति से तलाक ले लिया तो कथित प्रेमी ने भी साथ छोड़ दिया। इस पर महिला ने भोपाल के पिपलानी थाने में शादी का झांसा देकर कथित प्रेमी के विरुद्ध दुष्कर्म किए जाने का मामला दर्ज करवाया था, जिसे हाई कोर्ट ने निरस्त कर दिया।

सरकार पर लगाया चुनाव जीतने झूठे वादे का आरोप

बजट में सिहोरा जिला की आस लगाए बैठे नगरवासियों को मिली निराशा

हरिभूमि सिहोरा।

विधानसभा चुनाव के पूर्व भाजपा के दिग्गज नेताओं के द्वारा सिहोरा को जिला बनाए जाने की की मंच से की गई सार्वजनिक घोषणाओं से सिहोरा वासियों को आशा थी कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार अपने वादे पर अमल करते हुए सिहोरा को जिला बनाए जाने का प्रस्ताव अपने बजट में शामिल करेगी। परंतु पेश हुए बजट में सिहोरा जिला ना होने से नगर वासियों में गहरा आक्रोश है तथा उन्हें आघात भी लगा है । इस संबंध में लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि विधानसभा चुनाव के पूर्व भाजपा के दिग्गज नेताओं प्रहलाद पटेल,स्मृति ईरानी,शिवराज सिंह चौहान और विजयी होने वाले प्रत्याशी सिहोरा के विधायक संतोष बरकड़े द्वारा सिहोरा को जिला बनाए जाने का वादा किया गया था परंतु प्रस्तुत मध्य प्रदेश के बजट में इसके लिए प्रावधान न होने से सिहोरा वासी स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। समिति के अनेक पदाधिकारियों ने बजट में सिहोरा जिला शामिल न करने को सरकार की वादा खिलाफी करार दिया है और कहा है कि इससे ऐसा प्रतीत होता है कि सिहोरा विधानसभा को जीतने के लिए ही भाजपा द्वारा झूठे वादे का सहारा लिया गया था।समिति ने जिला विषय को बजट में शामिल न करने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। समिति ने घोषणा कि है कि जल्द ही सिहोरा में प्रबुद्ध जनों की सार्वजनिक बैठक आयोजित कर आगामी आंदोलन की रणनीति घोषित की जावेगी।

सर्विस रिकार्ड में कथन दर्ज करने के सख्त निर्देश

हाई कोर्ट ने स्वीकार किया महिला जज का माफीनामा

दुर्घटना दावा राशि 10 वर्ष के लिए फिक्स डिपाजिट करने का सुनाया था आदेश

जबलपुर। हाई कोर्ट के पूर्व निर्देश के पालन में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बुरहानपुर की प्रधान न्यायाधीश आशिता श्रीवास्तव ने अपना माफीनामा पेश किया। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने माफीनामा स्वीकार कर लिया। हालांकि उनके कथन को सर्विस रिकार्ड में दर्ज करने की भी व्यवस्था दे दी। साथ ही महिला जज द्वारा 20 फरवरी, 2024 को पारित मनमाना आदेश निरस्त कर दिया।

यह मामला दुर्घटना दावा की राशि 10 वर्ष के लिए फिक्स डिपाजिट करने के आदेश को चुनौती से संबंधित था। इस सिलसिले में विगत सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने महिला जज से यह स्पष्टीकरण मांगा था कि उन्होंने किस नियम के तहत दुर्घटना दावा की राशि 10 वर्ष के लिए फिक्स डिपाजिट करने का आदेश दिया।

हाई कोर्ट ने इस मामले में ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया था। बुरहानपुर निवासी कलीमा बी सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता मोहनलाल शर्मा, शिवम शर्मा, अमित स्थापक व अरुण कुमार शर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता के पति की मृत्यु दुर्घटना में हो गई थी। वर्ष 2013 में अधिकरण ने साढ़े नौ लाख रुपये की दावा राशि निर्धारित की थी। इसके बाद इंश्योरेंस कंपनी ने अपील पेश की थी, जिसका निराकरण 2023 हुआ। इसके बाद आवेदिका ने एमएसीटी कोर्ट में राशि के भुगतान के लिए परिवाद पेश किया। एमएसीटी की प्रधान न्यायाधीश आशिता श्रीवास्तव निर्धारित राशि का 75 प्रतिशत एफडी और 25 प्रतिशत राशि नगद भुगतान के निर्देश दिए। दलील दी गई कि वर्ष 2013 में दावा निर्धारित हुआ था, जिसके बाद अपील की अवधि में 10 वर्ष से अधिक हो चुके हैं। लिहाजा, अब पूरी राशि नगद भुगतान की जानी चाहिए।

हाईकोर्ट ने मामले में दिये यथास्थिति के निर्देश

महिला छात्रावास अधीक्षिका को राहत, फिलहाल बनी रहेगी पद में

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट से कटनी जिले के बडग़ांव स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास की अधीक्षिका को आंशिक राहत मिली है। न्यायालयने नई वॉर्डन की नियुक्ति पर रोक लगाते हुए मामले में यथास्थिति बनाये रखने के निर्देश दिये है। न्यायालय ने आपत्ति का एक माह में निराकरण करने के निर्देश दिये है, तब तक याचिकाकर्ता अपने पद पर कार्यरत रहेगी।

यह मामला छात्रावास की बॉर्डन अनीता श्रीवास्तव की ओर से दायर किया गया था। जिनकी ओर से अधिवक्ता सत्येन्द्र ज्योतिषी व सौरभ सोनी ने पक्ष रखा। जिन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास बडग़ांव कटनी में विगत कई वर्षो से कार्यरत है। 27 मार्च 2024 को चयन सूची जारी की गई, जिसमें उक्त पद पर किसी और का चयन नियम विरुद्व तरीके से कर दिया गया। जबकि इस संबंध में याचिकाकर्ता ने जिला परियोजना अधिकारी कटनी के समक्ष अपनी आपत्ति पेश की और बताया गया कि वह पिछले सात सालों से कार्यरत है और नियमानुसार विधवा महिला को प्राथमिकता दी जानी चाहिये। इतना ही नहीं उक्त पद पर जिनका चयन किया गया है याचिकाकर्ता उनसे वरिष्ठ है और कार्य का अनुभव भी है। जिले में अन्य वॉर्डन भी कार्यरत है, लेकिन उनमें से किसी को नहीं हटाया गया। सुनवाई पश्चात न्यायालय ने वॉर्डन की नियुक्ति प्रकिया पर आंशिक रोक लगाते हुए यथास्थिति बनाये रखने के आदेश देते हुए याचिकाकर्ता की आपत्ति का एक माह में निराकरण करने के निर्देश दिये है।

दो दिनों के इस प्रशिक्षण में जबलपुर जनपद पंचायत की 25 और मझौली जनपद पंचायत की 8 महिला सरपंच शामिल हो रही हैं

महिला सरपंचों का विशेष प्रशिक्षण शुरू

जबलपुर। गांवों के समग्र विकास की दृष्टि से महिला सरपंचों को सशक्त बनाने महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान जबलपुर में बुधवार से जिले की महिला सरपंचों का विशेष प्रशिक्षण प्रारंभ हो गया है । विशेष प्रशिक्षण की शुरुआत जनपद पंचायत जबलपुर और जनपद पंचायत मझौली की महिला सरपंचों से की गई । दो दिनों के इस प्रशिक्षण में जबलपुर जनपद पंचायत की 25 और मझौली जनपद पंचायत की 8 महिला सरपंच शामिल हो रही हैं । जबलपुर और मझौली जनपद पंचायत की महिला सरपंचों के बाद राज्य ग्रामीण विकास संस्थान में ही 5 और 6 जुलाई को जनपद पंचायत पनागर एवं जनपद पंचायत शहपुरा की तथा 8 और 9 जुलाई को जनपद पंचायत सिहोरा, पाटन एवं कुंडम की महिला सरपंचों का प्रशिक्षण आयोजित किया जायेगा।

जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती जयति सिंह के प्रयासों से आयोजित किये जा रहे इस प्रशिक्षण में महिला सरपंचों को उनके अधिकारों, कर्त्तव्यों और दायित्वों के साथ-साथ विभिन्न विभागों की शासकीय योजनाओं जानकारी भी दी जा रही है, ताकि उनका बेहतर क्रियान्वयन किया जा सके। इस प्रशिक्षण से महिला सरपंच और अधिक सशक्त होकर ग्राम पंचायतों के विकास में अपने अधिकारों, कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगी । साथ ही प्रशिक्षण से उन्हें ग्रामीण विकास के साथ-साथ अन्य विभागों की योजनाओं की अद्यतन जानकारी भी मिल सकेंगी।

जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनोज सिंह के मुताबिक जबलपुर जिले में गत पंचायत निर्वाचन में 527 पंचायतों में से 270 ग्राम पंचायतों में महिला सरपंच चुनी गई थीं । जिले में गत पंचायत चुनाव में कुल 36 सरपंच निर्विरोध निर्वाचित हुये, इनमें 24 महिला सरपंच शामिल हैं । गत पंचायत निर्वाचन में जबलपुर जिले की 18 ग्राम पंचायतों में समस्त पंच एवं सरपंच निर्विरोध निर्वाचित हुए थे और इनमें 18 ग्राम पंचायतों में से 9 ग्राम पंचायतों में केवल महिला पंच एवं सरपंच निर्वाचित हुई थीं । जिनमें पाटन जनपद पंचायत की की महगवा सड़क, छीतुरहा एवं अमरपुर शहपुरा की कैथरा, सुनाचर, झलोन एवं दामन खमरिया तथा कुंडम जनपद पंचायत की पड़रिया एवं जुझारी ग्राम पंचायत सम्मिलित है।

जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि निर्विरोध निर्वाचित होने के कारण सभी महिला पंचों-सरपंचों वाली पंचायतों को शासन से विकास कार्य कराने हेतु 15 लाख का पुरस्कार भी मिला है, ताकि निर्विरोध निर्वाचन के प्रति लोग जागरूक हों। महिला सरपंच निर्भीक रूप से अपने कर्तव्यों की निर्वहन कर रही हैं।

कुण्डम जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत पड़रिया की महिला सरपंच सरला बाई एवं बघराजी की महिला सरपंच ने जल गंगा संवर्धन अभियान में उल्लेखनीय भूमिका का निर्वहन करते हुए तालाबों को पुनर्जीवित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी प्रकार जबलपुर जनपद पंचायत में ग्राम पंचायत परासिया की महिला सरपंच सहित अन्य महिला सरपंच भी ग्रामीण विकास में महती भूमिका निभा रही हैं।

ग्राम पंचायत में हुये विकास कार्यों की जानकारी और अनुभवों को किया साझा

प्रशिक्षण में जबलपुर और मझौली जनपद पंचायत की महिला सरपंच उनके कार्यकाल के दौरान हुये उल्लेखनीय कार्यों और अनुभवों को आपस में साझा भी कर रही हैं । बरगी सरपंच मंजू चौकसे ने बताया कि उनकी पंचायत में कचरा वाहन से कचरा उठाने का कार्य किया जा रहा है। स्ट्रीट लाइट भी लगाई गई हैं और पेयजल आपूर्ति व्यवस्था भी सुधारी गई है। मझौली जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत धोनी की सरपंच आरती चंदसोरिया ने अपने कार्यकाल में दो तालाब बनवाये हैं और शिक्षा व्यवस्था में सुधार करवाया है। जबलपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत आमाहिनोता की सरपंच कंचन पटेल ने पौधारोपण कार्य कराया है। उन्होंने बताया कि वे अपने मानदेय की राशि से गरीब परिवार में बच्ची के जन्म लेने पर 2100 रुपये नगद एवं गरीब व्यक्ति की मृत्यु होने पर 5100 रुपये का योगदान करती हैं । साथ ही गरीब परिवार की बिटिया की शादी में 5100 रुपये का सहयोग करती हैं । मझौली जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत मुड़िया मड़ौद की सरपंच आरती दाहिया ने अपनी उपलब्धि साझा करते हुये बताया कि उन्होंने अपनी ग्राम पंचायत में तालाब निर्माण एवं सामुदायिक भवन का निर्माण कराया है । मझौली जनपद पंचायत की ही रोसरा ग्राम पंचायत की सरपंच सपना दुर्गेश पटेल ने अपनी पंचायत में साफ सफाई, आंगनवाड़ी एवं पेयजल सप्लाई पर विशेष ध्यान दिये जाने की जानकारी दी। मझौली जनपद की टिकुरी ग्राम पंचायत की सरपंच सीता देवी चौकसे ने अपने कार्यकाल में वृद्धा अवस्था पेंशन के समस्त पात्र परिवारों को लाभान्वित करा दिया है । पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में भी उन्होंने सुधार किया है।

बारात में खाना खाते समय गालीगलौज करने पर हंगामा

जबलपुर। सिहोरा थाना अतंर्गत मोहसाम बारात में खाना खाते समय गालीगलौज कर रहे एक बदमाश को गालियां देने से मना करना एक युवक को महंगा पड़ गया। बदमाश ने युवक के सिर पर डंडे से हमला कर घायल कर दिया। युवक के दोस्त ने बीच बचाव किया तो उसके साथ भी मारपीट कर दी। सिहोरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार देवरी कन्हाई मझगवां निवासी 22 वर्षीय संजय लोधी गत रात मोहसाम बारात में आया था जहां रात 11.30 बजे खाना खाते समय एक बदमाश गालीगलौज कर रहा था। संजय ने उसे गालियां देने मना किया तो उसने डंडे से संजय के सिर पर हमला कर घायल कर दिया। शैलेंद्र ने बीच बचाव किया तो उसके साथ भी डंडे से मारपीट कर चोटें पहुंचा दी और जान से मारने की धमकी दी।

मिनी ट्रक की टक्कर से बाईक चालक घायल

जबलपुर। सिहोरा थाना अतंर्गत मनसकरा के पास पीछे से आ रहे एक मिनी ट्रक ने एक बाईक में टक्कर मार दी, जिसमें सवार बाईक चालक बाईक सहित नीचे गिरकर घायल हो गया। सिहोरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मजोली सिहोरा निवासी 32 वर्षीय देवराम पटेल गत दिवस बाईक से सिहोरा बाजार से वापस घर जा रहा था। मनसकरा के पास पीछे से आ रहे मिनी ट्रक क्रमांक एमपी 20 जीए 8913 के चालक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह बाईक सहित नीचे गिरकर घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी मिनी ट्रक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125(ए)भारतीय न्याय संहिता का अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

जमीन के विवाद पर भाई ने बहनों पर किया हमला

जबलपुर। बरेला थाना अतंर्गत सिलुआ बरेला में जमीन के विवाद को लेकर एक भाई ने अपनी दो बहनों के साथ गालीगलौज कर डंडे से मारपीट कर चोटें पहुंचा दी। बरेला पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिलुआ बरेला निवासी 56 वर्षीय बेनी बाई केवट गत दिवस अपनी छोटी बहन रज्जो के साथ खेत पहुंची तो देखी कि छोटा भाई छोटे केवट खेत में जेसीबी चलवा रहा था, मना करने पर छोटे केवट दोनों बहनों से गालीगलौज करने लगा और पूरी जमीन मेरी है किसी भाई बहन को हिस्सा नहीं दूंगा कहने लगा, विरोध करने पर छोटे केवट ने अपनी दोनों बहनें बेनी बाई और रज्जों के साथ डंडे से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।

दो कृतियों का भी हुआ विमोचन

खूब सराही गई नरेन्द्र निगम की चित्रकला

जबलपुर। साहित्यक समाजिक संस्था सृजन पथ के दो दिवसीय कार्यक्रमों की शृंख्ला के प्रथम दिवस शनिवार को नरेन्द्र निगम के चित्रों की एक प्रदर्शनी एवं दो कृतियों का विमोचन तथा द्वितीय दिवस साबिर जबलपुरी की याद में मुशायरा एवं कवि सम्मेलन बज्मे सुखन व सृजन पथ के तत्वाधान में रानी दुर्गावती संग्राहालय कला वीर्थिका भंवरताल में आयोजित किया गया। प्रथम दिवस आचार्य डॉ. हरीशंकरदुबे की अध्यक्षता एवं डॉ. राजेश धीरावाणी के मुख्य आतिथ्य में चित्रकार, साहित्यकार, लेखक नरेन्द्र निगम की दो कृतियों अजन्मा रिश्ता एवं काव्य संग्रह शब्दों की यात्रा और एकल चित्रकला प्रदर्शनी आयोजित हुई। आचार्य डॉ. कृष्णकांत चतुर्वेदी के आशीर्वचन और सारस्वत अतिथि डॉ. निशा तिवारी, वरिष्ठ चित्रकार रघुवीर अंबर, अनिता श्रीवास्तव तमन्ना, डॉ एके त्रिपाठी, विजय नेमा अनुज, राजेश पाठक आदि ने मंगल भाव व्यक्त किये। इस अवसर पर प्रसंग संस्था मध्य प्रदेश हिंदी लेखिका संघ, बज्म ए सुखन की ओर से नरेन्द्र का शॉल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. निशा तिवारी, श्रीमति एलिना फिलिप, राकेश कुमार चौबे, शिवकुमार खेमरिया, एमएल बहोरिया, पंकज गोस्वामी, केपी नापित एवं सचिन झा आदि उपस्थित रहे।

मुशायरा कवि सम्मेलन

कार्यक्रम के दूसरे दिन मुशायरा एवं कवि सम्मेलन की अध्यक्षता भोपाल के डॉ यूनुस फरहत ने की और कार्यक्रम का संचालन ब्रद वास्ती भोपाल ने किया। विशिष्ट अतिथि आरिफ अली आरिफ रहे। शायरों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से खूब वाहवाही लूटी। शेख निजामी, अनिता श्रीवास्तव तमन्ना, एमएल बहोरिया अनीस, सोहन सलिल, दीपक तिवारी दीपक, यूनुस अदीब, रिजवान अहमद, शशि सिंह परिहार, डॉ. प्रतिभा पटेल ने शानदार गजले पेशकर श्रोताओं का मनमोहा। इस अवसर पर मथुरा जैन उत्साही, विजय तिवारी किसलय था बड़ी संख्या में श्रोतागणन उपस्थित रहे।

श्री संतोष पांडे- कांचघर श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री संतोष पांडे (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री धनीराम चौधरी- प्रेमसागर पुलिस चौकी के पास निवासी श्री धनीराम चौधरी (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अशोक केवट- लाल कुआं पोलीपाथर केवट मोहल्ला निवासी श्री शंकर लाल केवट के पुत्र श्री अशोक केवट (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती संगीता भट्ट- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री राम गोपाल भट्ट की धर्मपत्नी श्रीमती संगीता भट्ट (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री शिवराज- करोंदी रांझी निवासी श्री गोविंद प्रसाद के पुत्र श्री शिवराज (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अमरदीप सिंह ठाकुर- इंदिरा मार्केट पावर हाउस के पास निवासीश्री राममिलन सिंह ठाकुर के पुत्र अमरदीप सिंह ठाकुर (25) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री आनंद दुबे- नौदरा ब्रिज के पास निवासी श्री आनंद दुबे (65) का निधन हो गया। अं

सुश्री नलिनी पिल्ले- किंग्सवे सदर निवासी श्री चित्रे पिल्ले की पुत्री सुश्री नलिनी पिल्ले (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।तम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंपा देवी सिंह- ट्यूट लाइन जीसीएफ निवासी श्री आरके सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती चंपा देवी सिंह (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10x8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

आर्थिक सर्वेक्षण में अनाज के उत्पादन में 1.91 फीसदी की मामूली कमी दर्ज की गई

मप्र के आर्थिक सर्वेक्षण में दालों में 42.62 की वृद्धि दूध का उत्पादन भी 201.22 लाख टन तक पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य सरकार ने मंगलवार को मप्र का आर्थिक सर्वेक्षण जारी किया है। आर्थिक सर्वेक्षण में मूलभूत तथ्यों को सामने रखते हुए योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग ने विभिन्न मुद्दों पर सरकार की आर्थिक स्थिति का खाका प्रस्तुत किया है। फसल उत्पादन का वर्गीकृत विश्लेषण में पाया गया कि मप्र में अनाज के उत्पादन में 1.91 फीसदी की मामूली कमी दर्ज की गई है। जबकि दालों में 42.62 की बढ़ोतरी हुई है। बागवानी क्षेत्र में मसालों का उत्पादन करीब एक लाख मिट्रिक टन बढ़ा है। दूध का उत्पादन भी 201.22 लाख टन तक पहुंच गया है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में मप्र में प्रमुख फसलों के उत्पादन में 0.20% की वृद्धि दर्ज की गई है। दलहन के उत्पादन में 42.62% की वृद्धि हुई, और तिलहन में 7.32% की वृद्धि दर्ज की गई। सब्जियों का उत्पादन 235.41 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 242.62 लाख मीट्रिक टन हो गया। फलों का उत्पादन 95.10 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 95.54 लाख मीट्रिक टन हो गया। तिलहन फसलों जैसे सोयाबीन और सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। तिलहन का क्षेत्र 4.01 फीसदी, सरसों को 10.21 फीसदी और सोयाबीन की खेती में 1.76 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। तिलहन में बढ़ोतरी को देखा जाए तो पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले सोयाबीन के उत्पादन में कमी दर्ज की गई है।

राजस्व आधिक्य 413 करोड़ रुपए का अनुमान

राज्य में साक्ष्य परक एवं डेटा आधारित नीति निर्माण एवं विश्लेषण को अत्यधिक महत्व दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में यह प्रयास स्पष्ट दिखता है। इस बार का आर्थिक सर्वेक्षण प्रदेश की निवेश, निर्यात, उद्योग, विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में हुई प्रगति को दर्शाता है। वर्ष 2023-24 में राजस्व आधिक्य राशि रुपए 413 करोड़ रहने का अनुमान है, इसे कोरोना काल की राजस्व घाटे की स्थिति से उबरने एवं मजबूत वित्तीय स्थिति का संकेत हैं। वर्ष 2019-20 से वर्ष 2022-23 के दौरान राज्य करों का हिस्सा जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में 6.16% से बढ़कर 6.20 प्रतिशत हो गया है इस अवधि के दौरान राज्य के अपने कर संग्रह में 12.79% की वार्षिक दर से बढ़ोतरी हुई।

महत्वपूर्ण क्षेत्रों के विकास एवं सभी वर्गों के उत्थान के लिए है

मप्र में अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ने के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों के विकास, कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का संचालन में भी बढ़ोतरी हुई है। जनजातीय एवं अनुसूचित जाति समाज के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के कार्यक्रम, महिलाओं को अधिकार देने, उद्योग एवं व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नियमों को सरल बनाकर उनका पालन आसान करने, कृषि में तकनीक का समावेश तथा खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से कृषकों की आय बढ़ाने के उपाय करने जैसे कई प्रयास सुशासन के अप्रतिम उदाहरण बनकर सामने आए हैं।

प्राथमिक क्षेत्रों का योगदान 45.53 फीसदी रहा

प्रचलित भावों पर वर्ष 2023-24 में प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 45.53% रहा जो इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। द्वितीयक क्षेत्र का योगदान 18.47% रहा है। तृतीयक क्षेत्र का प्रचलित भावों पर वर्ष 2023-24 में योगदान 36% रहा है। स्थिर मूल्यों पर यह वर्ष 2023-24 में 39.64% हुआ है, जो सेवा क्षेत्र में मजबूती को दर्शाता है। सेवा क्षेत्र में निरंतर निवेश और सुधार से तृतीयक क्षेत्र की ओर से राज्य की आर्थिक प्रगति में अधिक योगदान की संभावना है।

जन धन योजना में अब तक 4.29 करोड़ से अधिक लाभार्थी

प्रधानमंत्री जन धन योजना के माध्यम से प्रदेश में अब तक 4.29 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को बैंकिंग की सुविधाओं से लाभान्वित किया है। सरकार ने बैंकिंग सेवाओं को सुलभ एवं कृषि, उद्योग एवं अन्य क्षेत्रों हेतु ऋण विस्तार के प्रयास किए जा रहे, फलस्वरूप वर्ष 2005-06 से वर्ष 2023-24 तक कृषि ऋण में 16.4% सीएजीआर की वृद्धि एवं एमएसएमई क्षेत्र में 33.85% सीएजीआर की वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना

शहरी में प्रदेश में 9.50 लाख आवास स्वीकृत हुए हैं, जिसमें से 7.50 लाख आवास पूरे हो चुके हैं। इसके अलावा 3.56 करोड़ लाभार्थियों को डिजिटल आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला देश का पहला राज्य है। पीएम स्वनिधि योजना के प्रथम चरण में 8.30 लाख शहरी पथ विक्रेताओं को 827.85 करोड़ रूपए का ऋण वितरित कर राज्य ने देश में पहला स्थान पर है। वर्ष 2004 से 2024 के बीच में पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन में 270.47 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। देश के कुल सौर उर्जा उत्पादन में मध्य प्रदेश 8.2 प्रतिशत का योगदान देता है और इस दृष्टि से देश में चौथे स्थान पर है।

जयवर्धन ने नर्सिंग घोटाले के मुद्दे को सदन में उठाया

कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने सदन में ध्यानाकर्षण के जरिए नर्सिंग कॉलेजों के फर्जी मान्यता पर तत्कालीन मंत्री से इस्तीफे तक की मांग की। उन्होंने तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री के एक पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि मंत्री की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें कहा गया कि 2019-20, 202021, 2021-22 में जिन कॉलेजों को मान्यता नहीं दी गई है उनको संबद्धता देना चाहिए। उसके आठ दिन बाद ही कुलपति और रजिस्ट्रार ने हिमालय नर्सिंग कॉलेज को संबद्धता दे दी। हिमालय नर्सिंग कॉलेज के संचालक और प्राचार्य नर्सिंग कॉलेज घोटाले के मामले में जेल में है, इससे स्पष्ट है कि कॉलेज फर्जी था, उसके बावजूद मंत्री के दबाव में संबद्धता दी गई। कांग्रेस सदस्य सिंह ने फर्जी रजिस्टरों की नियुक्तियों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि तत्कालीन मंत्री के कार्यकाल में फर्जी तरीके से नर्सिंग रजिस्ट्रार की नियुक्ति की गई, जिसमें चंद्रकला दिवगैया और सुनीता शिजू को बर्खास्त कर दिया गया। तत्कालीन प्रशासन डॉ. योगेश शर्मा और तत्कालीन रजिस्टर स्टेला पीटर पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। फर्जी नर्सिंग कॉलेज को संबद्धता देने में विश्वविद्यालय के कुलपति अशोक खंडेलवाल और रजिस्ट्रार पुष्पराज बघेल ने मुख्य भूमिका निभाई थी, लेकिन अभी तक उन दोनों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। इससे सरकार की मंशा स्पष्ट होती है कि सरकार नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़ा के दोषियों को बचाना चाहती है। इस मामले में कार्रवाई होना चाहिए।

2016 में 387 दैवेभो व 32 संविदा कर्मियों का किया नियमितीकरण, प्रक्रिया लगातार चल रही: मंत्री गौर

विधानसभा में मंगलवार को दैनिक वेतन भोगियों (दैवेभो) व संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण का मुद्दा देवेंद्र सखवार ने उठाया। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर दैनिक वेतनभोगी व संविदा कर्मचारी विभिन्न विभागों में काम कर रहे हैं, पर सरकार के पास स्पष्ट नीति नहीं होने की वजह से उनका नियमितीकरण नहीं हो पा रहा है। बड़ी संख्या में ऐसे कर्मचारी हैं, जो रिटायरमेंट के नजदीक हैं। वे कई कई वर्षो से काम कर रहे हैं। सरकार उन पर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने पूछा कि दैवेभो के नियमितीकरण की क्या योजना है, अब तक में कितने कर्मचारी नियमित किए गए। इसके जवाब में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि 16 मई 2007 को नियमितीकरण करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि नीति निर्धारण के साथ भर्ती नियमों के साथ दैवेभो के नियमितीकरण का आदेश जारी किया गया था। इसके बाद 2023 में स्पष्ट नीति बनी। उन्होंने कहा कि लगातार नियमितीकरण किया जा रहा है। उन्होंने सदन को बताया कि 2016 में 387 दैवेभो व 32 संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण किया गया। इसकी प्रक्रिया लगातार चल रही है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद नियमितीकरण कर दिया जाता है। ऐसे में यह आरोप गलत है कि नियमितीकरण नहीं किया जा रहा है।

पुलिस ने केस दर्ज कर शुरू की जांच, आरोपी घटना स्थल से फरार

चरित्र शंका को लेकर गुस्साए पति ने पत्नी पर फावड़े से किया हमला, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

चरित्र शंका को लेकर पति ने पत्नी पर फावड़े से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। कोरबी चौकी क्षेत्र स्थित जल्के गांव के मांझा बहरा मुहल्ले की यह वारदात है। मृतका का शव घर के आंगन में पाया गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के बाद पकड़ लिया। मृतका का नाम मंगली बाई था, जिसकी हत्या उसके ही पति बसंत पोया ने कर दी। कुछ देर बाद जब आसपास के लोग उसके घर पहुंचे आंगन महिला को जमीन पर पड़ा हुआ देखा जहां वो खून से लतपत थी। इसकी सूचना कोटवार ने कोरबी चौकी पुलिस को दी।

पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की जहां मुखबिर की सूचना पर आरोपी पति को पकड़ लिया है और आगे की जांच कार्रवाई में जुट गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूपीएस चौहान ने बताया कि महिला के सिर पर चोट के निशान पाए गए हैं। वहीं फावड़े से हमला किया गया है। घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया था, जिसे पकड़ लिया गया है। प्रथम जांच के दौरान चरित्र शंका को लेकर हत्या करना पाया गया है। पुलिस आगे की जांच कार्यवाही में जुट गई है। बताया जा रहा है कि मृतका की 6 वर्ष की एक बच्ची भी है जो घटना के दौरान गांव में अपनी सहेली के घर खेलने गई हुई थी। पुलिस पूछताछ में पता चला कि पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था।

तेज रफ्तार वाहन अनियंत्रित होकर पलटा, घटना में तीन लोग घायल

जगदलपुर। आसना के आगे मोड़ में बुधवार की दोपहर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलटी मारते हुए सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इस घटना में तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। जगदलपुर में आसना के आगे मोड़ में बुधवार की दोपहर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलटी मारते हुए सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। मंदिर जाने के दौरान हुए हादसे में आसना के नयापारा निवासी पारेश्वर यादव 24 वर्ष की मौत हो गई है जबकि अन्य घायलों का इलाज जारी है। कार पारेश्वर यादव ही चला रहा था तभी अचानक से सामने से आ रही वन विभाग की बोलेरो से टक्कर होने के बाद सड़क पर चल रही एक बाइक भी इसके चपेट में आ गई। जिससे बाइक चालक भी गिर पड़े, लेकिन बाइक चालक को चोट नही आई, और कार में सवार युवकों को गंभीर चोट आई । जहां पारेश्वर ने अस्पताल पहुँचने से पहले ही दम तोड़ दिया, जबकि दोनों घायलों का इलाज मेकाज में चल रहा है।

सीएम से भेंटकर सौंपी तस्वीर, पीएम मोदी भी सोशल मीडिया पर करते हैं फॉलो

केबीसी में जाने की तैयारी कर रहे दिव्यांग आयुष ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तस्वीर बनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

खरगोन जिले के बड़वाह निवासी दिव्यांग युवक आयुष कुंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को विधानसभा स्थित कक्ष में तस्वीर भेंट की। खास बात यह है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की तस्वीर बनाने वाले आयुष ने ये तस्वीर पैरों से बनाई है।

वो चित्रकला में दक्ष है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी उनकी तस्वीर बनाकर भेंट कर चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिभावान कलाकार को शाबाशी देते हुए एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि देने को कहा है।

अमिताभ बच्चन से कर चुका मुलाकात

आयुष की मां का कहना है कि जीवन में उसके पांच सपने थे, जिसमें चार पूरे हो चुके है। आयुष अमिताभ बच्चन से मिलने का अपना सपना भी पूरा कर चुका है। वहीं अब उसका कौन बनेगा करोड़पति में जाने का सपना है। इसकी वो तैयारी कर रहा है। सोशल मीडिया पर पीएम नरेंद्र मोदी सहित कई सांसद उसके फॉलोअर है।

शासन देगा प्रति वर्ष 15 करोड़, चार वर्ष में मिलेगी कुल 60 करोड़ रुपए की राशि

विधायक अपने विधानसभा के विकास के लिए बनाएंगे चार साल का रोडमैप

सीएम ने चंबल एवं ग्वालियर संभाग के विधायकों की ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास कार्य के लिए 4 साल का समय शेष है। विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र में जनता के बीच पहुंच कर विकास कार्य व्यवस्थित तरीके से करें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भावना के अनुरूप सभी कार्यों का क्रियान्वयन हो। चार साल का रोडमैप बनाएं। राज्य शासन की ओर से विधानसभा क्षेत्र के विकास लिए चार साल में 60 करोड़ की राशि दी जाएगी। हर साल 15 करोड़ की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में चंबल एवं ग्वालियर संभाग के विधायकों की संभागवार बैठक ले रहे थे। बैठक में संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के विधायक मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में जल गंगा अभियान के अंतर्गत किए गए कार्यों की भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि राशि खर्च करने के लिए वर्ष 2028 तक का योजना का रोडमैप तैयार कर ली जाए। नगरीय निकाय और जनपद पंचायतों के अंतर्गत जनता से सीधे जुड़ी योजनाओं को अच्छी तरह से क्रियान्वित करें। जनता से जुड़े सभी अभियानों में बेहतर योगदान दें। सबका विकास होगा तो प्रदेश का विकास होगा। जनता की समस्याओं के निकराकरण के लिए लगातार शिविर लगाए जाएं। स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य हों।

स्वस्थ्य पशु अपने घरों में रखें, लावारिस और अपाहिज गो-वंश को गोशालाओं में

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार गौ-शालाओं के संचालन के लिए प्रति गाय 40 रुपए की राशि प्रतिदिन के मान से उपलब्ध कराएगी। गो-शालाएं अच्छी तरह चलें। स्वस्थ्य पशु अपने घरों में रखें, लावारिस और अपाहिज गो-वंश को गोशालाओं में जरूर रखा जाए। गो-शाला संचालन का जनता के बीच अच्छा संदेश जाए। अपनी विधान सभा के लिए लीडर के रूप में अपनी छबि बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस के कानूनों में एक जुलाई 2024 से जो बदलाव हुए हैं। उनकी जानकारी आमजन को कार्यक्रमों के माध्यम से दी जाए। बदली गई धाराओं से नागरिकों को अवगत कराया जाए।

सभी ग्रामों की पेयजल योजनाएं राज्य सरकार से स्वीकृत की जा चुकी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर संभाग की सभी ग्रामों की पेयजल योजनाएं राज्य सरकार से स्वीकृत की जा चुकी हैं। कोई भी ग्राम छूटा नहीं है। समूह जल प्रदाय योजनाओं से कई गांव लाभान्वित हो रहे हैं। पेयजल योजना ठीक से संचालित हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर-चंबल संभाग में बंद पड़ी नल-जल योजनाओं को चालू किया जाए। कोई भी योजना बंद न रहे। गांव में पीने के पानी की समस्या न हो। भू-जल स्तर बढ़ाने के कार्य हों। जो भी कार्य हाथ में लें उसे पूरा जरूर करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल योजनओं की मानिटरिंग करें। शिकायतों को जांच कर दूर करें। आयुष्मान योजना का लाभ हितग्राहियों को मिले। अपनी विधानसभा में स्वेच्छानुदान राशि से निःशुल्क चश्में बांटने का काम हो।

अभियान के अंतर्गत अधिकाधिक पौधरोपण का कार्य हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक विधान सभा में पौध-रोपण का अभियान के तहत अधिकाधिक पौधे रोपने का कार्य हो। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए फसल चक्र सुधारना चाहिए, अधिक आय देने वाली फसलों को बढ़ावा दें। दुग्ध उत्पादन के लिए डेयरी उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी त्यौहार रक्षाबंधन पर अभियान चला कर बहनों से राखी बंधवाएं। जन्माष्टमी पर भी जनता से जुड़े रहने के लिए लड्डू गोपाल बटवाएं। स्कूल आंगनबाड़ी में जाएं। हॉस्पीटल और स्कूलों की मानिटरिंग कर देख लें कि कहीं भी अतिक्रमण न हो।

बंटवारा, नामांतरण और सीमांकन का अभियान चलाकर कार्य हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बंटवारा, नामांतरण और सीमांकन का अभियान चलाकर कार्य हो। रोजगार आधारित कार्य को प्राथमिकता दें। जिला प्रशासन से मिलकर रोजगार के कार्यों को बढ़ाया जाए। ट्रांसफार्मर संबंधी समस्याएं हल हों। जनता से जुड़ी समितियों की बैठकें नियमित हों। एक जिला-एक उत्पाद को बढ़ावा दिया जाए। इस बात का प्रयास किया जाए कि क्षेत्र में कुटीर उद्योगों को बढ़ावा मिले। विधायक अपने कार्यालयों का सुदृढ़ीकरण करें। इसके लिए 5 लाख रुपए की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार बढ़ाया जाए।

योजना के कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें

कान्ह नदी के व्यपवर्तन के कार्य समय सीमा में पूर्ण हों, क्षिप्रा नदी हर हाल में हो प्रदूषण मुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में बैठक में सिंहस्थ-2028 के लिए प्रस्तावित कार्य योजना के अंतर्गत क्षिप्रा नदी को प्रदूषणमुक्त बनाने की योजना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घाटों के निर्माण में ऐसे पत्थर एवं सामग्री का उपयोग करने के निर्देश दिए जो दीर्घकाल तक उपयोगी हों।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में कान्ह नदी के व्यपवर्तन, कान्ह नदी पर 11 बैराजों के निर्माण, सिंहस्थ के लिए क्षिप्रा नदी में निरंतर जल प्रवाह योजना और क्षिप्रा नदी पर प्रस्तावित 18 बैराजों के निर्माण और क्षिप्रा नदी पर स्नान आदि के बेहतर प्रबंध के लिए घाटों के निर्माण तथा विकास के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

स्थानीय लोगों को परेशान न हों

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कार्यों को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। यह भी ध्यान रखा जाए कि निर्माण कार्य चलने से स्थानीय निवासियों को कोई असुविधा न हो। बैठक में पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन से कार्यों की प्रगति का विवरण दिया गया। इसके अंतर्गत क्षिप्रा नदी पर प्रस्तावित संरचनाओं, प्रस्तावित बैराजों के निर्माण तथा आवश्यक घाटों के निर्माण से संबंधित जानकारी दी गई। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, मुख्य सचिव वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास विभाग डॉ. राजेश राजौरा, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

एआई ने उद्यमशीलता परिवेश को गति दी

नई दिल्ली। ओपनएआई के उपाध्यक्ष श्रीनिवास नारायणन ने बुधवार को कहा कि कृत्रिम मेधा ने भारत में पहले से ही गतिशील उद्यमशीलता परिवेश को और गति दी है। कृषि, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में एआई के अत्यधिक इस्तेमाल के कई उदाहरण मौजूद हैं। पूरे विश्व के लिए एक 'बेहतरीन मिसाल' करार दिया।

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर बढ़ी

नई दिल्ली। नए ठेकों में मजबूत वृद्धि और अंतरराष्ट्रीय बिक्री में अभूतपूर्व विस्तार के बीच भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जून में तेजी से बढ़ी। मई में यह पांच महीने के निचले स्तर पर थी। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जून में बढ़कर 60.5 हो गया जो मई 60.2 था।

जैक्सन ने एनएचपीसी के साथ किया समझौता

JAKSON EMPOWERING PEOPLE

नई दिल्ली। नवीन ऊर्जा बदलाव मंच जैक्सन ग्रीन ने 400 मेगावाट सौर ऊर्जा की आपूर्ति के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की एनएचपीसी के साथ समझौता किया है। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, जैक्सन ग्रीन ने एनएचपीसी लिमिटेड के साथ अपने पहले विद्युत क्रय समझौता पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत पर कर्ज का बोझ ज्यादा स्थिरता की समस्या नहीं: गुप्ता

नई दिल्ली। एनसीएईआर की महानिदेशक पूनम गुप्ता ने कहा कि भारत का सार्वजनिक ऋण सकल घरेलू उत्पाद का करीब 82 प्रतिशत के बराबर है, लेकिन उच्च वृद्धि दर तथा भारतीय मुद्रा में ऋण अधिक होने से देश को ऋण स्थिरता की समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है। एनसीएईआर द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में गुप्ता ने कहा कि भारत का उच्च ऋण स्तर फिलहाल सतत है।

लोहुम 1,000 करोड़ रुपए का करेगी निवेश

मुंबई। लिथियम-आयन बैटरी पैक विनिर्माता तथा पुनर्चक्रण कंपनी लोहुम ने मैंगनीज आधारित लिथियम-आयन बैटरी विकसित करने तथा उसका विनिर्माण करने के लिए अगले तीन साल में 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की बुधवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि उसने नई परियोजना में मदद के लिए टेस्ला के अनुभवी चैतन्य शर्मा को अपने साथ लिया है।

अगले तीन वर्षों में अच्छा नहीं होगा इक्विटी रिटर्न

मुंबई। निवेशकों के लिए इक्विटी शेयर बाजार में रिटर्न अगले तीन साल में पिछले तीन वर्षों जितना अच्छा नहीं होगा। म्यूचुअल फंड कंपनी फ्रैंकलिन टेम्पलटन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह बात कही। आर जानकीरमन ने कहा कि रिटर्न 'ठीक-ठाक' होगा और यह अन्य परिसंपत्ति वर्गों से बेहतर प्रदर्शन करेगा। यह बात ऐसे दिन आई है जब मानक सूचकांकों ने नए सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ और इक्विटी बाजार में उच्च मूल्यांकन को लेकर चिंताएं जताई जा रही हैं।

राजकोषीय घाटा 4 प्रतिशत पर आया तो 24 महीने में भारत की साख में सुधार संभव

रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने जताई संभावना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार अपने वित्त का विवेकपूर्ण प्रबंधन करने और राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के चार प्रतिशत तक लाने में सक्षम रही तो अगले 24 महीने में भारत की रेटिंग में सुधार हो सकता है।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के निदेशक (सॉवरेन रेटिंग्स) यीफर्न फुआ ने एक बयान में कहा कि रेटिंग में सुधार के लिए सामान्य सरकारी घाटा जीडीपी के सात प्रतिशत से नीचे आना जरूरी होगा। इसके लिए केन्द्र सरकार को अधिक कदम उठाने होंगे। फुआ ने कहा, 'यदि केंद्र सरकार राजकोषीय घाटे को जीडीपी के चार प्रतिशत तक लाने में सक्षम हो तो हम अगले 24 महीने बाद उसकी साख को बढ़ाने पर विचार करेंगे।'

भारत तेजी से कर रहा वृद्धि

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री (एशिया-प्रशांत) लुईस कुइज ने कहा कि भारत एशिया क्षेत्र में सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर कोविड-19 वैश्विक महामारी का असर पीछे छूट चुका है और वृद्धि गति पकड़ने की प्रक्रिया में है। कुइज ने कहा, 'हमने देखा कि वैश्विक महामारी का असर वृद्धि की रफ्तार पर पड़ा, खासकर भारत जैसे देशों में। भारत खोई हुई जमीन को वापस ले रहा है और चार साल पहले की अपेक्षा अधिक तेजी से वृद्धि कर रहा है।'

5.1 प्रतिशत पर आने की संभावना : केंद्र सरकार का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 5.1 प्रतिशत पर आ जाएगा, जो 2023-24 में 5.63 प्रतिशत रहा था। अमेरिकी रेटिंग एजेंसी ने मई में भारत के परिदृश्य को स्थिर से बढ़ाकर सकारात्मक कर दिया था। हालांकि उसने भारत की रेटिंग को 'बीबीबी-' पर बरकरार रखा था।

पिछले तीन वर्षों में 8 प्रतिशत की वृद्धि

फुआ ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले तीन वर्षों में औसतन आठ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है जो घरेलू खपत तथा बुनियादी ढांचे में निवेश के कारण संभव हो पाया है। इससे जमीनी स्तर पर वास्तविक अंतर आया है। उन्होंने कहा, 'हम मध्यम अवधि में भारत के लिए सात प्रतिशत की वृद्धि की संभावना देखते हैं।

18 राज्यों का राजस्व 8 से 10 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीदः क्रिसिल

कोलकाता। देश के शीर्ष 18 राज्यों का राजस्व चालू वित्त वर्ष 2024-25 में आठ से 10 प्रतिशत बढ़कर 38 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में यह कहा गया। इन 18 राज्यों का भारत के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 90 प्रतिशत योगदान है। बीते वित्त वर्ष 2023-24 में इन राज्यों के राजस्व में सात प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि मुख्य रूप से मजबूत जीएसटी संग्रह और केंद्र से वित्त के हस्तांतरण के कारण होगी, जो कुल राज्य राजस्व का करीब 50 प्रतिशत है।

कारोबार के अंत में उछलकर 79,986.80 पर बंद

सेंसेक्स पहली बार 80 हजार पार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा निफ्टी

बाजार में चौतरफा तेजी

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, भारतीय बाजार में चौतरफा तेजी देखी गई। इसमें वित्तीय मामलों से संबंधित बड़ी कंपनियों की खास भूमिका रही। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व प्रमुख की 2025 के अंत तक मुद्रास्फीति दो प्रतिशत पर आ जाने की टिप्पणी ने भी सकारात्मक धारणा पैदा की।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर बैंकों एवं दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तगड़ी लिवाली आने से बुधवार को सेंसेक्स कारोबार के दौरान पहली बार 80,000 के ऐतिहासिक मुकाम पर पहुंचने के बाद थोड़ा नीचे बंद हुआ। निफ्टी भी 162 अंकों की बढ़त के साथ अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स कारोबार की शुरुआत में पहली बार ऐतिहासिक 80,000 अंक के स्तर को पार कर गया। कारोबार के अंत में यह 545.35 अंक यानी 0.69 प्रतिशत उछलकर 79,986.80 पर बंद हुआ। एक समय यह 632.85 अंकों की छलांग के साथ 80,074.30 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था।

इस तरह सेंसेक्स ने पिछले कुछ दिनों का अपना रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन जारी रखा है। सेंसेक्स ने 25 जून को पहली बार 78,000 का स्तर और 27 जून को 79,000 का स्तर पार किया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 162.65 अंक यानी 0.67 प्रतिशत चढ़कर 24,286.50 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 183.4 अंक बढ़कर 24,307.25 के नए शिखर पर पहुंच गया था।

अदाणी पोर्ट्स में सर्वाधिक 2.49 प्रतिशत की तेजी

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स में सर्वाधिक 2.49 प्रतिशत की तेजी रही। कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील के शेयरों में भी बढ़त दर्ज की गई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टूब्रो के शेयरों में गिरावट रही।

सकारात्मक संकेतों से भारी उछाल

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, सकारात्मक संकेतों से बाजार ने आधे प्रतिशत से ऊपर की बढ़त हासिल की। उत्साहजनक वैश्विक बाजारों के साथ बैंक शेयरों में मजबूती से बाजार को तगड़ी शुरुआत मिली और आखिर तक कमोबेश कायम रही।

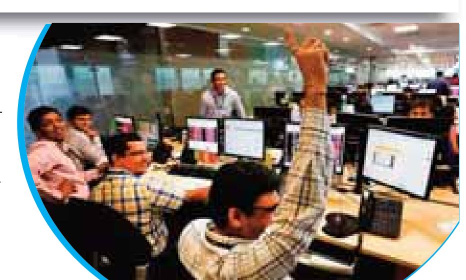

व्रज आयरन का शेयर पहले दिन 22 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली। व्रज आयरन एंड स्टील का शेयर बाजार में कारोबार के पहले दिन बुधवार को निर्गम मूल्य 207 रुपये के मुकाबले लगभग 22 प्रतिशत उछाल के साथ बंद हुआ। बीएसई और एनएसई दोनों पर शेयर 15.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 240 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। बीएसई में बाद में यह अपने ऊपरी सर्किट 21.71 प्रतिशत चढ़कर 251.95 रुपए पर पहुंच गया। जबकि एनएसई में भी यह ऊपरी सीमा 21.73 प्रतिशत उछलकर 252 रुपए पर रहा। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 831 करोड़ रुपये रहा।

बाजारों में बढ़त-नुकसान

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में नुकसान देखा गया। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे।

एफआईआई में रही बिकवाली

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 2,000.12 करोड़ रुपए मूल्य के शेयरों की बिकवाली की। मंगलवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स मामूली 34.74 अंक गिरकर 79,441.45 और निफ्टी 18.10 अंक घटकर 24,123.85 पर बंद हुआ था।

बाजार पूंजीकरण रिकॉर्ड स्तर पर

शेयर बाजार में बुधवार को आई तेजी के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 445.43 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। शेयर बाजार की तेजी के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4,45,43,642.29 करोड़ रुपए (5.33 लाख करोड़ डॉलर) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

सोशल मीडिया मंच 'ट्विटर' को टक्कर देने वाला 'कू' होगा बंद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

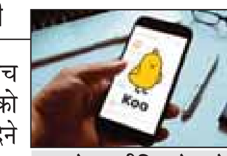

■ सोशल मीडिया ऐप को चालू रखने के लिए प्रौद्योगिकी लागत अधिक

सोशल मीडिया मंच 'ट्विटर' (अब एक्स) को एक समय टक्कर देने वाला घरेलू सोशल मीडिया मंच 'कू' अब बंद होने जा रहा है। इसके सह-संस्थापकों ने 'कड़े फैसलों' के बारे में जानकारी देते हुए एक भावुक 'नोट' लिखा और इसे 'अलविदा' कहा। लिंक्डइन पर एक पोस्ट में मंच के सह-संस्थापक अप्रमेय राधाकृष्ण और मयंक बिदावतका ने घोषणा की कि मंच जनता के लिए अपनी सेवाएं बंद कर देगा।

संस्थापकों ने लिखा है, 'हमने कई बड़ी इंटरनेट कंपनियों, समूहों तथा मीडिया घरानों के साथ साझेदारी की संभावना तलाशी, लेकिन इन वार्ताओं से वह परिणाम नहीं निकला जो हम चाहते थे।' 'सोशल मीडिया ऐप को चालू रखने के लिए प्रौद्योगिकी सेवाओं की लागत अधिक है। इसलिए हमें यह कठिन निर्णय लेना पड़ा है।' एक समय ऐसा था जब करीब 21 लाख लोग रोजाना 'कू' का इस्तेमाल करते थे। मंच पर कई मशहूर हस्तियों के खाते भी हैं।

छोटी पीली चिड़िया को अंतिम अलविदा

संस्थापकों ने कहा, 'हम 2022 में भारत में ट्विटर को पछाड़ने से बस कुछ ही महीने दूर थे...पूंजी होने पर हम उस लक्ष्य को दोगुना गति से हासिल कर सकते थे।' कंपनी में कोष की कमी से योजनाओं को अंजाम देना मुश्किल हो गया। इससे मंच की वृद्धि धीमी हो गई। दोनों ने कहा, 'छोटी पीली चिड़िया अंतिम अलविदा कहती है।' मंच का प्रतीक चिन्ह (लोगो) छोटी पीली चिड़िया है।

देश में खानपान सेवा बाजार 6 साल में 10 लाख करोड़ होने का अनुमान

■ ग्राहक आधार 45 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में खान-पान सेवा बाजार के 2030 तक 10 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की संभावना है। इस दौरान ग्राहक आधार 45 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

बेन एंड कंपनी और स्विगी की रिपोर्ट 'हाउ इंडिया ईट्स' (भारत में खानपान का रुझान) में कहा गया है कि ऑनलाइन खानपान वितरण क्षेत्र में संचयी रूप से 18 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने का अनुमान है। इसकी पहुंच 2023 में 12 प्रतिशत से बढ़कर 2030 तक 20 प्रतिशत हो जाएगी। खानपान सेवा बाजार में बाहर खाना और घर पर ऑर्डर करके मंगाना शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में खानपान सेवा बाजार का वर्तमान मूल्य 5.5 लाख करोड़ रुपये है। अगले सात वर्षों में इस कारोबार के सालाना 10-12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जो 2030 तक नौ से 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।

2030 तक सेवा बाजार में 20 प्रतिशत का योगदान

रिपोर्ट में कहा गया, 'यह वृद्धि मजबूत बुनियादी कारकों से प्रभावित होगी। इनमें विस्तारित ग्राहक आधार, बढ़ती खपत के अवसर और आपूर्ति में वृद्धि शामिल है। इसके अलावा ऑनलाइन खाद्य वितरण में 18 प्रतिशत सीएजीआर की दर से वृद्धि होने की उम्मीद है, जो 2030 तक कुल खानपान सेवा बाजार में 20 प्रतिशत का योगदान देगा।

500 मेगावाट सौर क्षमता की निविदा लाएगी सेकी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक आर पी गुप्ता ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक 500 मेगावाट सौर तापीय भंडारण क्षमता के लिए निविदा जारी की जा सकती है।

गुप्ता ने बुधवार को भारत ऊर्जा भंडारण गठबंधन द्वारा आयोजित भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह-2024 के मौके पर संवाददाताओं से कहा कि भारत में पहली बार इस पैमाने पर इस तरह की निविदा जारी की जाएगी। गुप्ता ने नई सौर तापीय निविदाओं पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कहा, "चालू वित्त वर्ष (2024-25) के अंत तक निविदा जारी हो सकती है। सौर तापीय निविदा हुई हैं, लेकिन इस पैमाने पर नहीं।" उन्होंने कहा कि पहले की निविदाएं आकार में छोटी थीं और उनकी लागत भी बहुत अधिक थी।

इस्मा का सरकार से चीनी निर्यात पर पुनर्विचार करने का आग्रह

■ विशेषज्ञों का अनुमान है कि 91 लाख टन का स्टॉक बच सकता है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चीनी उद्योग संगठन इस्मा ने बुधवार को सरकार से चीनी निर्यात की अनुमति देने पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। उसने कहा कि चीनी के अनुमानित अधिशेष भंडार और चीनी मिलों पर संभावित वित्तीय दबाव को देखते हुए निर्यात पर फिर से विचार करने की जरूरत है। जैव-ऊर्जा विनिर्माता संघ का अनुमान है कि सितंबर में समाप्त होने वाले 2023-24 सत्र में 36 लाख टन तक अधिशेष चीनी स्टॉक बचेगा,

जबकि विशेषज्ञों का अनुमान है कि 91 लाख टन का स्टॉक बच सकता है। इस्मा ने एक बयान में कहा, 'यह अनुमानित अधिशेष चीनी भंडार... संभावित रूप से निष्क्रिय पुराने भंडार और वहन लागत के कारण मिलों के लिए अतिरिक्त लागत का कारण बन सकता है।

पर्याप्त घरेलू स्टॉक : बल्लानी : इस्मा के महानिदेशक दीपक बल्लानी ने कहा कि निर्यात की अनुमति देने से पर्याप्त घरेलू स्टॉक भी सुनिश्चित होगा, एथनॉल कार्यक्रम को बनाए रखा जा सकेगा और समय पर किसानों को भुगतान करने के लिए मिलों की वित्तीय स्थिति मजबूत बनाए रखने में मदद मिलेगी। यह आग्रह ऐसे समय में किया गया है जब सरकार ने 2024-25 सत्र के लिए गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य 25 रुपये बढ़ाकर 340 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है।

जापान ने दो दशक में पहली बार जारी किए नए बैंक नोट...

टोक्यो। जापान ने दो दशक में पहली बार बुधवार को नए बैंक नोट जारी किए। इनमें जालसाजी से निपटने के लिए '3-डी होलोग्राम' प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया गया है। प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने 10,000 येन, 5,000 येन और 1,000 येन के नए नोट की अत्याधुनिक जालसाजी-रोधी विशेषताओं की प्रशंसा करते हुए इसे 'ऐतिहासिक' करार दिया। बैंक ऑफ जापान में उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मुझे उम्मीद है कि लोगों को नए नोट पसंद आएंगे और ये जापानी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होंगे।' स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, नए नोट के साथ पहले से चलन में मुद्रा भी वैध रहेगी। बैंक ऑफ जापान के गवर्नर काजुओ उएदा ने कहा, हालांकि दुनिया नकदी रहित लेन-देन की ओर बढ़ रही है, लेकिन हमारा मानना है कि कहीं भी तथा कभी भी सुरक्षित भुगतान के लिए नकदी अब भी महत्वपूर्ण है।

तिमाही में भारतीय रियल एस्टेट संस्थागत निवेश 20 फीसदी बढ़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गोदामों और आवासीय परियोजनाओं में अधिक निवेश आने से अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 2.52 अरब डॉलर हो गया। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि इस साल अप्रैल-जून तिमाही में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 252.85 करोड़ डॉलर रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि के 210.64 करोड़ डॉलर से 20 प्रतिशत अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक, आलोच्य अवधि में कार्यालय संपत्तियों में निवेश 190.02 करोड़ डॉलर से 83 प्रतिशत घटकर सिर्फ 32.96 करोड़ डॉलर रहा। हालांकि, आवासीय क्षेत्र में संस्थागत निवेश 7.23 करोड़ डॉलर से कई गुना बढ़कर 54.35 करोड़ डॉलर हो गया। इस अवधि में औद्योगिक और गोदाम परियोजनाओं में संस्थागत निवेश भी एक साल पहले के 13.39 करोड़ डॉलर से 11 गुना बढ़कर 153.31 करोड़ डॉलर हो गया।

निवेशकों का विश्वास बढ़ा

कोलियर्स इंडिया ने कहा, 'बेहतर गुणवत्ता वाली परिसंपत्तियों और विकसित आपूर्ति श्रृंखला मॉडल की बढ़ती मांग के बीच इस क्षेत्र में निवेशकों का विश्वास काफी बढ़ा है। स्वस्थ मांग के साथ वैश्विक और घरेलू निवेशक औद्योगिक एवं गोदाम परिसंपत्तियों के एकीकरण में प्रमुख भूमिका निभाने जा रहे हैं।

शोधपत्र 'बदलते समाज में सामाजिक सुरक्षा दायरा पर पुनर्विचार' पर केंद्रित

भारत में गरीबी घटकर 8.5 प्रतिशत पर आई : एनसीएईआर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आर्थिक शोध संस्थान एनसीएईआर के एक शोधपत्र में कहा गया है कि कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद भारत में गरीबी वित्त वर्ष 2011-12 के 21.2 प्रतिशत से घटकर 2022-24 में 8.5 प्रतिशत पर आ गई।

■ 2004-2005 और 2011-12 के बीच गरीबी में उल्लेखनीय कमी आई

नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लायड इकोनॉमिक रिसर्च के एक शोधपत्र में भारत मानव विकास सर्वेक्षण की हाल ही में पूरी हुई तीसरी श्रृंखला के आंकड़ों के साथ पहली और दूसरी श्रृंखला के आंकड़ों का भी इस्तेमाल किया गया है। यह शोधपत्र 'बदलते समाज में सामाजिक सुरक्षा दायरा पर पुनर्विचार' पर केंद्रित है। शोधपत्र कहता है कि 2004-2005 और 2011-12 के बीच गरीबी में उल्लेखनीय कमी आई और यह 38.6 प्रतिशत से घटकर 21.2 प्रतिशत रह गई।

महामारी से पैदा हुई चुनौतियों के बावजूद इसमें गिरावट का सिलसिला जारी रहा और यह 21.2 प्रतिशत से घटकर 2022-24 में 8.5 प्रतिशत पर आ गई। शोधपत्र के मुताबिक, आर्थिक वृद्धि और गरीबी की स्थिति में कमी से एक गतिशील परिवेश पैदा होता है जिसके लिए कारगर सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों की जरूरत होती है। सामाजिक बदलाव की रफ्तार के साथ सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को बनाए रखना भारत के लिए एक प्रमुख चुनौती होगी।

मासिक घरेलू व्यय दोगुने से भी अधिक

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय ने फरवरी में वर्ष 2022-23 के लिए घरेलू उपभोग व्यय के आंकड़े जारी करते हुए कहा था कि 2011-12 की तुलना में 2022-23 में प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू व्यय दोगुने से भी अधिक हो गया है। तेंदुलकर समिति ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए गरीबी रेखा को क्रमशः 447 रुपये और 579 रुपये निर्धारित किया था। बाद में योजना आयोग ने 2011-12 के लिए इसे बढ़ाकर 860 रुपये और 1,000 रुपये कर दिया था।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास हुआ : सुब्रमण्यम

नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बी वी आर सुब्रमण्यम ने कुछ महीने पहले कहा था कि नवीनतम उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि देश में गरीबी घटकर पांच प्रतिशत रह गई है और ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में लोगों के पास पैसे आ रहे हैं। और विकास हुआ है।

सोना 50 रुपए मजबूत, चांदी में 300 की तेजी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुख के अनुरूप राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 50 रुपए की तेजी के साथ 72,550 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अलावा, चांदी की कीमत भी 300 रुपए बढ़कर 91,300 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले सत्र में यह 91,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। सोने की कीमतें (24 कैरेट) 72,550 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रही, जो पिछले बंद भाव से 50 रुपए अधिक है।'

आयोजन का मकसद अंतर्राष्ट्रीय एआई एक्सपर्ट के बीच सहयोग को बढ़ावा देना

नई दिल्ली में दो दिवसीय ग्लोबल इंडिया एआई शिखर सम्मेलन शुरू

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की देखरेख में दो दिवसीय शिखर सम्मेलन की शुरूआत 3 जुलाई से हो गई है। बता दें कि ग्लोबल इंडिया एआई समिट 2024' का इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय की एक प्रेस वार्ता के विज्ञप्ति अनुसार, शिखर सम्मेलन का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय एआई विशेषज्ञों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना और ज्ञान के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाना है, जो नैतिक और समावेशी एआई विकास के लिए भारत के समर्पण को मजबूत करेगा।

एआई में भारत अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेगा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वैश्विक भागीदारी के प्रमुख अध्यक्ष के रूप में भारत विश्वसनीय एआई प्रथाओं के लिए जीपीएआई की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने के लिए सदस्य देशों और विशेषज्ञों की मेजबानी करने के लिए तैयार है। शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एआई क्षेत्र में अग्रणी होने की भारत की क्षमता को प्रदर्शित करना है और यह सुनिश्चित करने के देश के लक्ष्य पर जोर देता है कि एआई लाभ सभी के लिए सुलभ हों, जिससे देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान मिले। शिखर सम्मेलन का केंद्र इंडिया एआई मिशन है, जो एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए डिजाइन की गई पहल है जो पूरे देश में एआई नवाचार को बढ़ावा देती है।

एआई से समाज को सुरक्षित बढ़ाने पर ध्यान

ग्लोबल इंडियाएआई समिट 2024 विज्ञान, उद्योग, नागरिक समाज, सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और शिक्षाविदों सहित विविध क्षेत्रों के हितधारकों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करेगा। ये विशेषज्ञ प्रमुख एआई मुद्दों पर चर्चा करने, अंतर्दृष्टि साझा करने और एआई पारिस्थितिकी तंत्र के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए एकत्रित होंगे। इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करके, भारत वैश्विक एआई समुदाय में एक सक्रिय खिलाड़ी के रूप में अपनी भूमिका की पुष्टि कर रहा है, जो समाज के लिए सुरक्षित, संरक्षित और लाभकारी प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

एआई क्षमताओं को विकसित करने का लक्ष्य

प्रेस रिलीज में कहा गया है कि यह मिशन कंप्यूटिंग संसाधनों तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाने, डेटा की गुणवत्ता बढ़ाने, स्वदेशी एआई क्षमताओं को विकसित करने, शीर्ष एआई प्रतिभाओं को आकर्षित करने, उद्योग सहयोग को बढ़ावा देने, स्टार्टअप को जोखिम पूंजी प्रदान करने, एआई परियोजनाओं के सामाजिक प्रभाव को सुनिश्चित करने और नैतिक एआई प्रथाओं को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इंडियाएआई मिशन सात प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, जिनमें से प्रत्येक एआई विकास और परिनियोजन के एक महत्वपूर्ण पहलू को लक्षित करता है।

एआई की चुनौती

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि दुनिया भर के राष्ट्र और समाज एआई से उत्पन्न होने वाले नए खतरों और जोखिमों के बारे में तेजी से जागरूक हो रहे हैं और उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी चुनौतियों का प्रभावी समाधान केवल सामूहिक वैश्विक प्रयासों से ही आ सकता है।

खबर संक्षेप

पाकिस्तान की जेल से 19 कैदी फरार

कराची। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पीओके की रावलकोट जेल से 19 कैदी फरार हो गए हैं। इनमें से 6 को मौत की सजा सुनाई गई थी। घटना पुंछ के रावलकोट जेल की है, जो मुजफ्फराबाद से करीब 110 किमी दूर है। रविवार दोपहर करीब 2:30 बजे एक कैदी ने पहरेदार से कहा कि वह उसकी लस्सी बैरेक तक ला दे। जब पहरेदार ऐसा करने पहुंचा, तब कैदी ने बंदूक तानकर उसे दबोच लिया और उसकी चाबियां छीन लीं। इसके बाद कैदी ने बाकी बैरेक का ताला भी खोल दिया।

कजाकिस्तान में शहबाज से मिले पुतिन

अस्ताना। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की है। इस दौरान दोनों नेताओं ने एक दूसरे के साथ संबंधों की तारीफ की। दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने व्यापार को बढ़ाने पर ज्यादा जोर दिया। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने वस्तु विनिमय प्रणाली के तहत व्यापार को बढ़ाने का सुझाव दिया।

राणा पर मुंबई हमले में शामिल होने का आरोप

मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर को लाया जाएगा भारत

हमले का दोषी राणा फिलहाल अमेरिका की कैद में हैं, षड्यंत्रकारी कोलमैन का साझेदार रहा

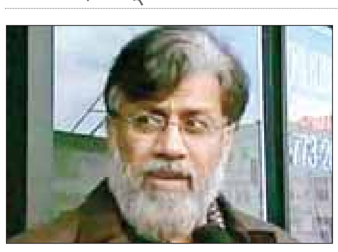

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मुंबई आतंकी हमलों में शामिल पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा को भारत लाने की तैयारी है। तहव्वुर राणा पर साल 2008 में हुए मुंबई हमले में शामिल होने का आरोप है। अमेरिका के सहायक अटॉर्नी ब्रैम एल्डन ने न्यायालय को बताया कि भारत-अमेरिका की प्रत्यर्पण संधि के प्रावधानों के तहत तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है।

तहव्वुर को भारत प्रत्यर्पित करने के भारत सरकार के अनुरोध को अमेरिकी सरकार ने मंजूर कर लिया था, लेकिन इसके खिलाफ राणा ने अमेरिका की जिला अदालत में याचिका दायर कर दी थी, जिसके कारण राणा का प्रत्यर्पण अटक गया था। अब सुनवाई के दौरान अमेरिकी वकील एल्डेन ने कोर्ट को बताया कि राणा को संधि के प्रावधानों के तहत भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है।

पाक और कनाडा से जुड़े हैं तार

पाकिस्तानी मूल के कनाडाई तहव्वुर राणा (63) अभी लॉस एंजिल्स की जेल में बंद है। राणा पर मुंबई हमलों की साजिश रचने में शामिल होने का आरोप है। पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से तहव्वुर राणा का नाम जुड़ा है। हेडली ने यह कई बार बयान में स्वीकार किया। हेडली ही रेकी करने के लिए मुंबई आया था। इस आतंकी हमले में मुंबई में 166 लोगों की मौत हुई थी और 239 लोग घायल हुए थे। आतंकियों ने ताज होटल, कई बार, रेस्तरां और चबाड हाउस पर हमला किया था। मरने वालों में अमेरिका के भी 6 लोग थे। आतंकी अजमल कसाब को जिंदा पकड़ा गया था, जिसे बाद में फांसी दे दी गई थी। अब अदालत ने आरोपी को भारत प्रत्यर्पित करने के अमेरिकी सरकार के अनुरोध को स्वीकार कर लिया था। अब जल्द ही उसे भारत लाया जा सकता है।

अमेरिकी वकील ने कोर्ट में दी दलील

अमेरिकी वकील एल्डेन ने 5 जून को कोर्ट में दलीलें पेश करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका दोनों संधि के प्रावधान पर सहमत हुए हैं। अभी लॉस एंजिलिस की जेल में बंद राणा मुंबई हमलों में अपनी संलिप्तता के आरोपों का सामना कर रहा है। बीच में उसने प्रत्यर्पण के खिलाफ कोर्ट में याचिका डाली थी, जिसे अस्वीकार कर लिया गया है।

जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री से की अहम बात

यूक्रेन वार जोन में फंसे भारतीय जल्द लौटेंगे वतन

> दो साल से अधिक समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में आज भी कई भारतीय मौजूद हैं। उनको सुरक्षित स्वदेश लाने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने रूसी समकक्ष के साथ बातचीत की

◆ मंत्री जयशंकर ने उठाया भारतीयों की सुरक्षा का मुद्दा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दो साल से अधिक समय से रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के कारण अब भी कई भारतीय वहां फंसे हुए हैं। उनको सुरक्षित स्वदेश लाने की कोशिश होती रही है। इस बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वार जोन में मौजूद भारतीयों को स्वदेश लाने के लिए रूसी विदेश मंत्री के साथ बातचीत की है। उन्होंने इस बातचीत में रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में मौजूद भारतीयों का मसला उठाया और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

विदेश मंत्री जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने मंगलवार को यहां पहुंचे। जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात कर खुशी हुई। हमारी द्विपक्षीय साझेदारी और समकालीन मुद्दों पर व्यापक बातचीत हुई। दिसंबर 2023 में हमारी आखिरी मुलाकात के बाद से कई क्षेत्रों में हुई प्रगति पर चर्चा की'' दोनों विदेश मंत्रियों के बीच यह मुलाकात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने के लिए मॉस्को की प्रस्तावित यात्रा से पहले हुई है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर रूसी समकक्ष के अहम मसलों पर बातचीत करते हुए।

भारत की बढ़ती भागीदारी पर चर्चा की

विदेश मंत्री जयशंकर ने पोस्ट में कहा कि भारतीय नागरिकों को लेकर अपनी गंभीर चिंता जतायी जो अभी युद्ध क्षेत्र में हैं उनकी सुरक्षित तथा जल्द वापसी पर जोर दिया। उन्होंने लावरोव के साथ वैश्विक सामरिक परिदृश्य पर भी चर्चा की।इससे पहले, विदेश मंत्री जयशंकर ने मंगलवार को यहां कजाखस्तान के उपप्रधानमंत्री मूरत नूरतलेउ से मुलाकात की और रणनीतिक साझेदारी के विस्तार तथा विभिन्न प्रारूपों में मध्य एशिया के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी पर चर्चा की थी। जयशंकर ने नूरतलेउ के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। नूरतलेउ विदेश मंत्री का प्रभार भी संभाल रहे हैं।

रूस की सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती पर रोक

विदेश मंत्रालय ने दो भारतीयों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा था कि भारत ने रूस के साथ इस मामले को दृढ़ता से उठाया है और रूसी सेना में कार्यरत सभी भारतीय नागरिकों की शीघ्र वापसी की मांग की है। भारत ने यह भी मांग की है कि रूसी सेना द्वारा ''भारतीय नागरिकों की आगे किसी भी भर्ती पर रोक लगायी जाए'' तथा ऐसी गतिविधियां ''हमारी साझेदारी के अनुरूप'' नहीं होंगी। जून मध्य तक रूसी सेना के साथ सहायक के रूप में काम करने वाले कुल 10 भारतीयों को मुक्त कर दिया गया है और भारत वापस भेज दिया गया। विदेश मंत्री जयशंकर ने लावरोव के साथ वैश्विक सामरिक परिदृश्य पर भी चर्चा की। जयशंकर ने कजाखस्तान की राजधानी में पुश्किन पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ भारतीय समुदाय के सदस्य तथा भारत के मित्र भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने का मकसद

मेघालय में शुरू हुआ भारत और मंगोलिया का संयुक्त युद्धभ्यास

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत और मंगोलिया की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमेडिक एलिफेंट' का 16वां संस्करण आज मेघालय के उमरोई में शुरू हुआ। 16 जुलाई तक चलने वाले इस अभ्यास का उद्देश्य अर्ध-शहरी या पहाड़ी क्षेत्रों में तत्काल कार्रवाई के लिए संयुक्त सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना है।

मेजर जनरल प्रसन्ना जोशी ने अभ्यास समारोह में भाग लिया

सिक्किम स्काउट्स' की एक बटालियन के 45 कर्मियों के साथ-साथ अन्य हथियारों और सेवाओं के कर्मियों द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया, भारतीय दल 150 त्वरित प्रतिक्रिया बल बटालियन के मंगोलियाई समकक्ष के साथ हाथ मिलाता है। दोनों सेनाओं के बीच आखिरी अभ्यास जुलाई 2023 में आयोजित किया गया था। भारत में मंगोलिया के राजदूत महामहिम डंबजाविन गैनबोल्ड और भारतीय सेना के 51 सब एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल प्रसन्ना जोशी ने 'नोमैडिक एलीफेंट' नामक अभ्यास के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। केंद्रीय रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि अभ्यास अर्ध-शहरी और पहाड़ी इलाकों में संचालन पर ध्यान केंद्रित करेगा।

ग्लोबल टेंडर जारी करने की तैयारी

भारत के मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट प्रोग्राम को जल्द लग सकते हैं पंख!

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत के मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (एमआरएफए) प्रोग्राम के लिए जल्द ही अच्छी खबर सामने आ सकती है। राफेल फाइटर जेट बनाने वाली फ्रांस की विमान निर्माता कंपनी दसॉ एविएशन ने उत्तर प्रदेश में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) सुविधा स्थापित करने के लिए भारत सरकार से अनुमति मांगी है। कंपनी ने इसके भूमि अधिग्रहण के लिए आवेदन भी कर दिया है। वहीं, जेवर हवाई अड्डे के पास जो एमआरओ सुविधा बनाई जाएगी, उसमें भारत के मिराज 2000 और राफेल लड़ाकू जेट विमानों के बेड़ों की मेंटेनेंस होगी।

सरकार ला सकती है नई पॉलिसी

रक्षा सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार के पास लंबे समय से पांचवी पीढ़ी के ट्विन इंजन 114 मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (एमआरएफए) खरीदने का प्रस्ताव लंबित पड़ा हुआ है। वहीं कई निर्माताओं से सौदे को लेकर बात बन नही पा रही थी। अलग-अलग कंपनियों से टुकड़ों-टुकड़ों में जहाज खरीद के सौदों से आजिज आ चुकी सरकार नई नीति बनाने की तैयारी कर रही है।

राफेल का इंजन भारत में बनेगा

फ्रांस की मैक्रों सरकार और दसॉ ने भारतीय वायुसेना की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थानीय स्तर पर खरीदे गए पाट्र्स के साथ "मेक इन इंडिया" के तहत भारत में राफेल लड़ाकू विमानों का निर्माण करने की लिखित पेशकश की है। इंजन निर्माता सफरॉन एसए हैदराबाद में राफेल लड़ाकू विमानों के इंजन की मरम्मत के लिए भी एक एमआरओ सुविधा बना रही है, जो 2025 तक बन कर तैयार हो जाएगी। सफरॉन के मुताबिक अगर भारतीय वायुसेना के लिए राफेल फाइटर जेट का ऑर्डर आता है, तो वह भारत में एम-88 इंजन बनाने के लिए तैयार है।

स्पेसक्रॉफ्ट में तकनीकी खराबी से वापसी नहीं

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स, स्पेस में रुकना हो सकता है खतरनाक

एजेंसी ⏭ न्यूयॉर्क

सुनीता विलियम्स लंबे समय से अपने साथी बैरी विल्मोर के साथ अंतरिक्ष में फंस गई हैं।

शुरुआत में उनका मिशन महज 8 दिनों का था, लेकिन स्पेसक्रॉफ्ट में तकनीकी खामी की वजह से अभी तक वह अंतरिक्ष से वापस नहीं आ सकी हैं। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की बोइंग स्टारलाइनर की पहली उड़ान के साथ 5 जून को यह यात्रा शुरु हुई थी।

लेकिन स्टारलाइनर में हीलियम लीक और थ्रस्टर में खराबी की वजह से वापसी का मिशन रोकना पड़ा। सुनीता विलियम्स अपने साथी के साथ इस समय इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में सुरक्षित हैं, लेकिन उनके लिए ज्यादा दिन स्पेस में रुकना खतरनाक साबित हो सकता है।

माइक्रोग्रैविटी और रेडिएशन का खतरा बड़ी चुनौती

अंतरिक्ष यात्री जब स्पेस में जाते हैं तो वहां का वातावरण धरती से बिलकुल अलग है, तमाम सुरक्षा उपकरणों के बावजूद ज्यादा दिन तक स्पेस में नहीं रहा जा सकता है। क्योंकि स्पेस में माइक्रोग्रैविटी और रेडिएशन का खतरा मानव स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बनकर सामने आते हैं। स्पेस स्टेशन पर लंबे समय तक रुकना खतरनाक साबित हो सकता है, क्योंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण नहीं होता है।

अंतरिक्ष में हड्डियां हो जाती हैं कमजोर

अंतरिक्ष यात्रियों के पृथ्वी पर लौटने के बाद इसका गंभीर असर दिखाई पड़ता है। कई बार स्पेस यात्री जमीन पर खड़े नहीं हो पाते हैं या उनको बेहोशी आने लगती है। माइक्रोग्रैविटी का मांसपेशियों पर भी गंभीर असर पड़ता है, इसकी वजह से अंतरिक्ष यात्रियों की मांशपेशियां पैरों और पीठ में विशेष तौर पर कमजोर हो जाती हैं। इसकी वजह से हड्डियों को भी नुकसान पहुंचता है। विशेष रूप से रीढ़ और श्रोणि जैसी वजन उठाने वाली हड्डियां कमजोर हो जाती हैं।

ब्रिटेन में आम चुनाव के लिए आज मतदान, कंजर्वेटिव और लेबर पार्टी में टक्कर

यूके में जारी रहेगा भारतवंशी का राज या बदलेगा रिवाज

ऋषि सुनक, कीर स्टर्मर और फरेज के बीच होगा मुकाबला

एजेंसी ⏭ लंदन

ब्रिटेन में आज (4 जुलाई) को आम चुनाव के लिए मतदान होना है। आम चुनाव में सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी और विपक्षी लेबर पार्टी में टक्कर है।

हालांकि चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में लेबर पार्टी को बहुमत मिलने का दावा किया जा रहा है। कंजर्वेटिव पार्टी का नेतृत्व ऋषि सुनक और लेबर पार्टी का नेतृत्व कीर स्टर्मर कर रहे हैं। तो आइए जानते हैं कि ब्रिटेन में होने वाले आम चुनाव में किन बड़े चेहरों पर पूरी दुनिया की निगाहें होंगी।

कीर स्टर्मर

लेबर पार्टी के नेता कीर स्टर्मर एक पूर्व मानवाधिकार वकील और मुख्य जन अभियोजक रह चुके हैं। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में लेबर पार्टी को बहुमत मिलने का दावा किया गया है। ऐसे में बहुत संभावना है कि ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री कीर स्टर्मर बन सकते हैं।

ऋषि सुनक

कंजर्वेटिव पार्टी के नेता ऋषि सुनक एक बार फिर देश का पीएम बनने की रेस में हैं। हालांकि सर्वे में बताया गया है कि इस बार उनकी राह बेहद मुश्किल है। अक्तूबर 2022 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने भारतीय मूल के ऋषि सुनक ब्रिटेन में बढ़ती महंगाई पर काबू करने का दावा

निगेल फरेज

यूरोपीय संसद के पूर्व सांसद 60 वर्षीय निगेल फरेज को ब्रिटेन की राजनीति के सबसे विभाजनकारी नेताओं में गिना जाता है। 2016 में ब्रिटेन के अधिकांश लोगों को यूरोपीय संघ छोड़ने के लिए वोट देने के लिए राजी करने में मदद करने के बाद उन्हें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिस्टर ब्रेग्जिट उपनाम मिला। कल के चुनाव में वह आठवीं बार सांसद बनने की कोशिश कर रहे हैं। वे कट्टर दक्षिणपंथी रिफॉर्म यूके पार्टी के प्रमुख हैं। कई सर्वेक्षणों में दावा किया जा रहा है कि रिफॉर्म यूके पार्टी कई प्रमुख सीटों पर कंजर्वेटिव पार्टी को नुकसान पहुंचा सकती है। फरेज पर नस्लवादी और समलैंगिक विरोधी बयान देने के भी आरोप लगते रहे हैं।

100 से अधिक भारतीय सांसद लड़ रहे चुनाव

जिस देश ने 200 साल तक दुनिया भर में राज किया था। आज वहीं ब्रिटेन की संसद में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। जानकारी के लिए बता दें कि ऋषि सुनक समेत भारतीय मूल के कुल 107 उम्मीदवार आम चुनाव लड़ने जा रहे हैं। संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में कुल 15 भारतीय सांसद हैं। वहीं, इस बार कंजरवेटिव पार्टी के 30 ब्रिटिश भारतीय प्रत्याशी आम चुनाव लड़ने जा रहे हैं। इसमें 23 नए चेहरे है। वहीं, लेबर पार्टी के 33 ब्रिटिश भारतीय प्रत्याशी है, जिसमें 26 नये चेहरों को मौका दिया गया है।

राहुल ने दी योजना बंद करने धमकी, मारपीट

पीड़ित परिवहन कर्ता ने कलेक्टर से की शिकायत

जबलपुर। अन्नदूत योजना के तहत कार्य करने वाले युवक को पर अन्य युवक द्वारा लगातार योजना बन्द करने धमकी और मारपीट की जा रही है, जिससे परेशान होकर परिवहन कर्ता ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर जल्दी ही कार्यवाही करने की मांग की है। पीड़ित संदीप गुप्ता ने बताया कि वह अन्नदूत योजना ग्रामीण बरेला का सेक्टर 1 का परिवहनकर्ता है। जब से उसको सरकार द्वारा टेंडर मिला है, तब से रोजाना राहुल चंदवानी बंटी द्वारा अन्नदूत की रास्तों में गाडी रोककर धमकी देता है। राहुल चंदवानी का कहना है कि जिस मुख्यमंत्री अन्नदूत योजना से काम करते हो, देखते हैं कैसे चलती है यह योजना। संदीप गुप्ता ने बताया कि राहल चांदवानी द्वारा ऐसी धमकियों से कार्य नहीं कर पा रहे हैं। जिससे हमारी जान को भी खतरा बना रहता है। परिवहन कर्ता मनीष पटेल सहित संदीप गुप्ता ने शिकायत देते हुए मांग की है कि अगर 48 घंटे में राहुल चांदवानी पर कार्यवाही नहीं हुई तो गई सभी परिवहन वाले काम नहीं करेंगे और अन्नदूत परिवहन कर्ता धरने पर बैठेंगे।

भूगोल विषय के संबंध में दी आवश्यक जानकारी

कमिश्नर ने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का किया ज्ञानवर्धन

जबलपुर।

कमिश्नर अभय वर्मा ने मॉडल स्कूल में संचालति ज्ञानाश्रय कोचिंग में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को भूगोल विषय के संबंध में आवश्यक जानकारी देते हुये कहा है कि भारतीय कृषि मानसून पर आधारित है। उन्होंने कहा कि अच्छे मानसून के लिए ठण्ड़ी हवा की आवश्यकता होती है। इस स्थिति को ला-नीनो कहते है। जिससे भारत में अच्छी वर्षा होती है। यह स्थिति एक साल से तीन साल में देखने को मिलती है। भारत में मानसून सर्वप्रथम लगभग एक जून को केरल से प्रवेश करके 15 जुलाई तक राजस्थान के जैसलमेर तक पहुँच जाता है। फिर एक सितम्बर को जैसलमेर से वापस एक दिसंबर तक तमिलनाडु होते हुए वापस चला जाता है। कमिश्नर वर्मा ने जलवायु, मौसम, जेट स्ट्रीम, पश्चिमी विक्षोभ, चक्रवात, आईटीसीजेड उष्मा अवधारणा, अल-नीनों, ला-नीनों, समुद्री हवा, भूमि पर हवा, कोरियोलिस बल, बसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत, शिशीर ऋतु आदि पर विस्तार से चर्चा की। क्लास के अंत में अभ्यर्थी द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब संक्षेप में देकर संतुष्ट किए।

श्री हरि विट्ठल चक्रीय आरती हरिनाम संकीर्तन संपन्न

जबलपुर। 16 जुलाई आषाढ़ी एकादशी को प्रति वर्ष अनुसार होने वाली प्रसिद्ध वारी यात्रा के क्रम में चक्रिय आरती व हरिनाम संकीर्तन यात्रा के पांचवें दिन दुर्गा मंदिर न्यू शास्त्री नगर से शास्त्री नगर गणेश मंदिर संपन्न हुई। इस अवसर पर श्री क्षेत्र पंढरपुर से पधारी भगवान विट्ठल रखुमाई जी का श्री विग्रह एवम् संत ज्ञानेश्वर जी महाराज की पादुका पूजन, महाआरती, गणेश मंदिर शास्त्री नगर में संपन्न हुई। चक्रीय आरती विठ्ठल पूजन में संजीव आंवले, प्रवीण विप्रदास, संतोष गोडबोले, अंनत फड़के, योगेश भाके, प्रवीण मजूमदार, निशिकांत, राजेश तोपखाने वाले, मनीष नाजवाले, किशोर कलमकर, भास्कर वर्तक, विध्येश भापकर, अनूप, प्राजक्ता विप्रदास, प्रांजलि, जया पागे, अनिता, प्रियंका दुबे सहित बड़ी संख्या में वारकरी भक्त उपस्थित रहे। आज चक्रीय आरती हरिनाम संकीर्तन संकटमोचन मंदिर कछपुरा ब्रिज में सायं काल 6 बजे से आयोजित हैं।

राहुल गांधी के हिन्दू विरोधी बयान पर हिन्दू समाज आक्रोशित

विरोध स्वरूप राहुल गांधी का पुतला दहन किया

जबलपुर। संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के द्वारा बोले गए हिंदू विरोधी बयान (हिन्दू हिंसा करता है, नफरत फैलाता है एवं असत्य और झूठ बोलता है) से सारा हिंदू समाज आहत है। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल उक्त बयान का कड़ा विरोध करते हुए जबलपुर विभाग अंतर्गत मां नर्मदा जिले के मालवीय चौक पर प्रदर्शन एवं राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। इस आयोजन में प्रांत से सह गौरक्षा प्रमुख संजय तिवारी, विभाग मंत्री पंकज श्रीवत्री, सहमंत्री यतेंद्र उपाध्याय, सहसंयोजक विकल्प खटीक, अजय चौरसिया, जिला मंत्री राकेश कुमार सिंह, सह मंत्री विशाल नामदेव, रवि ठाकुर, सहसंयोजक गौरव सोनकर, अमित शर्मा, राहुल बाकले, विपिन बर्मन, रत्नेश सिंह, लकी सोनकर, राज अहिरवार, राजू झरिया, अनुज केसरवानी, उज्जवल सिंह, कोमल लोधी एवं प्रांत एवं विभाग से प्रखंड अध्यक्ष संजय गौतम, अजय जायसवाल एवं सभी प्रखंडों के मंत्री संयोजक आयुष दुबे, श्रीधर सोनी, अभिषेक सोनकर, विशाल लोधी, जित्तू लोधी एवं सभी सम्माननीय कार्यकर्ता बन्धु उपस्थित हुए।

लोडिंग ऑटो चालको ने पुलिस को बताई अपनी आपबीती

जबलपुर। मदन महल चौराहे पर वर्षों से खड़े होकर अपनी रोजी रोटी कमा रहे लोडिंग ऑटो चालकों को वहां से हटाने की कार्रवाई पर गुस्साए ऑटो चालक सीधे मदन महल थाना पहुंच गए। लगभग 2 दर्जन ऑटो चालकों ने पुलिस प्रशासन द्वारा की जा रही, कार्रवाई के खिलाफ आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि हम लोगों को जीने खाने दो साहब परेशान मत करो, थाना पहुंचे पीड़ित ऑटो चालकों से थाना प्रभारी की मुलाकात नहीं हो पाने से सभी चालक फिलहाल चले गए जो कि शाम को पुनः मदन महल थाना पहुंचेग और फिर अपनी आप बीती समस्त ऑटो चालकों ने थाना प्रभारी को बताई।

हवाबाग महाविद्यालय में दीक्षारंभ समापन समारोह का हुआ आयोजन

जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार हवाबाग़ महाविद्यालय जबलपुर में (नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु अभिप्रेरण कार्यक्रम सत्र 2024-25) के अंतर्गत आयोजित दीक्षारंभ समारोह के तृतीय दिवस दिनांक 3 जुलाई 2024 को विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्रबंधक लक्ष्मी छाया सिलास, प्राचार्य डॉ. शहवार सैयद एवं वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. आलोक चंसोरिया की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रथम चरण में संवेदीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत संवैधानिक मौलिक कर्तव्यों विषय पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. भारती शुक्ला ने छात्रों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। साइबर और बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर अभिनव साईंखेड़कर द्वारा जानकारी दी गयी। सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सेवा अभिविन्यास विषय पर महाविद्यालय की एन.एस.एस. अधिकारी डॉ. जयश्री दीक्षित एवं मोहम्मद हसनैन बेग द्वारा महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास एवं समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थीयों के व्यक्तित्व विकास पर प्रकाश डाला गया। क्रीड़ा अधिकारी महेंद्र श्रीवास्तव द्वारा खेल एवं फिटनेस के महत्व को समझाया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में कु. रूचि केशरवानी द्वारा टैलेंट हंट एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में डॉ. हिमानी उपाध्याय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। दीक्षारम्भ समारोह के तृतीय दिवस के कार्यक्रम का मंच संचालन मोहम्मद हसनैन बेग द्वारा किया गया। इस अवसर पर समिति सदस्य डॉ. जयश्री दीक्षित, डॉ. कंचन सहगल, डॉ. कविता शर्मा श्रोती, अभिनव सांयखेड़कर, महेन्द्र श्रीवास्तव, सुश्री रूचि केसरवानी, डॉ. अनीता भराडे, मोहम्मद हसनैन बेग के सहयोग से संपन्न हुआ।

उर्स का आगाज, संदल जुलूस आज

जबलपुर। उपरैनगंज स्थित हजरत चांद शाह वली रहमतुल्ला अलैह के दो दिवसीय उर्स शरीफ का आगाज मंगलवार सांय बाद नमाज मगरिब क़ुरान ख्वानी के साथ हुआ। जिसके बाद मजार शरीफ पर गुल पोशी की गई तथा नजरों न्याज़ के उपरांत लंगर तक़सीम किया गया। इस दौरान अब्दुल वाजिद खान, मोहम्मद ताहिर खान, मो. रिज़वान खान, आशीष उसरेठे सहित सैकड़ों अकीदतमंद मौजूद रहे। बुधवार को दोपहर 3 बजे मौलाना की गली स्थित मरहूम वली मोहम्मद खान के निवास से संदल जुलूस निकाला गया, जो प्रमुख मार्गो से गस्त करते हुए मजार शरीफ पहुंचा जहाँ परंपरानुसार मजार शरीफ चादर व गुल पोशी की गई। नजरों न्याज़ पेश करने के बाद लंगर तक़सीम किया गया। रात्रि में राजनितिक, प्रशासनिक, समाजसेवी लोगों का सम्मान किया गया। जिसके बाद 10 बजे महफिले मिलाद शरीफ का एहतेमाम किया गया।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. शरद यादव की मूर्ति ललित उद्यान में होगी स्थापित

महापौर एवं ननि अध्यक्ष ने की घोषणा

जबलपुर।

समाजवादी नेता मंडल मसीहा पूर्व केन्द्रीय मंत्री उत्कृष्ट सांसद स्व. शरद यादव की 01 जुलाई 2024 को जन्म जयंती का आयोजन समाजवादी शरद यादव विचार मंच जबलपुर के पदाधिकारियों ने ललित उद्यान डॉ. अम्बेडकर चौक में किया। सर्वप्रथम शरद यादव के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजली अर्पित की। तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित हुए महापौर जगत बहादुर सिंह (अन्नू), नगर निगम अध्यक्ष रिन्कू विज ने पुष्पांजली अर्पित कते हुए स्व. शरद यादव की प्रतिमा स्थापित करने घोषणा नगर निगम द्वारा ललित उद्यान तहसील चौक जबलपुर में किये जाने की घोषणा की। शरद यादव विचार मंच के पदाधिकारी बैजनाथ कुशवाहा, रामरतन यादव, घनश्याम यादव, वृंदावन वर्मा, किशोरी लाल भलावी, व्यज झारिया, अरविंद पैगवार, सोनी मास्टर ने महापौर को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में दिनेश यादव, राधेश्याम अग्रवाल, सौरव शर्मा, काशीनाथ शर्मा, भारत सिंह यादव, सुधीर शर्मा, प्रदीप यादव, दिशा इनवाती, नोखे लाल प्रजा, घनश्याम चकवर्ती, एड. अनुराग सिंह, सुभाष यादव, शशांक यादव, अशोक यादव, आदि उपस्थित होकर पुष्पांजली अर्पित की।

जबलपुर के समर्थ बने स्टेट चैम्पियन

जबलपुर। जबलपुर में विगत दिवस राज्य स्तरीय ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन जिला बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में किया गया। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के लगभग 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जबलपुर के समर्थ तिवारी ने कड़ी टक्कर देते हुए अंडर 19 मिमा डबल में विजेता एवं अंडर 17 आयु वर्ग डबल में उपविजेता घोषित हुए। समर्थ श्रीमती सुषमा तिवारी एवं एलएल तिवारी के सुपुत्र हैं।

नया स्कूल बैग पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे

बरेला। मयूर मेमोरियल ट्रस्ट ने आज सरकारी प्राथमिक विद्यालय ब्योहारी चौक के बच्चों के प्रति एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा का अवसर मिलेगा। इस पहल के अंतर्गत ट्रस्ट ने स्वर्गीय श्रीमती उर्मिला सिंह गौर के परिवार की ओर से आर्थिक रूप से कमजोर 100 बच्चों को स्कूल बैग वितरित किए। कार्यक्रम में ट्रस्ट की सदस्य सारिका सिंह ने बताया कि इस विद्यालय के छात्रों को बैग वितरित मुख्य उद्देश्य शिक्षा के स्तर को सुधारना और बच्चों को प्रोत्साहित करना है। इस पहल से ब्योहारी क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा, जो उनके भविष्य को उज्जवल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही, मयूर मेमोरियल ने पूर्व में भी कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, जिसमें "प्रतिभा सम्मान प्रतिभा खोज प्रतियोगिता" प्रमुख आयोजन है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से ट्रस्ट ने होनहार बच्चों को प्रोत्साहित किया और उनकी प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक गोविंद बिसेन ने कहा, "हमारा उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। हम चाहते हैं कि हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार मिले और वे अपने सपनों को साकार कर सकें।" इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में नगर पालिका बरेला के अध्यक्ष प्रतीक दुबे, सागर सिंह गौर संस्था के सदस्य आशा जायसवाल, ज्योति गौंटिया, शिखा सिंह गौर, विनीता कुशवाह, शालिनी झारिया, मंजू शाह, दीपा ठाकुर, नवमिता ठाकुर, विद्यालय के शिक्षक नरेन्द्र सिंह, निधि जैन, मिश्रा मैडम और क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय समुदाय के सदस्य भी उपस्थित थे, जिन्होंने ट्रस्ट के इस प्रयास की सराहना की और इसे क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। मयूर मेमोरियल ट्रस्ट आगे भी समाज के हित में ऐसे कार्य करता रहेगा और बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

मयूर मेमोरियल ट्रस्ट का उत्कृष्ट कार्य

नाम सुधार

मैं, श्रीमति सुनीता देवी उम्र 51 वर्ष पति स्व. आर्मी नंबर 6931711H रेंक EX-L/NK नाम ब्रजेश कुमार निवासी गौर तिराहा, सालीवाड़ा, पोस्ट आफिस - आर एफ आर सी मंडला रोड जबलपुर मप्र की स्थाई निवासी हूँ। यह कि मेरे स्व. पति के आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरी पुत्री का नाम त्रुटिवश PRITEE GUPTA दर्ज हो गया है जो कि गलत व असत्य है जबकि मेरी पुत्री का सही व सत्य नाम PREETI GUPTA है जो कि मेरी पुत्री के आधार कार्ड क्रमांक 8006 4719 4278 व कक्षा 10 की अंकसूची में दर्ज है। यह कि मेरी पुत्री का सही व सत्य नाम PREETI GUPTA मेरे स्व. पति के आर्मी रिकार्ड में दर्ज करे। शपथ पत्र दिनांक 03/07/2024 समक्ष पब्लिक नोटरी महोदय जबलपुर मप्र।
सत्य नाम-PREETI GUPTA
असत्य नाम-PRITEE GUPTA

नाम सुधार सूचना

मैं अनुभव अग्रवाल पिता श्री दीपक कुमार अग्रवाल आयु लगभग 40 वर्ष पता-मकान न 353 सदर कैंट जबलपुर म. प्र. शपथपूर्वक कथन करता हू कि मेरे समस्त दस्तावेजो में मेरा नाम अनुभव अग्रवाल दर्ज है किन्तु मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम अनुभव कुमार अग्रवाल लिखा है। मेरा सही व वास्तविक नाम अनुभव अग्रवाल पिता श्री दीपक कुमार अग्रवाल है। मेरा नाम अनुभव अग्रवाल ही पढ़ा लिखा जावे।
सही नाम-अनुभव अग्रवाल
गलत नाम - अनुभव कुमार अग्रवाल

CHANGE OF NAME

I, SANDHYA (existing name of spouse as per NOK) is legally wedded spouse of ARMY NO. 15775795Y RANK BHM(OCC) NAME KAMLESH KUMAR MATHUR residing at VILL-NEW KANCHANPUR, PO-ADHARTAL, TEH- JABALPUR, DISTT-JABALPUR(MADHYA PRADESH 482004 I have changed of my name from SANDHYA (name as per my Husband army service records) to SANDHYA MATHUR (name as per my AADHAR CARD AND PAN CARD, Affidavit dated 03.07.2024 by Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT (Name and place of Court).
CORRECT NAME-SANDHYA MATHUR
INCORRECT NAME-SANDHYA

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH

I, ARMY NO. 15739859N RANK SIGMN NAME JAIN PETER S/O PETER TJ UNIT SIGNALS RECORDS, JABALPUR (MP) I, have changed name and date of birth of my MOTHER, from name JESSY and date of birth 12/04/1969 (name and date of birth as per my Army service records to name JESSY PAPPACHAN and date of birth 24/07/1969 (name and date of birth as per my MOTHER, AADHAR CARD vide affidavit dated 03/07/2024 (date of affidavit) formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (Name and place of Court).
CORRECT NAME
JESSY PAPPACHAN
INCORRECT NAME-JESSY
CORRECT DATE OF BIRTH-24/07/1969
INCORRECT DATE OF BIRTH-12/04/1969

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2024/25/एम/69
दिनांक:- 03/07/2024

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री हरीश मनानी पिता श्री तुलसीदास मनानी (2) श्रीमती रूपाली मनानी (3) श्री भरत मनानी (4) श्रीमती नैना बजाज ने मकान नं. 639/1-A वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती क्षेत्रफल 1630 व.फु., भूतल 1285 व.फ़ु., प्रथमतल 1285 व.फ़ु, द्वितीयतल 1285 व.फु विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

CHANGE OF NAME

I, ARMY NO. JC-806262N RANK SUB NAME SRI VIJAY KANOJIYA S/O SHRI PARASRAM KANOJIYA UNIT HQ MB AREA, JABALPUR (MP) I, have changed of my SON, from SWAYM KANOJIYA (name as per my Army service records to SWAYAM KANOJIYA (name and as per my SON, AADHAR CARD AND EDUCATIONAL DOCUMENTS vide affidavit dated 03/07/2024 (date of affidavit) formerly before Public Notary RAMDAS SHARMA MP HIGH COURT, JABALPUR (Name and place of Court).
CORRECT NAME-SWAYAM KANOJIYA
INCORRECT NAME-SWAYM KANOJIYA

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/203/अ-6/2024-25
आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक कासिमुद्दीन कुरैशी/ अजीमुद्दीन कुरैशी नि.-15/20 मिशन कम्पाउन्ड एम.पी.ई.बी. ऑफिस के बाजू में ने नजूल ब्लाक नं.- प्लाट नं.- निर्मित रकवा/ रकवा-2706.06 व.फु./ अवि. हिस्सा- /ग्राम-सिविल स्टेशन प.ह.नं.- खसरा नं.- रकवा-2706.06 व.फु./ हे. विक्रय पत्र/ हक त्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक- मृत्यु दिनांक-16/02/2019, 25/07/2016 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र- खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।

प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं.- प्लाट नं. - निर्मित रकवा/ रकवा-2706.06 व.फु./ अवि. हिस्सा- / ग्राम -सिविल स्टेशन प.ह.नं.- खसरा नं.- रकवा-2706.06 व.फु./ हे. फार्म गोल्डन इन्टर प्राइजेस सिविक सेंटर मढ़ाताल के नाम दर्ज है।

अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 05/07/2024 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 28/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक-28/05/2024
पेशी दिनांक-05/07/2024
मुद्रा
तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

In The Court Of VI Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur
Presiding Officer: जितेन्द्र रावत
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु) (UN CIV/0000002/2021)
संदीप कुमार विश्नोई............................वादी
Vs
गीतिका अपार्टमेंट वेलफेयर सोसायटी द्वारा अध्यक्ष आनंद्र गुप्ता...............................प्रतिवादी
Process Id-/2024 पेशी दिनांक:24/07/2024
प्रेषिती-(1) दिलीप कुमार चौहान पिता स्व एन आर चौहान पता- पता फ्लैट नं. ६ गीतीका अपार्टमेंट गेट नं. ४ मदन महल थाना मदन महल जबलपुर म.प्र.

यह कि प्रार्थी संदीप कुमार विश्नोई ने आपके विरूद्ध यूएन सीआईवी के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 31 May 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया
मुद्रा
न्यायाधीश
(जितेन्द्र रावत)
षष्टम सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ खण्ड) जबलपुर (म.प्र.)
कृपया ध्यान दे:-1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

बीपीसीएल ने पेरिस 2024 से लॉस एंजिल्स 2028 तक प्रमुख प्रायोजक के रूप में भारतीय ओलंपिक संघ के साथ की साझेदारी

मुंबई। भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड एक महारत्न और फॉरच्यून ग्लोबल 500 कंपनी है जिसने पेरिस ओलंपिक '2024' से लेकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक '28' तक चार साल के लिए आधिकारिक प्रमुख भागीदार के रूप में भारतीय ओलंपिक संघ के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। यह चार वर्षीय साझेदारी भारतीय एथलीटों के दृढ़ संकल्प और दृढ़ता का समर्थन करती है तथा उनका सम्मान करती है, इनमें से कई एथलीट साधारण पृष्ठभूमि और भारत के कोने-कोने से आते हैं। इस साझेदारी के तहत, बीपीसीएल, पेरिस जाने वाले भारतीय दल को प्रोत्साहित करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए कई अभियान शुरू करेगा। इन पहलों का उद्देश्य राष्ट्र को गर्वित करना, हमारे एथलीटों के लिए समर्थन जुटाना और वैश्विक मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनके अथक प्रयास का उत्सव मनाना है। इस अभियान के माध्यम से, बीपीसीएल खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय गौरव व एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए अपने समर्पण की पुष्टि करता है। बीपीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जी. कृष्णकुमार ने कहा, "देश की खेल प्रतिभाओं को उनके शुरुआती वर्षों से लेकर उनके खेल करियर के दौरान पोषित करने और प्रोत्साहित करने के बीपीसीएल के दर्शन के अनुरूप, हमने पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न खेलों में 200 से अधिक खिलाड़ियों को शामिल किया है। हमारा समर्थन खिलाड़ियों को आत्मविश्वास प्रदान करता है और उनकी आकांक्षाओं के लिए एक स्प्रिंगबोर्ड के रूप में कार्य करता है। हम भारतीय ओलंपिक संघ के साथ साझेदारी करके बेहद खुश हैं और हमें ऐसे चैंपियनों के साथ जुड़कर बहुत ही गर्व महसूस हो रहा है, जो सर्वोच्च प्रदर्शन और तीव्र जुनून के प्रतीक हैं, तथा जिन्होंने अपनी अद्भुत उपलब्धियों से दुनिया को चकित कर दिया है।" ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, "हम भारतीय ओलंपिक संघ के साथ साझेदारी करने, पेरिस ओलंपिक '24' से शुरू होने वाले चार साल के सफर के लिए एक प्रमुख भागीदार के रूप में और भारतीय एथलीटों की क्षमता का समर्थन करने और उन पर विश्वास करने के लिए बीपीसीएल को धन्यवाद देते हैं। यह साझेदारी खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और भारत के लिए रोल मॉडल तैयार करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।'' आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के प्रबंध निदेशक नीरव तोमर ने कहा, "आईओए और बीपीसीएल के बीच इस महत्वपूर्ण साझेदारी में भूमिका निभाकर हम गौरव महसूस कर रहे हैं। यह दीर्घकालिक सहयोग देश के सभी कोनों से भारतीय एथलीटों का समर्थन करने और उनका सम्मान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। बीपीसीएल के अभियान पेरिस जाने वाले हमारे एथलीटों के लिए सभी भारतीयों का समर्थन जुटाएंगे और लॉस एंजिल्स 2028 के लिए लक्ष्य रखने वाले एथलीटों के अगले समूह को भी प्रेरित करेंगे।"

रियलमी का सी63 लॉन्च

जबलपुर। स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने अपनी चैंपियन सीरीज़ में सबसे नया स्मार्टफोन रियलमी सी63 पेश किया। रियलमी सी63 एक बजट-फ्रेंडली स्मार्टफोन है जो अपने सेगमेंट में एकमात्र वेगन लैदर डिज़ाईन के साथ स्टाईल और ड्यूरेबिलिटी प्रदान करता है। रियलमी सी63 में 45वॉट का फास्टचार्जर दिया गया है जो इसे बहुत तेजी से चार्ज कर देता है साथ ही इसकी 5,000एमएएच की बैटरी भारी उपयोग के बाद भी पूरे दिन पर्याप्त पॉवर प्रदान करती है रियलमी सी63 में फ्लैगशिप लेवल के एआई अनुभव और इनोवेटिव फीचर्स जैसे एयर गेस्चर, रेनवॉटर स्मार्ट टच और इसका अत्यधिक लोकप्रिय मिनी कैप्सूल 2.0 फीचर दिए गए हैं। इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा हम अपनी चैंपियन सीरीज़ में नया स्मार्टफोन, रियलमी सी63 पेश करके उत्साहित हैं रियलमी में हम ऐसी इनोवेटिव टेक्नोलॉजी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारे युवा ग्राहकों की जरूरतों और अपेक्षाओं को पूरा कर सके।

सिल्वर कंज्यूमर का एक नए दौर में प्रवेश

जबलपुर। सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी जो कि कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स उद्योग में नवाचार और उत्कृष्टता का प्रतीक है, सफलता और विस्तार के एक नए दौर में प्रवेश कर रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक विनीत बेड़िया के गतिशील नेतृत्व में, सिल्वर ने अभूतपूर्व वृद्धि और आमूलचूल परिवर्तन देखा है। 27 अगस्त, 1981 को स्थापित सिल्वर ने शुरुआत में 2018 तक आवासीय और कृषि पंप बनाए। 2019 में विनीत बेड़िया ने कार्यभार संभाला और सिल्वर को सबसे तेजी से बढ़ने वाली उपभोक्ता इलेक्ट्रिकल कंपनियों में से एक के रूप में स्थापित किया। आज सिल्वर कंपनी पंप, मोटर, पंखे, अप्लायंसेज, कृषि उपकरण, लाइटिंग और अन्य इलेक्ट्रिकल उत्पादों सहित 10,000 से अधिक उत्पादों के साथ अनुसंधान और नवाचार को प्राथमिकता देते हुए उत्पादन कर रहा है। सिल्वर का उत्पादन संयंत्र पूरी तरह से बैकवर्ड इंटीग्रेटेड है, जिससे चीन और बाहरी देशों पर निर्भरता को समाप्त करने में सफलता मिली है, और इस संयंत्र में अगली पीढ़ी के उत्पादों के विकास और निर्माण की क्षमता वाली अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाएं हैं।

काम के लिए तरसे कई आईपीएस अफसर, पीएचक्यू में बैठे, कई लगा रहे केवल हाजिरी

एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसपी रैंक के अफसर हैं खाली

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

पुलिस विभाग में इन दिनों दो तस्वीरें दिख रही हैं। एक तस्वीर ऐसी है जहां कुछ अधिकारियों-कर्मचारियों के पास इतना काम है कि वे दिन रात काम के बोझ से दबे हुए हैं, उन्हें सिर उठाने की भी फुरसत नहीं है। इसके उलट दूसरी तरफ पुलिस मुख्यालय में कई वरिष्ठ और काबिल अफसर दफ्तर में बैठे अपना समय काट रहे हैं, उनके पास कोई काम नहीं है। कई ऐसे हैं जो केवल हाजिरी लगाने ही मुख्यालय पहुंचते हैं।

ऐसे अफसरों में एडीजी से लेकर एसपी रैंक तक के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी हैं। खास बात ये है कि इनमें से कुछ अधिकारी पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में प्रभावी भूमिका में थे, लेकिन राज्य में सरकार बदलने के बाद से हाशिए पर हैं। पुलिस में सभी प्रमुख पदों पर अधिकारियों की पोस्टिंग जाहिर है सरकार की पसंद या उनकी कार्यक्षमता के आकलन के हिसाब से होती है। ये अलग बात है कि किस अधिकारी के कामकाज का किस सरकार में किस प्रकार मूल्यांकन या आकलन किया जाता है। बहरहाल छत्तीसगढ़ में पिछले साल 2023 में सरकार बदलने के बाद से कई अफसरों को फील्ड से हटाकर पुलिस मुख्यालय में भेजा गया है, वे वहीं पदस्थ है, लेकिन उन्हें अब तक कोई महत्वपूर्ण दायित्व नहीं मिल पाया है। इन अधिकारियों को उनकी वरिष्ठता एवं अनुभव के आधार पर महत्वपूर्ण दायित्व मिलने का इंतजार है।

दीपांशु पुलिस मुख्यालय में पदस्थ

पुलिस मुख्यालय के सूत्रों के अनुसार जिन वरिष्ठ अधिकारियों को सरकार ने अब तक कोई महत्वपूर्ण दायित्व नहीं दिया है और वे पुलिस मुख्यालय में ही पदस्थ हैं। ऐसे अफसरों की सूची में एडीजी दीपांशु काबरा का नाम प्रमुख है। वे पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में महत्वपूर्ण दायित्व निभा चुके हैं। उनके पास जनसंपर्क विभाग में आयुक्त सह संचालक का दायित्व था। वे परिवहन विभाग में आयुक्त के रूप में भी सेवाएं दे रहे थे, लेकिन सरकार बदलने के कुछ समय बाद उन्हें बतौर एडीजी पुलिस मुख्यालय में पदस्थ किया गया है।

बीएन मीणा डीआईजी राव पीएचक्यू में

इसी क्रम में आईजी बद्री नारायण मीणा का नाम भी शामिल है। वे रेंज भी आईजी के रूप में काम कर चुके हैं। इसी तरह डीआईजी बालाजी राव सोमावार कई जिलों में एसपी व डीआईजी के रूप में काम करने के बाद पुलिस मुख्यालय पहुंचे हैं। उनके पास कोई महत्वपूर्ण दायित्व नहीं है।

पासपोर्ट सेवा केंद्रों से भ्रष्टाचार, 1.59 करोड़ जब्त

नई दिल्ली। सीबीआई ने मुंबई के पासपोर्ट सेवा केंद्रों से जुड़े भ्रष्टाचार गिरोह का भंडाफोड़ करने के बाद अभियान में 1.59 करोड़ रुपए नकद और अहम डिजिटल सबूत जब्त किए हैं। 14 अधिकारियों और 18 दलालों तथा बिचौलियों के खिलाफ मामले दर्ज करने के बाद सीबीआई ने तलाशी ली।नकदी के अलावा सीबीआई को पांच डायरी मिली हैं जिनमें लेनदेन के कथित विवरण और रिश्वतखोरी गिरोह के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी निहित है। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि भ्रष्टाचार में कई आरोपी अधिकारी और बिचौलिए लिप्त थे।

शासन ने पेश किया शपथ पत्र

हाईकोर्ट ने कहा- उम्मीद और भरोसा करते हैं कि सड़कों का होगा सुधार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बिलासपुर

हाईकोर्ट ने प्रदेश की खराब सड़कों के बारे में संज्ञान लेते हुए राज्य शासन से जवाब मांगा था। रोड इन रेफरेंस के मामले में मुख्य सचिव अमिताभ जैन और एसडीओ बिलासपुर की ओर से अपनी कंप्लाएन्स रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसमें बताया कि रायपुर स्थित धनेली रोड के लिए टेंडर प्रोसेस पूरा हो चुका है। लोएस्ट प्राइज के आधार पर जिस कंपनी को ठेका दिया गया है उसके द्वारा सुरक्षा निधि जमा करते ही काम शुरू किया जाएगा। इस रोड पर पुलिया बिजली खंभे आदि कार्य भी पूरा कराया जाएगा।

बिलासपुर एसडीओ ने सेंदरी रोड निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण पूरा होने की जानकारी दी। एसडीओ ने बताया कि कुछ जमीन ग्राम निरतू की भी ली गई है, जिसके लिए अवार्ड पारित किया जा रहा है। एसडीओ ने जमीन अधिग्रहण सही होने की जानकारी देते हुए कहा कि वहां पर काम शुरू कराया जा सकता है। नेशनल हाइवे के अधिकारियों की ओर से कहा गया कि जमीन अधिग्रहण के सत्यापन के बाद काम शुरू कराया जाएगा। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि हम उम्मीद और भरोसा करते हैं कि शपथपत्र में दी गई जानकारी और कोर्ट के निर्देशों के अनुसार कार्य होगा। प्रकरण की अगली सुनवाई 29 जुलाई को रखी गई है। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविन्द्र अग्रवाल के कोर्ट में हुई। मामले में न्यायमित्र राजीव श्रीवास्तव और प्रतीक शर्मा पेश हुए।

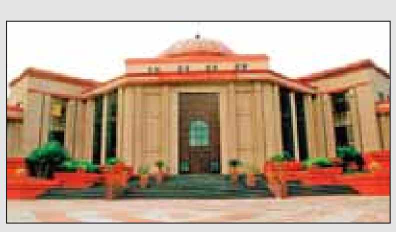

बिना किसी प्लानिंग के किया जा रहा काम

हाईकोर्ट में यह बात भी सामने आई कि शहरी क्षेत्र में निगम, पीडब्ल्यूडी और ठेका एजेंसी मिलकर काम नहीं कर रहे हैं। बिना किसी प्लान के कई मार्गों का डामरीकरण प्रारंभ कर दिया जाता है। नई बनी सड़क को कभी सीवरेज पाइप लाइन तो कभी जल अमृत मिशन के नाम से खोद दिया जाता है। इसी तरह टेलीफोन केबल, नाला निर्माण के लिए फिर सड़कों को खोद दिया जाता है। इस तरह से अव्यवस्थित कार्य को लेकर रुपयों की बर्बादी होती है और सड़कों की दुर्दशा होती है। बताया गया कि जिस कार्य के लिए सड़कों की खोदाई की जाती है उसकी ठेका कंपनी को सड़क को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी दी जाती है लेकिन ऐसा नहीं होता। इसलिए नई सड़कों की हालत बदहाल हो गई है। वहीं ठेका कंपनी सड़कों की मरम्मत करने के लिए कोई ध्यान नहीं दे रही है।

प्रदेश की खराब सड़कों को लिया है संज्ञान में

हाईकोर्ट ने प्रदेश की सड़कों पर संज्ञान लेते हुए कहा है कि ये दुख की बात है कि खराब सड़कों से होने वाली दुर्घटनाओं को हम रोक नहीं पा रहे हैं। राज्य शासन को तुरंत सभी गड्ढे भरने चाहिए ताकि भविष्य में दुर्घटनाओं को रोका जा सके। हाईकोर्ट ने शासन और एजेंसी को यह भी आदेश दिया है कि जिस सड़क में कार्य चल रहा हो, उस सड़क में कार्य प्रारंभ होने की तारीख व कार्य पूर्ण होने की तारीख और जिस सड़क का टेंडर ही जारी न हुआ हो, उसकी स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करें। हाईकोर्ट ने जनहित याचिकाओं पर यह संज्ञान लिया है।

मंदिर ट्रस्ट कर रहा पहल

500 वर्षों का संघर्ष राम मंदिर पर बनने जा रही डॉक्यूमेंट्री

एजेंसी ▸▸| अयोध्या

500 वर्षों के संघर्ष के बाद भगवान राम लला का मंदिर सुखद परिणाम के साथ आकार लेकर खड़ा है। आराध्य भव्य मंदिर में विराजमान हैं। लेकिन, इस भव्य मंदिर में आराध्य के विराजमान होने के पहले के संघर्षों की कहानी को आगामी युवा पीढ़ी जान सके। इस लिहाज से राम मंदिर ट्रस्ट राम मंदिर पर एक डॉक्यूमेंट्री बना रहा है। इस डॉक्यूमेंट्री में 500 वर्षों तक राम मंदिर के संघर्ष में शहीद हुए राम भक्त रामलला के पक्ष में फैसला और मंदिर निर्माण के विधि के साथ भगवान की भव्य प्राण प्रतिष्ठा और उस प्राण प्रतिष्ठा में शामिल देश और दुनिया के अति विशिष्ट लोग पर आधारित होगी। जानकारी के मुताबिक, डॉक्यूमेंट्री का निर्माण शुरू भी हो गया है। आगामी पीढ़ी राम मंदिर के संघर्षों को जान सके कि कैसे अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण हुआ है। इस डॉक्यूमेंट्री में बीते 500 वर्षों की पूरी जानकारी होगी। कोर्ट के फैसले से लेकर भव्य मंदिर निर्माण तक का किस्सा डॉक्यूमेंट्री में होगा।

आवश्यकता

आवश्यकता है- AIRPORT डायरेक्ट भर्ती अनपढ़ 8th, 10th, 12th, ग्रेजुएट (लड़के- लड़कियां) एयर होस्टेस, सुपरवाईजर, मैनेजर, ग्राउंड स्टाफ, क्लर्क, चेकर, लोडर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, ड्राइवर, हेल्पर 31500-82500 मेडिकल, इंश्योरेंस, रहना, खाना फ्री. 7495042110, 7404063544 (रायपुर /16 / जुलाई 24)

आवश्यकता है- Fraud से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/फुलटाईम (SMS जॉब)करके लड़के लड़कियां गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 7003467406 , 7645886307 (रायपुर /07/ जुलाई 24)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला — मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर — क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

48 घंटे संयुक्त अभियान में मार गिराए पांच नक्सली

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर/नारायणपुर

- नारायणपुर के कोहकामेटा थाना क्षेत्र में ऑपरेशन
- बड़ी संख्या में हथियार व नक्सल

नारायणपुर के माड़ स्थित कोहकामेटा थाना क्षेत्र के जंगल में पिछले 48 घंटे तक चले अंतरजिला नक्सल अभियान में सुरक्षा बलों ने 5 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के शव के अलावा भारी मात्रा में हथियार व नक्सल सामग्री बरामद किया है।

मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि 30 जून से माड़ में नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा था। अभियान के दौरान नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने पांच नक्सलियों को मार गिराया है। देर शाम तक मिले सूचना के मुताबिक मुठभेड़ में कई नक्सलियों के घायल होने की खबर है। वहीं सुरक्षा बलों ने माओवादियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में आर्म्स एम्युनेशन भी बरामद किया है। आईजी ने बताया कि देर शाम को पांच माओवादियों के शव की बरामदगी व नक्सलियों के ठिकाने से बड़ी मात्रा में हथियार व नक्सल सामग्री बरामद की गई है। इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों के घायल होने की भी खबर है।

1 हजार से अधिक जवानों ने चलाया अभियान

आईजी ने बताया कि पिछले 48 घंटे से माड़ में संयुक्त अभियान चलाया जा रहा था, जिसमें एक हजार से अधिक जवान शामिल थे, सभी जवान सुरक्षित है। इलाके में लगातार सर्चिंग की जा रही है। इस अभियान में जिला नारायणपुर के अलावा कांकेर, कोण्डागांव जिले की डीआरजी, एसटीएफ, बीएसएफ व आईटीबीपी के जवान संयुक्त अभियान में शामिल थे।

तीन दिन से चल रहा ऑपरेशन

मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों के संबंध में अन्य जानकारी फोर्स के वापस लौटने के बाद मिल सकेगी। हालांकि नक्सलियों के खिलाफ यह अभियान तीसरे दिन भी जारी है। इलाके में सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है।

शब्द पहेली - 5561

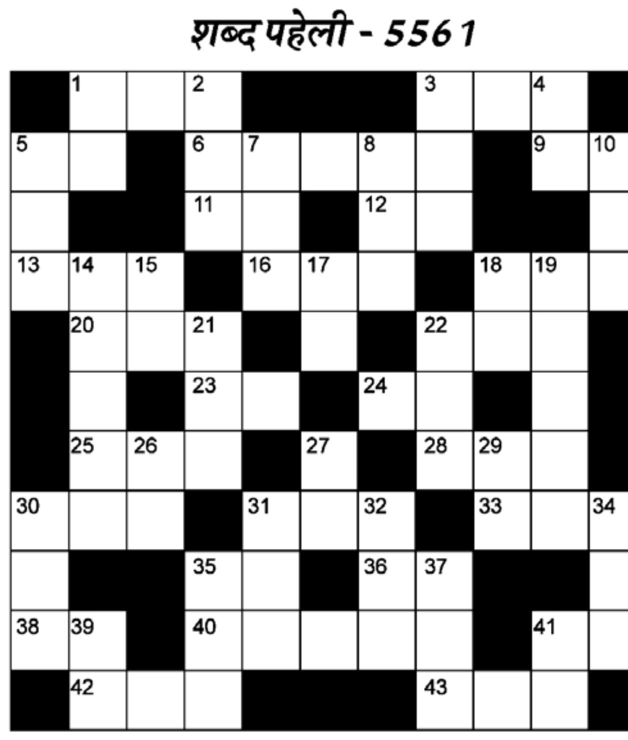

बाएँ से दाए-
1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे
1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -5560 का हल

सूडोकु नवताल - 5572

✱✱✱✱✱ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5571 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

कैटरेक्ट के शुरुआती लक्षणों को ना करें इग्नोर

कैटरेक्ट में आंखों के नेचुरल लेंस में क्लाउडिंग होने लगती है। इसकी वजह से स्पष्ट रूप से देखने में कठिनाई होती है। लापरवाही से गंभीर दृष्टि दोष और अंधापन भी हो सकता है। ऐसे में समय रहते उपचार आवश्यक है।

प्रिकॉशन

डॉ. संजीव तनेजा

नेत्र रोग विशेषज्ञ

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, नई दिल्ली

मोतियाबिंद या कैटरेक्ट, आंखों की एक आम समस्या है। अगर समय रहते इसका इलाज ना किया जाए तो यह समस्या गंभीर दृष्टिदोष और अंधेपन का कारण बन सकती है। इसके कारण आंखों के लेंस में धुंधलापन आ जाता है, जिससे दृष्टि पर बुरा असर पड़ता है। अक्सर मोतियाबिंद की समस्या, बढ़ती उम्र के लोगों में देखने को मिलती है। लेकिन अब यह समस्या केवल वृद्ध लोगों में ही नहीं बल्कि 40 से 50 वर्ष की आयु के लोगों में भी देखी जाती है। धुंधलेपन के कारण कई लोगों में पढ़ना, लिखना, टीवी देखना, गाड़ी चलाना और अन्य कई दैनिक गतिविधियों में बाधा आने लगती है। इसलिए आंखों में धुंधलेपन की समस्या हो तो तुरंत किसी नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

रोग का कारण: उम्र का बढ़ना मोतियाबिंद का प्राथमिक कारण है। उम्र बढ़ने के साथ, आंख के लेंस में मौजूद प्रोटीन आपस में मिलकर मोतियाबिंद की परत बना देते हैं। समय के साथ जैसे-जैसे मोतियाबिंद बढ़ता है, लेंस ज्यादा अपारदर्शी या धुंधला हो जाता है। इससे व्यक्ति की दृष्टि कमजोर हो सकती है। यह आमतौर पर धीरे-धीरे विकसित होता है। हालांकि इसकी दर सभी व्यक्तियों में अलग-अलग हो सकती है। उम्र के अलावा मधुमेह, धूम्रपान, शराब, लंबे समय तक धूप में रहने और दवाओं के अधिक सेवन के कारण भी कैटरेक्ट का खतरा बढ़ता है।

मोतियाबिंद के लक्षण: आंखों में धुंधलापन, कम रोशनी में देखने में दिक्कत होना, तेज रोशनी के प्रति संवेदनशीलता, स्पष्ट रूप से देखने में कठिनाई, रंग फीका या पीला दिखाई देना, ये कैटरेक्ट के प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं।

उपचार का तरीका: मोतियाबिंद के निदान की पुष्टि करने के लिए व्यापक नेत्र परीक्षण करवाना जरूरी है। कैटरेक्ट का पता चलते ही उपचार शुरू करना चाहिए क्योंकि इस स्थिति की उपेक्षा करने से आगे और जटिलताएं हो सकती हैं, जिससे सर्जरी मुश्किल हो सकती है। इससे रिकवरी और उपचार बहुत धीमा हो सकता है। मोतियाबिंद के परिपक्व होने या पकने का इंतजार करने से ना केवल आपकी दृष्टि लंबे समय तक प्रभावित होगी, बल्कि सर्जरी और रिकवरी में भी अधिक समय लग सकता है। प्रभावित लेंस को हटाने या बदलने के लिए सर्जरी जैसे तत्काल उपचार के बिना, कैटरेक्ट परमानेंट विजन लॉस का कारण बन सकता है। शुरुआती मोतियाबिंद के लक्षणों को चश्मे का उपयोग करके या चश्मे की पावर बदलकर प्रबंधित किया जा सकता है। सर्जरी, धुंधले लेंस को हटाने और डॉक्टर द्वारा सुझाए गए कृत्रिम लेंस लगाने में मदद करती है। कैटरेक्ट, को हटाने की आवश्यकता तब होती है, जब दृष्टि हानि के कारण आपके लिए पढ़ना और गाड़ी चलाना जैसी गतिविधियां करना मुश्किल हो जाता है।

बरतें सावधानी: मोतियाबिंद से बचाव के लिए आप अपनी जीवनशैली में कुछ बातों पर अमल कर सकते हैं। धूप का चश्मा पहनें, धूम्रपान छोड़ें, हरी पत्तेदार सब्जियां और एंटीऑक्सीडेंट्स युक्त खाद्य पदार्थ जैसे गाजर, जामुन, केला, खुबानी, कद्दू और नट्स आदि का सेवन करें। इससे आंखों को स्वस्थ रखने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही नियमित रूप से आंखों की जांच करवाते रहने से कैटरेक्ट के शुरुआती लक्षणों की पहचान कर उपचार कराया जा सकता है। *

प्रस्तुति: सेहत डेस्क

बारिश के मौसम में माइक्रोब्स से संक्रमण की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। खासतौर पर पाचन संबंधी समस्याएं अधिक होती हैं। इनसे बचाव के लिए आपको अपने खान-पान में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। कौन सी हैं वो सावधानियां, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

तब बारिश के मौसम में पाचन-तंत्र रहेगा सही

डॉक्टर एडवाइस

डॉ. मोहसिन वली

जनरल फिजीशियन

सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली

हर मौसम के अनुकूल खान-पान हमारी सेहत के लिए फायदेमंद है। खासकर बारिश के मौसम में यह काफी मायने रखता है। इस मौसम में अधिकतर लोगों के लिए हेल्दी और फिट रहना काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। नमी और उमस भरे वातावरण से हवा में कई तरह के वायरस और बैक्टीरिया पनपते हैं, जो ध्यान ना देने पर खाद्य पदार्थों को विषाक्त कर देते हैं। ऐसी चीजों के सेवन से ये कीटाणु, शरीर मे पहुंच जाते हैं। इससे पाचन तंत्र गड़बड़ा जाता है और प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है। इससे अपच, दस्त, पेचिश, हैजा, आंत्र शोथ जैसी पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में मानसून के सुहाने मौसम को आप खुलकर एंजॉय करना चाहते हैं, तो अपने खान-पान और रहन-सहन का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। सही खान-पान जहां आपको फिट और हेल्दी रहने में अहम भूमिका निभाता है, वहीं रहन-सहन की अच्छी आदतें, कई तरह के संक्रमणों से बचाव करती हैं।

खान-पान में बरतें सावधानी: बरसात के मौसम में बीमारियों से बचने के लिए, हेल्दी डाइट लेनी चाहिए। बाहर का खाना खाने के बजाय, घर का बना ताजा खाना ही खाना चाहिए। घर पर बना हुआ खाना भी 3 घंटे से ज्यादा देर से अगर रखा है, तो खाने से बचना चाहिए। क्योंकि इस मौसम में खाने में बैक्टीरिया तेजी से विकसित होते हैं, जो पेट संबंधी इंफेक्शन की बड़ी वजह बनते हैं।

लाइट फूड लें: इस मौसम में पूरे दिन में 3 हैवी मील में भरपेट भोजन करने के बजाय तकरीबन 2 घंटे के अंतराल पर लाइट मील्स लें। इसमें फ्रूट्स, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स, सूप जैसे हल्के और पौष्टिक आहार लें। ध्यान रखें कि भूख हो, तभी खाएं। वरना अपच, पेट में संक्रमण और पीलिया जैसी बीमारियां होने का खतरा रहता है।

हल्का-सुपाच्य भोजन करें: बरसात के मौसम में हल्का, सुपाच्य, संतुलित आहार का सेवन करें। गेंहू, मक्का, जौ, बाजरा जैसे साबुत सूखे अनाज और मूंग, चना जैसी दालों को शामिल करना बेहतर है। प्रोटीन, लौह और मैगनीशियम युक्त इन खाद्य पदार्थों के सेवन से वॉटर रिटेंशन कम होता है और शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार होता है।

फल-सब्जियां: अपने आहार में मौसमी फल-सब्जियों को ज्यादा से ज्यादा शामिल करें। घिया, तोरई, टिंडा, भिंडी, फ्रेंच बींस जैसी हल्की और सुपाच्य सब्जियों का सेवन करें। करेला, मूली जैसी कड़वी तासीर वाली सब्जियां संक्रमण से बचाती हैं। ताजे फलों का ही सेवन करें। जामुन, मौसंबी, अमरूद, आंवला, नाशपाती, आलू बुखारा, पपीता जैसे विटामिन-सी से भरपूर फल शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकालने और संक्रमण से बचाव कर हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। मुरझाए हुए, दागी, कटे-फटे या ढीले-गले हुए फल खाने से

बचें, क्योंकि ऐसे फल विषाक्त हो जाते हैं और आपकी पाचन प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। विषाक्त फल खाने से बचने के लिए छीलकर खाएं। इस मौसम में तरबूज, खरबूजा जैसे जलीय फल ना खाएं। नम प्रकृति के कारण इनमें बैक्टीरिया होने की संभावना अधिक होती है।

उपयोगी मसाले: इस दौरान अपने भोजन में अदरक, लहसुन, पुदीना, धनिया, काली मिर्च, हल्दी, हींग, मेथी दानों, जायफल, तुलसी, बड़ी इलायची, सौंफ, अजवायन, करी पत्ता जैसे मसालों का उपयोग करें। ये पाचन शक्ति बढ़ाने में उपयोगी हैं।

प्रोबायोटिक फूड: गट में गुड बैक्टीरिया को बढ़ाने के लिए प्रोबायोटिक फूड्स को आहार में शामिल करें। इसके लिए घर पर बने दही और सेंधा नमक, अजवायन, जीरा मिलाकर नमकीन लस्सी का सेवन कर सकते हैं। ध्यान रखें कि दही फ्रिज में रखा ठंडा ना हो। खाने से करीब 15 मिनट पहले फ्रिज से बाहर निकाल लें।

पिएं स्वच्छ-शुद्ध पानी: इस मौसम में पेयजल की शुद्धता का विशेष ध्यान रखें। घर में चाहे एक्वागार्ड या आरओ लगा हो या जल बोर्ड का पानी आता हो। बेहतर होगा कि पानी को कम से कम 2-3 मिनट तक उबालें। ठंडा होने पर छानकर ही इस्तेमाल करें। या फिर 20 लीटर पानी में 500 मिलीग्राम क्लोरीन की गोली मिलाकर पानी साफ करें। तांबे या चांदी के बर्तन में पानी पीना फायदेमंद है। इससे कीटाणुओं का नाश होता है और पानी भी स्टर्लाइज होता है। कोशिश करें, फ्रिज का ठंडा पानी इस मौसम में ना पिएं।

सूप-काढ़ा है फायदेमंद: शरीर को डिटॉक्स करने के लिए इस मौसम में लिक्विड डाइट अधिक लें। वेजिटेबल सूप, अदरक, तुलसी, काली मिर्च की चाय या काढ़ा जैसे पेय लें। हर्बल या ग्रीन टी, कॉफी जैसे गर्म पेय और रात को सोने से पहने गोल्डन मिल्क या हल्दी वाला गर्म दूध भी ले सकते हैं। इनमें मौजूद विटामिंस और मिनरल्स बारिश के मौसम में आपकी इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं।

रखें साफ-सफाई: भोजन बनाते समय सफाई का विशेष ध्यान रखें। बाजार से लाए गए फल-सब्जियों को नमक मिले गुनगुने पानी या सिरका मिले पानी से अच्छी तरह धोने के बाद ही इस्तेमाल करें। ताकि इनमें मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया खत्म हो सकें और हमारे स्वास्थ्य को किसी तरह का नुकसान ना हो। इस मौसम में संक्रमण से बचने के लिए हाइजीन का खास ख्याल रखें। छींकने-खांसने के बाद, खाना पकाने से पहले और भोजन करने से पहले हाथों को साबुन और पानी से साफ करें। वॉशरूम यूज करने के बाद या फिर बाहर से घर में आने पर हाथों को जरूर धोएं। *

इनसे करें परहेज

बारिश के मौसम में पकौड़े और समोसे आदि खाने में बहुत मजा आता है लेकिन इनकी वजह से ब्लोटिंग यानी पेट फूलने की समस्या हो सकती है। ऑयली या फ्राइड फूड्स खाने के बजाय ग्रिल्ड और तंदूरी आहार खाएं। ऑयल कम इस्तेमाल होने के कारण इनके सेवन से पाचन संबंधी समस्याएं कम होती हैं। फ्राइड खाना बनाने के लिए सरसों, मूंगफली और तिल जैसे हैवी ऑयल के बजाय सोयाबीन, ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करें। हैवी ऑयल पित्त बढ़ाने के अलावा शरीर को कमजोर बनाते हैं। बरसात के मौसम में इंफेक्शन से बचने के लिए आइसक्रीम, कुल्फी, जूस, मिल्क शेक जैसी ठंडी चीजों के सेवन से बचें। इनके अलावा मीट, मछली, चिकन जैसे मांसाहारी पदार्थों से भी परहेज करें। इनमें बैक्टीरिया बहुत जल्दी पनपते हैं। बहुत जरूरी हो तो पकाने से पहले अच्छी तरह साफ करें और पूरी तरह पके हुए नॉनवेज ही खाएं।

प्रस्तुति:रजनी अरोड़ा

हर्बल जोन / रेखा देशराज

स्वादयुक्त-स्वास्थ्यवर्धक सोया

हालांकि सोया को स्वादिष्ट भाजी के रूप में अधिकतर स्थानों पर खाया जाता है, लेकिन इसका हर हिस्सा स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। इसकी वजह इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व होते हैं। 100 ग्राम सोया में 43 कैलोरी पाई जाती है। इसमें 1.1 ग्राम वसा होता है, 0 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है, 61 मिलीग्राम सोडियम, 738 मिलीग्राम पोटेशियम, 7 ग्राम कार्बोहाइड्रेट और 3.5 ग्राम प्रोटीन पाई जाती है। पौष्टिकता से भरपूर इन तत्वों के कारण सोया (एनथम ग्रेवोलेंस) को स्वास्थ्यवर्धक बूटी माना जाता है। इसके पौधे की ऊंचाई आमतौर पर 16 से 24 इंच होती है। कुछ प्रजातियों की ऊंचाई 4 से 8 इंच तक ही होती है। सोया के पौधे में पीले और सफेद रंग के फूल आते हैं और इन्हीं फूलों के अंदर बाद में बीज बनते हैं। सोया की सूखी पत्तियां भी जड़ी-बूटी के रूप में इस्तेमाल होती हैं। इसकी सब्जी खाने से मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है। ब्लोटिंग की समस्या नहीं होती और पेट में एसिडिटी और गैस से छुटकारा तो मिलता ही है।

बीज भी होते हैं फायदेमंद: सोया को अंग्रेजी डिल कहते हैं। इसके बीज भी ना सिर्फ स्वादिष्ट बल्कि अनगिनत पौष्टिक तत्वों से भरे होते हैं। इसलिए आयुर्वेद में सोया की पत्तियों और इसके बीजों को औषधियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। ये पाचन क्रिया में सुधार करते हैं, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं, रक्तचाप को नियंत्रित करते हैं। आजकल शहरों में ज्यादातर लोग अपनी बेतरतीब लाइफस्टाइल के कारण खराब पाचन तंत्र से परेशान रहते हैं। सोया के बीज इस समस्या से छुटकारा दिलाते हैं। इसके बीज गैस, एसिडिटी और कब्ज जैसी सामान्य समस्याओं से छुटकारा दिलाते हैं। ये हमारी हड्डियों को भी मजबूत बनाते हैं। दरअसल सोया के बीजों में भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, जिससे हड्डियों के घनत्व को ये बचाकर रखते हैं। इम्यूनिटी बूस्टर के रूप में भी सोया के बीजों की ख्याति है। साथ ही ये डायरिया जैसी बीमारी में भी कारगर हैं, क्योंकि इसके बीजों में फ्लेवोनोइड्स और मोनोटेरपीन पाया जाता है, ये दोनों ही चीजें शक्तिशाली एंटीबैक्टीरियल एजेंट का काम करती हैं। अगर कोई व्यक्ति अनिद्रा से पीड़ित है तो उसे भी सोया के बीज फायदा पहुंचाते हैं, क्योंकि इसके बीजों में विटामिन-बी होता है, जो शरीर को आराम देता है और नींद में मददगार होता है। जिन लोगों के मुंह से दुर्गंध आती हो, मितली उल्टी की समस्या हो, उनके लिए भी यह एक बेहतरीन घरेलू उपचार है। हाई ब्लड प्रेशर की समस्या में भी सोया फायदेमंद है। लेकिन ध्यान रखें कि बिना किसी अनुभवी वैद्य या आयुर्वेद विशेषज्ञ की सलाह के सोया के बीज ना खाएं, क्योंकि इसके कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। *

हेल्थ सजेशन

मधु सिंह

जब रात में ना आए नींद

आज की बिजी लाइफस्टाइल, टेंशन और वर्क प्रेशर की वजह से कई लोग रात में गहरी नींद सो नहीं पाते हैं। अगर आप भी ऐसी समस्या का सामना कर रहे हैं तो यहां बताए जा रहे कुछ सरल उपाय आपके लिए कारगर हो सकते हैं।

विभिन्न अध्ययन और सर्वेक्षण इस बात की तस्दीक करते हैं कि हमारे लिए प्रतिदिन 8 घंटे की नींद लेना जरूरी है। नींद का मतलब गहरी नींद में सोना होता। इसका हमारे स्वास्थ्य पर गहरा असर होता है। हमारे शरीर के अंग सुचारु रूप से काम करते हैं और हम अपने वर्क परफॉर्मेंस पर अच्छी नींद की बदौलत ही फोकस कर पाते हैं।

नींद ना आने के कारण: आजकल करियर और पढ़ाई का बढ़ता दबाव हमारी बॉडी क्लॉक पर बुरा असर डाल रहा है। डेडलाइन का प्रेशर, वर्क फ्रॉम होम के कारण हमारी नींद बुरी तरह बाधित होती है, जिससे हमारी बॉडी क्लॉक में विघ्न पड़ता है। इन सबका हमारी नींद की साइकिल पर बुरा असर पड़ता है। देर रात तक मोबाइल चलाना, टीवी देखना और आने वाले दिन की चिंता के कारण रात में नींद अच्छी तरह से नहीं आती। अगर आपके साथ भी ऐसा हो तो हम आपको कुछ सिंपल हैक्स बता रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप अच्छी नींद ले सकते हैं।

मेडिटेशन करें: रात को सोने से पहले ऑनलाइन या हेल्थ एक्सपर्ट से सलाह लेकर मेडिटेशन करें। इसके लिए आजकल कई मेडिटेशन एप्स भी हैं, जो काफी कारगर तरीके बताते हैं, जिससे हमारी नींद का सर्कल बना रहता है। इसके तहत कई ऐसी एक्सरसाइज बताई जाती हैं, जिसमें आप अपने श्वास लेने की प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं और दिलो-दिमाग में शांति महसूस करते हैं।

सोने से पहले स्नान करें: सोने से पहले अच्छी तरह पैरों को धोना, पैरों को ठंडे पानी में थोड़ी देर भिगोकर रखना, स्नान करना, इससे हमारे शरीर को आराम मिलता है और हमें जल्दी और गहरी नींद आती है। यह काफी कारगर ट्रिक है। हालांकि अच्छी नींद के लिए स्नान करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक माना जाता है, लेकिन हम अकसर इसमें आलस करते हैं और ऐसा नहीं कर पाते।

म्यूजिक सुनें: अपनी पसंद के गाने और इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक की एक प्ले लिस्ट तैयार करें और रात को सोने से पहले कमरे की लाइट बुझाकर उसे सुनें। लेकिन म्यूजिक ऐसा होना चाहिए, जो आपको जल्दी दिली सुकून दे और आप आराम महसूस कर सकें।

पॉडकास्ट सुनें: पॉडकास्ट में थीम सॉन्ग्स सुने जा सकते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य है, जिस समय आप सोने की प्रक्रिया में हो तो आपके इर्द-गिर्द ऐसी आवाजें हों, जिनसे आपको दिली सुकून मिले। ये कोई पॉडकास्ट भी हो सकता है, किसी का भाषण या पक्षियों और प्रकृति से जुड़ी आवाजें, जो आपको सुकून-शांति दें।

वातावरण को सुगंधित बनाएं: रात को बिस्तर पर जाने से पहले कमरे के माहौल को खुशनुमा बनाएं, जिससे आपको अच्छी नींद आए। इसके लिए सबसे आसान उपाय है कि आप सुगंधित अगरबत्ती जलाएं और घर में एक अच्छा माहौल बनाकर रखें, ताकि घर का वातावरण खुशनुमा रहे।

वर्कस्टेशन अलग रखें: अगर आप वर्क फ्रॉम होम करते हैं तो हो सकता है आप अपने बेडरूम में ही दिन के समय काम करें और इसके बाद आप वहीं सो जाएं। लेकिन यह कोई अच्छी बात नहीं है। अच्छी नींद के लिए आपके आस-पास का वातावरण बोझिल नहीं होना चाहिए। वहां का माहौल ऐसा हो, जो आपको शारीरिक और मानसिक शांति प्रदान करे।

यहां बताए गए तमाम उपाय आपको रात में अच्छी और गहरी नींद से सोने में काफी मददगार साबित हो सकते हैं। *

योगोपचार

दिव्यज्योति 'नंदन'

स्वस्थ दिमाग के लिए नियमित करें भुजंगासन

हालांकि हर आसन का शरीर पर बहुत लाभदायक प्रभाव पड़ता है। लेकिन कुछ आसन ऐसे हैं, जिनके अभ्यास से अनेक शारीरिक लाभों के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। भुजंगासन ऐसा ही आसन है। इसकी विधि और लाभों के बारे में जानिए।

योग से मानसिक-शारीरिक दोनों स्वास्थ्य बेहतर होते हैं। जहां तक योग से अपने मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त रखने की बात है, तो इसमें कोबरा पोज या भुजंगासन विशेष रूप से फायदेमंद हैं। चूंकि यह आसन करने से रक्तप्रवाह बढ़ता है और दिमाग की कार्यक्षमता में सुधार होता है। इसलिए भुजंगासन, मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे शानदार माना जाता है। हालांकि भुजंगासन के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए योग गुरु उत्तानासन योग के नियमित अभ्यास का भी सुझाव देते हैं।

आसन की विधि: भुजंगासन करने का सही तरीका यह है कि किसी समतल और शुद्ध हवा वाली जगह पर चटाई या अपना योगा मैट बिछाकर सबसे पहले पेट के बल लेट जाएं। इसके बाद अपनी हथेलियों को कंधे की चौड़ाई से अलग जमीन पर रखें और दोनों पैरों के तलवों को ऊपर की ओर रखें। साथ ही अब पैरों के अंगूठों को आपस में मिलाएं। इस दौरान खूब गहरी सांसें लें और धीरे-धीरे सिर को ऊपर उठाएं। सिर को ऊपर उठाने के साथ गर्दन को भी ऊपर उठाएं और फिर सीने को और फिर पेट को क्रमशः धीरे-धीरे ऊपर उठाने की कोशिश करें।

शुद्ध रूप से भुजंगासन करने की कसौटी यह है कि जब हम सिर और गर्दन धीरे-धीरे ऊपर उठाते हैं और फिर छाती से लेकर पेट तक को क्रमशः ऊपर उठाते चले जाते हैं, तो सिर से नाभि तक के हिस्से को ही आसन के दौरान ऊपर उठाना चाहिए। जबकि नाभि के नीचे से पैरों की उंगुलियों तक का भाग जमीन से बिल्कुल सटा रहना चाहिए। जब शरीर के अग्र भाग को ऊपर उठाएं तो इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ये दोनों बाजुओं के सहारे ही ऊपर उठें। इस दौरान कोहनियां नहीं मुड़ी होनी चाहिए।

ऊपर की ओर देखने की कोशिश: भुजंगासन करते हुए लगातार ऊपर की ओर देखने की कोशिश करनी चाहिए। लेकिन हां, जितनी देर आसानी से हो सके, ऊपर की ओर उतनी ही देर देखने की कोशिश करनी चाहिए। अगर ज्यादा देर तक ऊपर की ओर देखना संभव ना हो तो जबरदस्ती कोशिश नहीं करनी चाहिए। गहरी सांसें लें और फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए पहले पेट, फिर छाती और सबसे बाद में सिर को भी वापस जमीन पर ले आएं।

और भी हैं फायदे: भुजंगासन का अभ्यास करने के फायदे और भी बहुत हैं। जैसे- नियमित रूप से यह आसन किए जाने से कंधों की जकड़न और पेट की चर्बी का नामो-निशान नहीं रहता। सांसों से संबंधित समस्याएं दूर होती हैं और शरीर अच्छी तरह से डिटॉक्स हो जाता है। इसके अलावा हमारा पाचन बेहतर होता है, लिवर मजबूत होता है, किडनी को अपने कार्य करने में आसानी होती है। इससे किडनी की कार्यक्षमता बेहतर होती है। यह आसन विशेषकर रीढ़ की हड्डी के लिए भी रामबाण होता है। छाती और फेफड़ों को, कंधों और पेट की मांसपेशियों के लिए भी यह बहुत लाभदायक है।

ये लोग ना करें: गर्भवती महिलाओं, मेरूदंड के रोग से पीड़ित, हर्निया, अल्सर या कोलाइटिस जैसी बीमारियों से ग्रस्त लोगों को इस को इस आसन से दूर रहना चाहिए। *

रखें ध्यान

भुजंगासन देखने में भले सरल आसन लगता हो, लेकिन यह काफी सख्त आसन है। भुजंगासन करते समय शरीर को अपनी शारीरिक क्षमताओं के मुताबिक ही तानें, क्योंकि शरीर को बहुत ज्यादा मोड़ना भी हानिकारक हो सकता है, खासकर तब जब ऐसा करने में दिक्कत हो। भुजंगासन सही से करते समय इस बात का ध्यान जरूर रखना चाहिए कि इस दौरान कोहनियां बंद ना हों, कोहनी हमेशा मुड़ी होनी चाहिए। शुरुआत में सिर्फ 30 सेकेंड तक ही कोबरा पोज में रहें। फिर जैसे-जैसे शरीर को सुकून महसूस हो, इसे क्रमशः बढ़ाकर 1 मिनट तक किया जा सकता है। इससे ज्यादा देर तक करने से परहेज करना चाहिए और 4 से 5 बार पोज दोहराना चाहिए। लेकिन शुरू में 2 से 3 बार ही काफी होता है।

अर्जेंटीना की ओलंपिक फुटबॉल टीम में मेसी को नहीं मिली जगह

एजेंसी ▶▶| ब्यूनस आयर्स

लियोनेल मेसी इस महीने के अंत में पेरिस में शुरू होने वाले ओलंपिक में अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम का हिस्सा नहीं होंगे। कोच जेवियर माशेरानो ने घोषित टीम में विश्व कप विजेता टीम के चार सदस्यों को जगह दी जिसमें स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी शामिल हैं।

■ फुटबॉल : विश्व चैंपियन अल्वारेज, रूली, एचेवेरी, ओटामेंडी टीम में शामिल

इस साल चोटों से जूझ रहे 37 वर्षीय मेसी अभी कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। टीम का लक्ष्य 2021 में जीते गए महाद्वीपीय खिताब का बचाव करना है। अर्जेंटीना ने 2021 में कोपा अमेरिका जीतने के बाद 2022 में विश्व कप भी जीता था। मेसी ने अपने एकमात्र ओलंपिक अभियान में 2008 में बीजिंग में टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की थी। ओलंपिक पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट अंडर-23 टीम के लिए होता है लेकिन प्रत्येक टीम में तीन अधिक उम्र के खिलाड़ियों को खिलाने की अनुमति दी जाती है। वर्ष 2004 और 2008 में खिलाड़ी के तौर पर ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले माशेरानो कोपा अमेरिका खत्म होने के बाद गोलकीपर गेरोनिमो रूली, ओटामेंडी और अल्वारेज को टीम में शामिल करेंगे। हाल ही में रिवर प्लेट से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए मिडफील्डर क्लॉडियो एचेवेरी भी टीम में शामिल होंगे। अर्जेंटीना 24 जुलाई को मोरक्को के खिलाफ ओलंपिक फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले मैच से पूर्व फ्रांस में दो मैत्री मैच खेलेगा।

कोलंबिया-ब्राजील ने खेला ड्रॉ : सेंटा क्लारा। डेनियल मुनोज के पहले हाफ के इंजरी टाइम में दागे गोल की मदद से कोलंबिया ने ब्राजील को 1-1 से बराबरी पर रोककर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप डी में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ब्राजील की टीम भी दूसरे स्थान पर रहते अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रही। राफिन्हा ने 12वें मिनट में ब्राजील को बढ़त दिलाई लेकिन मुनोज ने पहले हाफ के इंजरी टीम में गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया जिसके बाद दोनों ही टीमें गोल करने में नाकाम रहीं। इस ड्रॉ से कोलंबिया ने अपने अजेय अभियान को 26 मैच तक पहुंचाया।

16 साल में पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचा नीदरलैंड

म्यूनिख। नीदरलैंड ने यूरो 2024 के प्री क्वार्टर फाइनल में टूर्नामेंट का अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रोमानिया को 3-0 से हराकर 16 वर्षों में पहली बार यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। कोडी गाकपो ने 20वें मिनट में नीदरलैंड को बढ़त दिलाई जिसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी डोनयेल मालेन ने दो गोल और दागकर नीदरलैंड को 2008 के बाद पहली बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया।

कोस्टा रिका कोपा अमेरिका से बाहर

ऑस्टिन। फ्रांसिस्को कैल्वो और जोसिमार अलसोसेर के शुरुआती सात मिनट में दागे गोल से पराग्वे को 2-1 से हराने के बावजूद कोस्टा रिका कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर हो गया। कोस्टा रिका ग्रुप डी में चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। कोलंबिया सात अंक के साथ शीर्ष पर रहा जबकि ब्राजील ने पांच अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। पराग्वे अपने शुरुआती दो मैच गंवाकर पहले ही बाहर हो गया था। कोस्टा रिका की टीम 1997, 2011 और 2016 के बाद चौथी बार ग्रुप चरण से बाहर हुई।

खबर संक्षेप

ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष युगल जोड़ी 'सर्विस वैरिएशन' चुनौती से पार पाने के बाद आगामी पेरिस ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से 'शारीरिक और मानसिक अनुकूलन' पर फोकस बनाए हुए हैं। सात्विक (23 वर्ष) और चिराग (26 वर्ष) की जोड़ी को अपने प्रतिद्वंद्वी की सर्विस में बहुत सारी विविधता जैसे 'टंबल', 'स्पिन' और 'वाइड' से परेशानी होती रही है जिसमें विशेष रूप से कोरियाई और इंडोनेशियाई जोड़ियां शामिल हैं जिन्होंने हाल के टूर्नामेंट में इनका इस्तेमाल किया।

भारत के खिलाफ मैच था, सोते रहे तास्किन

ढाका। बांग्लादेश ने उप कप्तान तास्किन अहमद को टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ महत्वपूर्ण सुपर आठ मुकाबले से कथित तौर पर इसलिए हटा दिया गया क्योंकि वह अधिक समय तक सोते रहे और टीम की बस मे सवार होने के लिए नहीं पहुंचे थे। इस दावे का हालांकि इस तेज गेंदबाज ने खंडन करते हुए कहा कि टीम संयोजन के कारण वह बाहर हुए। बाइस जून को एंटीगा के नॉर्थ साउंड में हुए मैच में बांग्लादेश को 50 रन से हार का सामना करना पड़ा था। टीम ने इस मैच में एक बदलाव करते हुए तास्किन की जगह जाकिर अली को खिलाया था।

एशियाई चैंपियनशिप में जीते आडवाणी

रियाद। दिग्गज क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने यहां 2024 एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में शानदार शुरुआत करते हुए ऑन्ग फियो और युटापोप पाकपोज को हराया। एशियाई बिलियर्ड्स खिताब की हैट्रिक बनाने के इरादे से उतरे 38 साल के आडवाणी ने म्यांमार के फियो को 4-2 से हराने के बाद कड़े मुकाबले में थाईलैंड के पाकपोज को 4-3 से शिकस्त दी। आडवाणी ने कहा, 'टूर्नामेंट की सकारात्मक शुरुआत करना हमेशा अच्छा होता है। इन दो जीत से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है और मेरी नजरें अब लक्ष्य पर हैं। यह खेल काफी अप्रत्याशित है इसलिए मैं किसी भी चीज को हल्के में नहीं ले रहा हूं।'

अभय-वेलावन को मिली शीर्ष वरीयता

जोहोर। अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार की भारतीय जोड़ी को गुरुवार से यहां शुरू हो रही एशियाई युगल स्क्वाश चैंपियनशिप के पुरुष युगल में शीर्ष वरीयता दी गई है। अभय मिश्रित युगल में दिग्गज जोशना चिनप्पा के साथ खेलेंगे। यह जोड़ी 15 टीमों में तीसरी वरीयता प्राप्त है। रथिका सुथांथिर सीलन और पूजा आरती आर की महिला युगल जोड़ी को पांचवीं वरीयता मिली है। दोनों जोड़ियों ने इस साल की राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती थी जिसे 17 साल बाद दोबारा शुरू किया गया।

विंबलडन : दिग्गज स्टेफी ग्राफ के नाम था शर्मनाक रिकॉर्ड

वोंद्रोसोवा 30 साल में पहले दौर से बाहर होने वाली पहली गत चैंपियन

एजेंसी ▶▶| लंदन

मार्केटा वोंद्रोसोवा 1994 से विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर से बाहर होने वाली पहली महिला गत चैंपियन खिलाड़ी बनीं। ऑल इंग्लैंड क्लब पर 12 महीने पहले खिताब जीतकर सभी को हैरान करने वाली वोंद्रोसोवा को जेसिका बोजास मनेइरो ने 6-4, 6-2 से हराया। वोंद्रोसोवा पिछले साल घास के कोर्ट पर होने वाले इस ग्रैंडस्लैम को जीतने वाली पहली गैर वरीयता प्राप्त महिला खिलाड़ी बनीं थी। वोंद्रोसोवा ने हालांकि मंगलवार को एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कराया। वर्ष 1964 में शुरू हुए खेल के ओपन युग में इससे पहले सिर्फ एक बार विंबलडन की गत चैंपियन महिला खिलाड़ी को अगले साल पहले दौर में शिकस्त झेलनी पड़ी थी। दिग्गज स्टेफी ग्राफ को 30 साल पहले लोरी मैकनील के खिलाफ इस स्थिति का सामना करना पड़ा था। वोंद्रोसोवा को इस बार छठी वरीयता मिली थी लेकिन तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई।

नागल पुरुष युगल के पहले दौर में बाहर

भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल के अपने सर्बियाई जोड़ीदार डुसान लाजोविच के साथ बुधवार को यहां पुरुष युगल स्पर्धा के पहले दौर में सीधे सेटों में बाहर होने के बाद विम्बलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम में उनका अभियान खत्म हो गया। नागल और लाजोविच की जोड़ी को एक घंटे और सात मिनट तक चले मैच में जाउमे मुनार और पेड्रो मार्टिनेज की स्पेनिश जोड़ी से 2-6, 2-6 से हार मिली। भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी नागल सोमवार को पुरुष एकल के पहले दौर में हार गए थे।

जेसिका ने रचा इतिहास

जेसिका ने अपने तीसरे ही ग्रैंडस्लैम में गत चैंपियन खिलाड़ी को हराया। उन्होंने इससे पहले दोनों ग्रैंडस्लैम में पहले दौर के मुकाबले गंवाए थे। जेसिका ने इससे पहले टूर स्तर पर ग्रास कोर्ट पर कोई मैच नहीं जीता और शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी को भी कभी नहीं हरा पाई थी।

जोकोविच ने कोपरिवा को हराया

पुरुष वर्ग मे सात के बार चैंपियन नोवाक जोकोविच, चौथे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव और सातवें वरीय ह्यूबर्ट हुरकाज ने अगले दौर में जगह बनाई। जोकोविच ने क्वालीफायर विट कोपरिवा को सीधे सेट में 6-1, 6-2, 6-2 से हराया। पांच जून को दाएं घुटने की सर्जरी के बाद यह उनका पहला मैच था।

मरे एकल से हटे, खेलेंगे युगल

एंडी मरे और ऐमा राडुकानु विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल में जोड़ी बनाकर खेलेंगे। हाल में हुई सर्जरी के कारण मरे ने विंबलडन में अंतिम बार खेलते हुए पुरुष एकल में शिरकत नहीं करने का फैसला किया। मरे पुरुष युगल अपने बड़े भाई जेमी के साथ जोड़ी बनाकर खेलेंगे। वर्ष 2013 और 2016 में यहां एकल खिताब जीतने वाले 37 साल के मरे ने कहा है कि वह आखिरी बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। राडुकानु ने 2021 में अमेरिकी ओपन का खिताब जीता था।

अक्टूबर में फीफा विंडो के दौरान तीन देशों के टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय टीम

वियतनाम में तीन देशों के टूर्नामेंट में भाग लेगा भारत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल टीम अक्टूबर में फीफा विंडो के दौरान वियतनाम में तीन देशों के टूर्नामेंट में भाग लेगी। भारत और वियतनाम के अलावा लेबनान इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने यह जानकारी दी।

वियतनाम (116) और लेबनान (117) फीफा की ताजा विश्व रैंकिंग में भारत (124) से आगे हैं। एआईएफएफ ने भारतीय टीम के विश्व कप क्वालीफायर्स के तीसरे दौर में नहीं पहुंच पाने के बाद मुख्य कोच इगोर स्टिमक को बर्खास्त कर दिया था। उसके बाद यह पहला टूर्नामेंट होगा जिसमें भारतीय टीम भाग लेगी। एआईएफएफ ने अभी तक नए कोच की घोषणा नहीं की है और यह देखना होगा कि तीन देशों के टूर्नामेंट में कौन भारतीय कोच की भूमिका निभाता है। इस टूर्नामेंट में भारत अपना पहला मैच नौ अक्टूबर को वियतनाम के खिलाफ खेलेगा जबकि 12 अक्टूबर को उसका सामना लेबनान से होगा। टूर्नामेंट का तीसरा मैच 15 अक्टूबर को वियतनाम और लेबनान के बीच खेला जाएगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, सतना (म.प्र.)
Office of the Municipal Corporation, Satna (M.P.)
"Swami Vivekanand Bhawan", Infront of Gayatri Mandir,
Diversion Road, SATNA-485001
Tel.:07672-228818, Fax 07672-224799

क्र.132/का.से./न.पा.नि./2024 **सार्वजनिक सूचना** सतना, दिनांक- 02/07/2014

श्री दुर्गेश कुमार अग्निहोत्री पिता संतोष कुमार अग्निहोत्री निवासी - गंगवरिया तह. नागौद जिला सतना म.प्र., कृष्णकुमार पाण्डेय तनय बल्देव प्रसाद पाण्डेय निवासी राजेन्द्र नगर गली नं. 09 सतना म.प्र., राजधर मिश्रा पिता इंद्रजीत मिश्रा, विमला पत्नी राजधर मिश्रा निवासी मानिकपुर बांदा, श्रद्धा बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स राजेश कुमार मोंगिया तनय माला राम मोंगिया निवासी ट्रांसपोर्ट नगर सतना म.प्र. द्वारा मौजा अमौधाकला स्थित आराजी क्र.155/1/2/2, 151/1/1, 152/1/1, 153/8/1, कुल रकवा लगभग 1.239 हे. पर नगर तथा ग्राम निवेश विभाग एवं नगर निगम से अनुज्ञा प्राप्त किये बगैर अवैध रूप से कालोनी विकसित की जा रही है। उपरोक्त अनाधिकृत कालोनी में भूखण्डों का क्रय / विक्रय (अंतरण) अवैध है।

अधीक्षण यंत्री
नगर पालिक निगम, सतना (म.प्र.)

सम्मान समारोह

वर्ल्ड चैंपियन भारतीय टीम का रोड शो आज

एजेंसी ▶▶| मुंबई

टी20 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम को गुरुवार को खुली बस में रोड शो के बाद यहां वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

■ प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेगी टीम इंडिया

भारतीय टीम के गुरुवार को सुबह छह बजकर 20 मिनट पर नई दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय टीम गुरुवार को भारतीय समयानुसार सुबह लगभग छह बजकर 20 मिनट पर दिल्ली पहुंचेगी। विमान में भारतीय टीम, उसका सहयोगी स्टाफ, खिलाड़ियों के परिवार और कुछ भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी तथा भारतीय मीडिया के कुछ सदस्य सवार हैं। इस विशेष उड़ान का इंतजाम बीसीसीआई ने किया है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, 'टीम बीसीसीआई द्वारा मुहैया कराई गई एयर इंडिया के विशेष विमान से बारबाडोस से रवाना हो गई है। बारबाडोस में फंसे भारतीय पत्रकार भी बीसीसीआई अध्यक्ष (रोजर बिन्नी) और सचिव (जय शाह) के साथ इसी फ्लाइट में आ रहे हैं। फ्लाइट आज सुबह छह बजे दिल्ली हवाईअड्डे पर उतरेगी। टीम सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके निवास पर मुलाकात करेगी। इसके बाद टीम मुंबई के लिए उड़ान भरेगी जहां उनके सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।'

नरीमन प्वाइंट पर खुली बस में रोड शो

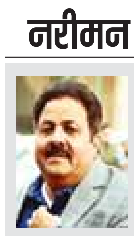

शुक्ला ने कहा, 'नरीमन प्वाइंट से खुली बस में रोड शो कराया जाएगा और फिर खिलाड़ियों को घोषित 125 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा।' बीसीसीआई सचिव शाह ने सभी खेल प्रेमियों का गुरुवार की शाम 'विक्ट्री परेड' (जीत के जश्न में परेड) में जुड़ने का स्वागत किया। शाह ने 'एक्स' पर लिखा, 'टीम इंडिया की विश्व कप जीत के जश्न में आयोजित 'विक्ट्री परेड' में हमारे साथ जुड़िए। चार जुलाई को शाम पांच बजे मरीन ड्राइव से वानखेड़े स्टेडियम तक पहुंच कर हमारे साथ जश्न मनाईए। तारीख याद रखिए।'

आईआईएस में ट्रेनिंग लेंगे 30 भारतीय तैराक

एजेंसी ▶▶| बेल्लारी

भारत के 30 'उच्च क्षमता वाले' तैराकों की पहचान की गई है जो 'मिजुहो एलीट कार्यक्रम' के तहत यहां इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में ट्रेनिंग लेंगे जिससे कि उन्हें 2026 एशियाई खेलों तथा 2028 ओलंपिक क्वालीफायर के लिए तैयार किया जा सके। आईआईएस ने इसके लिए मिजुहो बैंक के साथ साझेदारी की है। दोनों ने 30 तैराकों की मदद के लिए साझेदारी की घोषणा की। वर्ष 2023 में शुरू किए गए आईआईएस तैराकी कार्यक्रम में दो अत्याधुनिक पूल हैं। प्रतिभाशाली युवा तैराक माना पटेल, कुशाग्र रावत, ईशान मेहरा, आस्था चौधरी, अश्मिता चंद्रा और बिक्रम चांगमई इस कार्यक्रम का हिस्सा हैं।

नीरज के पदक जीतने की संभावना : मैके

विजयनगर। 'इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स' में 'स्ट्रेंथ एंड कंडिशनिंग' कोच स्पेंसर मैके का कहना है कि भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने के लिए शारीरिक रूप से सर्वश्रेष्ठ स्थिति में हैं। भारत का यह 26 साल का एथलीट पिछले दो महीनों से जांघ की चोट से परेशान है जिससे वह रविवार को होने वाली पेरिस डायमंड लीग में भी हिस्सा नहीं ले रहा है और सीधे ओलंपिक के लिए रवाना होगा।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तेन्दूखेड़ा, जिला-दमोह (म.प्र.)
इश्तहार
अपील रा.प्र.क्र.-0047/बी-121
वर्ष 2024-25 ग्राम-सलैया बड़ी
तहसील-जबेरा, जिला-दमोह(म.प्र.)

सर्वसाधारण आम जनता ग्राम सलैया बड़ी को सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी रामकिशोर पिता भेरेलाल सोनी निवासी महराजपुर जिला जबलपुर (म.प्र.) द्वारा अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालय तहसीलदार जबेरा के राजस्व प्रकरण क्रमांक-0027/बी- 121 वर्ष 2003 24 में पारित आदेश दिनांक 16.11.2022 से पीडित होकर अपील अंतर्गत धारा 44 (1) म.प्र.भू. राजस्व संहिता 1959 के तहत पेश की गई है। जिसमें कार्यवाही इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अत: इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ हितबद्ध पक्षकार अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा उजर हो तो वह अपनी आपत्ति अथवा उजर पेशी दिनांक 10/07/2024 का इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर या मान्यता प्राप्त अधिवक्ता के माध्यम से पेश कर सकता है। नियत तिथि गुजर जाने के उपरांत प्राप्त आपतियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
(आंज दिनांक 10/06/2024 को जारी।)

मुद्रा
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
तेन्दूखेड़ा,
जिला-दमोह (म.प्र.)

पश्चिम मध्य रेल
संकेत एवं दूरसंचार विभाग
खुली निविदा
मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यो हेतु निर्धारित ई- निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा सूचना क्रमांक**-जबल-एन-सिग.-टेंडर-2024-14, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**- पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल में एन.के.जे. के रिसीविंग यार्ड में लाईनों की सी.एस.एल./सी.एस.आर. बढ़ाने के लिए एन.के.जे. रिसीविंग यार्ड का रिमोडलिंग कार्य से संबंधित संकेत एवं दूर संचार कार्य (सिग्नलिंग कार्य)। **निविदा का अनुमानित मूल्य (रू. मे)**-रू. 3,57,82,238.71 **निविदा फार्म की कीमत (रूपये)**- रू. 00/- **कार्यालय का पता**-मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) (कार्यालय प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय जबलपुर), **बयाना राशि रूपये**-3,28,900/-, **समापन अवधि (माह)**-11 माह, **निविदा बंद होने की एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय**- दिनांक 31.07.2024 को 15:00 बजे तक बंद होगी एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे वेब साइट https://ireps.gov.in उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन की जा सकती है।
मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार)
पश्चिम मध्य रेल्वे जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

MP POORV KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
BLOCK NO.7, SHAKTI BHAWAN, RAMPUR, JABALPUR (M.P.)
Tel No:0761 2702473, Fax No.0761-2660048
CIN: U40109MP2002SGC015120
1912

No. CGM(S&P)/EZ/GM-II/III/901 **TENDER NOTICE** Jabalpur, dtd:- 27.06.2024
Online Tenders are invited for following items:-

Sr. No.	TS No. (For e-Tendering) Discom-EZ/Pur	NAME OF ITEMS	APPROX. VALUE (Rs.in Lakhs)	TENDER FEE (in Rs)	Extending date & time of opening of tender online from 14.00 Hrs (*)
1	TS-1477 (e-Tender No. 2024_PKVVC_353939_1)	Outsourcing of e-filing of TDS and other TDS related works of employees of MPPKVVCL to Chartered Accountant/ Cost Accountant firm	3.60	590	19.07.2024

* For updated/ extended due dates for opening of tender (EMD in cover-1 & Techno- commercial bid in cover-2) please refer to the online key dates. For other details visit Company's website: www.mpez.co.in or https://mptenders.gov.in

SAVE ENERGY FOR BETTER TOMORROW
बिजली संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिये 1912 डायल करें
C.G.M. (S&P)

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव, म.प्र. शासन, राजस्व विभाग जिला दमोह (म.प्र.)
पत्र क्रमांक-093/B2/भू-अर्जन/2023-24 /तेन्दूखेड़ा/दमोह /B54 दिनांक- 12/06/2024
अधिसूचना
चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इसमें संलग्न अनुसूची के खाने क्रमांक (01) से (04) में वर्णित भूमि के अनुसूची के खाने क्रमांक (06) में उसके सामने दिए गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। अत: भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की 11 की उपधारा (01) के उपबंधों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने (05) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 12 द्वारा दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता हूँ।

जिला	तहसील	ग्राम का नाम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्ट.)	धारा 11 की उपधारा (01) द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण
1	2	3	4	5	6
दमोह	जबेरा	डेलनखेड़ा	1.572	कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग दमोह	पारना जलाशय से निकलने वाली नहर निर्माण वाबत्।

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी तेन्दूखेड़ा एवंकार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग दमोह के कार्यालय में देखा जा सकता है।
मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(सुधीर कुमार कोचर)
कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव,
म.प्र. शासन राजस्व विभाग जिला दमोह
G-12873/24

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर, जबलपुर (म.प्र.)
N.I.T. NO 101/PWD/08/PRO No. 19 Dated 03/07/2024
निविदा सूचना
निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र कामूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिमतिथि
1.	2024_UAD_355049_1 Date : 03/07/2024	शीतलामाई वार्ड अंतर्गत वंशकार मोहल्ले में सीमेंटीकरण कार्य। 1. वंशकार मोहल्ले में माया पटेल के घर के सामने सड़क सीमेंटीकरण का कार्य। 2. वंशकार मोहल्ले में अनीता राजपूत के घर से सुरेश वंशकार के घर सीमेंटीकरण कार्य 3. वंशकार मोहल्ले में दीपक वंशकार के घर से मिट्ठू जी के घर तक सीमेंटीकरण कार्य। 4: वंशकार मोहल्ले में अंजली वंशकार के घर से रामू पंडा के घर तक सीमेंटीकरण कार्य।	04 माह 6.02 लाख	2000/- 6025/-	18/07/2024

नोट :- निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, प्रथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
कार्यपालन यंत्री (लोककर्म)
नगर निगम, जबलपुर

सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग की पहचान उजागर करने के आरोप में दर्ज एफआइआर को चुनौती का मामला

हाई कोर्ट ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पटवारी व विधायक भूरिया की याचिका पर मांगा जवाब

जबलपुर। हाई कोर्ट ने कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी व कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया की याचिका पर अनावेदक शिकायतकर्ता संगीता बघेल सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया है। इसके लिए आगामी सुनवाई तिथि 12 अगस्त तक का समय दिया है। मामला सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग की पहचान उजागर करने के आरोप को लेकर दोनों के विरुद्ध दर्ज कराई गई एफआइआर को चुनौती से सम्बंधित है।

न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं का पक्ष अधिवक्ता वरुण तन्खा व शिवेंद्र पांडे ने रखा। दलील दी गई कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एक्स पर एक मैसेज पोस्ट कर सरकार से अपेक्षा की थी कि 12 साल की बच्ची के साथ बड़ी घटना हुई है। लिहाजा, जल्द से जल्द एक्शन लिया जाना चाहिए। जो भी इस केस में दोषी है, उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करते हुए कड़ी सजा दी जानी चाहिए। एक्स पर किए गए उस पोस्ट को लेकर जोबट निवासी संगीता

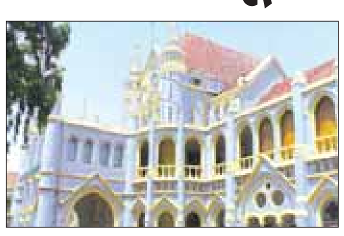

बघेल ने पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाते हुए यह कहा कि नाबालिग सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता की पहचान को इंटरनेट मीडिया के जरिए उजागर किया गया है। दरअसल, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ था। इसलिए जो आरोप लगाया गया है, वह भ्रामक है। राजनीतिक दबाव व द्वेष के चलते एफआईआर दर्ज की गई है, जिसे कि हाई कोर्ट को निरस्त कर देना चाहिए। जब जीतू पटवारी और विक्रांत भूरिया पीड़िता से मिलने गए थे, तो कानून की सभी हिदायतों का ध्यान रखा था। पीड़िता के परिवार वालों ने ही दोनों याचिकाकर्ता को मिलने बुलाया था, और तभी वो लोग गए थे, उनके साथ ज्यादा भीड़ नहीं थी। विक्रांत भूरिया वहां के स्थानीय विधायक है, और उनका वहां जाना उनका हक भी बनता है।

क्या है मामला

अलीराजपुर जिले के जोबट तहसील में रहने वाली 12 साल की बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ था। इस घटना के बाद कांग्रेस ने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे। घटना के बाद पीड़िता से मिलने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और स्थानीय विधायक विक्रांत भूरिया मिलने उसके घर गए थे। दोनों ही कांग्रेस नेताओं पर आरोप लगा था कि पीड़िता से मुलाकात के दौरान इंटरनेट मीडिया हैंडल से उसकी तस्वीर को वायरल किया गया, जिससे कि पीड़िता की पहचान उजागर हुई थी। मामले में जोबट की निवासी संगीता बघेल की शिकायत पर जोबट थाना पुलिस ने जीतू पटवारी और विक्रांत भूरिया के विरुद्ध एफआइआर दर्ज की थी। नाबालिग पीड़िता की पहचान उजागर करने के मामले में फंसे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया ने अपने विरुद्ध दर्ज एफआइआर को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की है।

आदेश का पालन न होने पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई

कर्मचारियों के उच्च वेतनमान का मामला

जबलपुर। हाइकोर्ट कर्मचारियों के उच्च वेतनमान से जुड़े मामले में 6 साल बाद भी आदेश का पालन न होने पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई। एक्टिंग चीफ जस्टिस शील नागू व जस्टिस अमरनाथ केसरवानी की खंडपीठ ने प्रदेश की मुख्य सचिव वीरा राणा को इस मामले में सरकार का मंत स्पष्ट करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने चीफ सेक्रेटरी को गुरूवार को दोपहर ढाई बजे वर्चुअल हाजिर होकर जवाब देने के निर्देश दिए। हाईकोर्ट कर्मी किशन पिल्लई सहित 109 कर्मचारियों ने याचिका दायर कर उच्च वेतनमान और भत्ते देने के लिए 2016 में याचिका दायर की। याचिकाकर्ताओं की ओर वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि इस मामले में हाईकोर्ट ने 2017 में राज्य सरकार को आदेश जारी किए थे। पालन नहीं होने पर 2018 में अवमानना याचिका प्रस्तुत की गई।

मासूम बच्चों को अपराधी बना रहा सोशल मीडिया

नया मोहल्ले की घटना जबलपुर के लिये सबक

जबलपुर। बीते दिनों नया मोहल्ला में हुई नाबालिग लड़की की हत्या को अगर एक अपराधिक घटना मानकर भुला दिया गया, तो आने वाले दिनों में ऐसी घटना लगातार होंगी। यह घटना सिर्फ एक घटना या वारदात नहीं है। बच्चों की परवरिश में मां बाप की बढ़ती लापरवाही का नतीजा है। यह लापरवाही आज किसी एक घर में नहीं है, हर घर में है, कहीं कम है, कही ज्यादा है। हर घर में बच्चों को सोशल मीडिया के हवाले कर दिया गया है। मां बाप अपनी दुनिया में गुम

हैं। बच्चों ने सोशल मीडिया पर जो फर्जी दुनिया बनाई है। उसमें क्या चल रहा है, वो मोबाईल में कैद है। उसे जानने समझने और बच्चों को समझाने में मां बाप की कोई दिलचस्पी नहीं है। गौरतलब है नया मोहल्ला ओमती में दो दिन पहले तमन्ना कुरैशी नामक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की की, मछरहाई निवासी 21 वर्षीय गुफरान राईन ने गले में चाकू मारकर हत्या कर दी थी। गुफरान को बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि पूरा मामला फोन पर बात, न करने और प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है।

लगातार बढ़ रहे अपराध

ऐसे दर्जनों मामले जबलपुर में सामने आ चुके हैं। जहां नाबालिग बच्चे सोशल मीडिया के जरिये प्रेम प्रसंग उलझे, फिर अलग अलग कारणों से अपराधिक घटनाओं की तरफ बढ़े। जिसमें एक सनसनी खेज मामला रेलवे की मिलेनियम कालोनी का था जहां नाबालिग बेटी और उसके प्रेमी ने पिता पुत्र की हत्या की थी। इसके अलावा सोशल मीडिया की दोस्ती से शुरु होकर रेप, घर से भागना, यौन शोषण, आर्थिक अपराध तक पहुंचना, जबलपुर में आम हो चुका है।

बच्चों पर रखे निगरानी

पेशेवर अपराधियों के अपराध में तो पुलिस जिम्मेदार है। लेकिन इस तरह की घटनाओं के लिये पूरा समाज जिम्मेदार है। जिला स्तर पर जागरुकता की आवश्यकता है। बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर अगर प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता, लेकिन बच्चों सोशल मीडिया कितना और कैसे इस्तेमाल करेंगे इसके लिये अनुशासन जरूरी है। विशेषकर नाबालिग बच्चे सोशल मीडिया पर क्या कर रहे हैं, उसकी जानकारी माता पिता को रखना जरूरी है। कम उम्र से बच्चों को सोशल मीडिया इस्तेमाल का तरीका भी बताया जाना चाहिये। वहीं बच्चे सोशल मीडिया एडिक्शन का शिकार न हों इसपर भी गंभीरता जरूरी है।

पुलिस ने कहा लूट नहीं, मारपीट में मोबाइल और पैसे गिरे

देर रात 2 बजे डिलवरी बॉय को चाकू मारकर लूटा

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत अमखेरा पानी टंकी के पास देर रात 2 बजे स्विगी कंपनी के डिलीवरी बॉय को रास्ते में रोककर चार लड़कों ने चाकू मारा और उसका आईफोन और पैसे लूट लिए। हालांकि पुलिस ने यह पूरा मामला ही दबा लिया और लूट की शिकायत को मोबाइल, पैसे गिरने में तब्दील कर दिया। पीड़ित ने जब एफआईआर पढ़ी तो इसका खुलासा हुआ।

घटना के संबंध से पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्विगी कंपनी का डिलवरी बॉय हामिद रजा देर रात करीब 2 बजे गोहलपुर में एक आर्डर देकर लौट रहा था, तभी अमखेरा पानी टंकी के पास उसे चार लड़कों ने रोका और चाकू से हमला कर उसका आईफोन लूटा और जेबे से पैसे निकाल लिए। पीड़ित गोहलपुर थाने में रिपोर्ट लिखवाने पहुंचा तो वहां उसे बताया कि घटना स्थल अधारताल थाने क्षेत्र का है लिहाजा उसे 108 एंबुलेंस से अधारताल थाने भेजा गया, जहां उसने एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस इसे साधारण मारपीट

की घटना बता रही है। घटना 30 जून रात 2 बजे की बताई गई है। जबकि पीड़ित का कहना है कि उसे चाकू मारा गया है और लूटा गया है। जब उसने एफआईआर पढ़ी तो खुद हैरान रह गया। इस संबंध में प्रभारी टीआई चंद्रकांत झा का कहना है कि लूट की घटना नहीं हुई बल्कि साधारण मारपीट है। धारा 324 के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

लूट की घटना मारपीट में बदली

स्विगी के डिलीवरी बॉय हामिद राजा का कहना है कि पुलिस ने एफआईआर में वह बात लिख दी जो हुआ नहीं और वह बात नहीं लिखी जो हुआ है। डिलवरी बॉय ने कंपनी द्वारा इतनी देर रात के आर्डर पर भी सवाल उठाए। बात भी सही है दरअसल इतनी देर रात के ऑर्डर न देना उचित है और न ही आर्डर करना उचित है। डिलवरी बॉय और ग्राहक के साथ दोनों के साथ ही अनहोनी हो सकती है। ग्राहकों को भी इतनी लेट ऑर्डर देने से बचना चाहिए और कंपनी को भी फिक्स टाईम कर देना चाहिए। कंपनी को इतनी देर रात के आर्डर नहीं लेना चाहिए क्योंकि ऐसे में किसी के साथ भी कोई भी घटना हो सकती है। पुलिस ने लूट के इस मामले को दबाने के लिए एफआईआर में वह बात लिख दी जो हुआ ही नहीं और जो हुआ वह लिखा नहीं।

80-90 रुपए किलो तक पहुंचा टमाटर

आसमान छूने लगे सब्जियों के दाम

जबलपुर। बारिश का सीजन शुरू होते ही सब्जियों के दाम आसमान छूने लगे हैं। शहर सहित आसपास के इलाकों में हुई बारिश के बाद पिछले कुछ दिनों में ही सब्जियों के दाम लगभग दोगुने हो गए हैं। इससे रसोई का बजट गड़बड़ा गया है। बारिश का सबसे ज्यादा असर टमाटर पर पड़ा है। चार दिन पहले फुटकर में 50 रुपए किलो बिकने वाले टमाटर के दाम 80-90 रुपए किलो तक पहुंच गए हैं। लोग सीमित मात्रा में सब्जियां खरीदकर काम चला रहे हैं। जानकारी के अनुसार व्यापारियों ने खेत से बाजार तक सब्जियों की आवक कम होने की बात कह रहे हैं। उन्होंने आलू, प्याज, लहसुन और अदरक के भाव बढ़ा दिए हैं। लहसुन के भाव 300 रुपए किलो तक पहुंच गए हैं। शहर में अदरक 200 रुपए किलो, बरबटी 80 रुपए किलो बिक रही है। करेला भी इसी भाव से बिक रहा है। अन्य दिनों की तुलना में लौकी 40 रुपए किलो, आलू 40 और प्याज के दाम 50 रुपए किलो पहुंच गए हैं। बैंगन की

आवक अच्छी होने से इसके भाव 20 से 30 रुपए किलो हैं। आम लोगों का कहना है कि प्रशासन इस समय सब्जियों पर नजर रखे। क्योंकि, हरी सब्जियों की आवक प्रभावित होने की बात तो समझ में आती है। लेकिन, अदरक, लहसुन, प्याज, आलू का आवक अचानक से कम या ज्यादा नहीं होती। शहर के ज्यादातर कारोबारी इनका स्टॉक रखते हैं। लेकिन, जिस तरह से इनके भी दाम बढ़े हैं, उससे लोगों को लग रहा है कि कीमतें जानबूझकर बढ़ाई जा रही हैं। फिलहाल टमाटर कारोबारियों के अनुसार आवक में सुधार होने से इस सप्ताह भाव 50 फीसदी तक कम हो सकते हैं।

धूप, छांव के बीच बूंदाबांदी से उमस बढ़ी

बादल छा रहे, बरस नहीं रहे

जबलपुर। गर्मी के आफत भरे मौसम में जनजीवन को बेसब्री से राहत भरी बारिश का इंतजार है। अभी हल्की बारिश के बाद गर्मी से कुछ राहत मिली है लेकिन बादल छाने के बाद उमस बढ़ जाती है। लिहाजा जोरदार बारिश का इंतजार है। मौसम विभाग रोज भारी वर्षा की चेतावनी दे रहा है लेकिन बादल पानी लेकर आगे बढ़ जा रहा है। पिछले तीन दिनों से सिर्फ बूंदाबांदी ही पा रही है। फिलहाल मौसम में जहां गर्मी से राहत मिली है वहीं उमस ने बैचेन कर दिया है। पिछले 3 दिनों से मौसम के यही हाल हैं, दिन भर उमस भरी गर्मी के बाद बूंदाबांदी और रात में बारिश हो जाती है। दिन भर धूप छांव और उमस का वातावरण बना रहता है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले चार-पांच दिनों के बाद झमाझम बारिश के आसार बनेंगे।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि अगले 24 घंटों के दौरान तेज हवाएं चल सकती है वहीं गरज चमक के साथ

कई जगह बारिश होने की संभावना है। हवाओं की दिशा अभी हवाओं की दिशा दक्षिणी पश्चिमी बनी हुई है। पिछले 24 घंटो के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 23.07 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम रिकार्ड दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातकाल 88 प्रतिशत और सायंकाल 73 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.30 बजे और सूर्यास्त शाम 7.00 बजे हुआ। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में 0.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा का आंकड़ा 203.4 मिली मीटर दर्ज किया जा चुका है। गत वर्ष आज के दिन 0.2 मिलीमीटर वर्षा हुई थी। जबकि कुल वर्षा मात्र 257.2 मिली मीटर हो चुकी थी। पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर की रफ्तार से चलीं।

यूजी, पीजी में अब तक सवा लाख प्रवेश, सेकंड राउंड में हुए 2.77 लाख रजिस्ट्रेशन

हरिभूमि, जबलपुर।

प्रदेश के 1314 सरकारी और निजी कॉलेजों में अभी प्रवेश प्रक्रिया जारी है। स्नातक में द्वितीय चरण में अब तक 2.77 लाख विद्यार्थियों ने अपना पंजीयन कराया है। कॉलेजों में यूजी-पीजी की 10.32 लाख सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया जारी है। पहले राउंड में अब तक यूजी व पीजी में एक लाख 5 हजार के करीब विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इसमें यूजी में 90 हजार प्रवेश हुए है। वहीं पीजी में 17 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। इस साल पीजी में प्रवेश की गति धीमी है। यूजी में चौथा वर्ष ऑनर्स पाठ्यक्रम शुरू होने के कारण पीजी में काफी कम प्रवेश हो रहे हैं।

पीजी कोर्सेस एमए, एमएससी, एमकॉम में प्रवेश के लिए सीट आवंटन जारी किया है। यह आवंटन द्वितीय चरण की

काउंसलिंग के तहत जारी किया गया है। विभाग ने प्रदेशभर के सरकारी और निजी कॉलेजों के लिए पीजी पाठ्यक्रमों में 32 हजार 54 विद्यार्थियों को सीट आवंटन पत्र जारी किए हैं। पहले चरण में 30 हजार 991 विद्यार्थियों को सीट आवंटित की गई थी। दोनों चरण को मिलाकर 63 हजार 45 छात्रों को सीट आवंटित की जा चुकी है। पीजी में द्वितीय चरण में जिन विद्यार्थियों को सीट आवंटन पत्र जारी किए गए हैं। इन्हें 7 जुलाई तक फीस का भुगतान कर एडमिशन लेना होगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240